वॉयस ऑफ लखनऊ

सच, सिर्फ सच **

मंगलवार, 11 अगस्त, 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 22, अंक 35, पेज 12, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 43 अंकों की उछाल

वैश्विक स्तर पर अनश्चितता के कारण कच्चे तेल के भाव में तेजी के बीच सेंसेक्स 43 अंक के लाभ में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 13 अंक की तेजी रही। } 10

भारत-एसएसीयू समूह के बीच 12 को हो सकता है समझौता

भारत और दक्षिण अफ्रीका के नेतृत्व वाले एसएसीयू समूह के बीच तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए) की बातचीत शुरू करने के लिए 12 अगस्त को संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। } 12

शर्तें नहीं मानी तो बंद रहेगा होर्मुज : ईरान

अमेरिका ने कहा-ऊर्जा की कीमतों वृद्धि काफी बड़ा मुद्दा

एजेंसी

दुबई। ईरान ने सोमवार को कहा कि जब तक अमेरिका उसकी शर्तें नहीं मानता, तब तक वह होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से नहीं खोलेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी का जिक्र करते हुए कहा अमेरिका को अपनी गैरकानूनी और विनाशकारी कार्वाइयां रोकनी होंगी तथा उनकी भरपाई करनी होगी।

ईरान चाहता है कि अमेरिका नाकेबंदी हटाए, युद्ध से हुए नुकसान के लिए मुआवजा दे, आर्थिक प्रतिबंध हटाए और ईरान की जब्त की गई संपत्तियों को मुक्त करे। होर्मुज जलडमरूमध्य ईंधन आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण जलमार्ग ...शेष पृष्ठ 10 पर

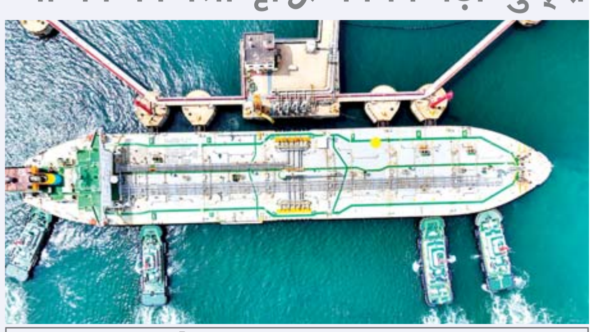

इजरायल ने ठुकराया ट्रंप का प्रस्ताव

दुबई। इजराइल ने गाजा से जुड़े उस समझौते को रविवार को खारिज कर दिया जिसकी घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की थी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पिछले महीने ट्रंप द्वारा घोषित गाजा समझौते को खारिज करते हुए कहा कि इजराइली सेना तब तक कोई वापसी नहीं करेगी, जब तक हमास पूरी तरह से हथियार नहीं डाल देता। नेतन्याहू ने मंत्रिमंडल की बैठक में कहा कि इजराइल 15 सूत्रीय दस्तावेज को स्वीकार नहीं करता , हालांकि गाजा को लेकर अमेरिका के साथ बातचीत जारी है। उन्होंने पिछले सप्ताह ...शेष पृष्ठ 10 पर

झारखंड : पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर किया लाठीचार्ज

❍ पानी की बौछारें छोड़ीं ❍ दागे आंसू गैस के गोले ❍ छात्रों ने तोड़े अवरोधक, कई घायल

एजेंसी

रांची। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में झारखंड में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने अवरोधक तोड़े और राज्य विधानसभा तक पहुंचने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने उनपर पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया, आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया।

कई प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस की कार्रवाई में वे घायल हो गए। यह कार्वाई उस वक्त हुई जब प्रदर्शनकारी नए विधानसभा परिसर की ओर जाने वाले मार्ग पर जगन्नाथपुर मंदिर के पास अंतिम अवरोधक तक पहुंचे थे। वर्तमान में झारखंड विधानसभा का सत्र चल रहा है। पीयूष कुमार सोनी नामक एक प्रदर्शनकारी ने कहा लाठीचार्ज बहुत बर्बर था। हम शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन सरकार ने हम पर लाठियां बरसाईं। ये सिर्फ हमें शारीरिक चोट पहुंचा सकते हैं हमारी सोच को नहीं दबा सकते। उन्होंने दावा किया कई छात्राओं को भी चोटें आईं। पुलिस ने हमारे सिर, हाथों, चेहरे हर जगह वार किये। हजारीबाग जिले से आए विक्रम कुमार ने दावा किया कि उनके सिर पर चोट आई है। उन्होंने कहा हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार हमारे साथ जो कुछ भी कर रही है वह ठीक नहीं है। हम शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे फिर आपकी पुलिस हम पर लाठियां क्यों बरसा रही थी। सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का 51वां जन्मदिन है और इसी दिन प्रदर्शनकारियों ने पुराने विधानसभा भवन के बाहर से सुबह करीब साढ़े 10 बजे मार्च शुरू किया। छात्रों ने प्रदर्शन के 17वें दिन अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए। भारतीय जनता युवा मोर्चा की राज्य इकाई के अध्यक्ष शशांक राज ने कहा, आज लोकतंत्र के लिए काला दिन है, क्योंकि पुलिस ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर लाठियां चलाईं। कई प्रदर्शनकारी ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप

कोलंबिया में 7.4 तीव्रता का भूकंप

बोगोटा (कोलंबिया)। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में सोमवार को 7.4 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों के मलबे के नीचे फंसे होने की आशंका है। भूकंप में दर्जनों इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। सबसे ज्यादा क्षति पश्चिमी कोलंबिया में हुई है। भूकंप के झटके पड़ोसी देश इक्वाडोर में भी महसूस किए गए। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) और कोलंबिया की संबंधित एजेंसी के अनुसार, भूकंप का केंद्र सैन जोस डेल पाल्मार में 107 किलोमीटर की गहराई में था। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और कोलंबिया की संबंधित एजेंसी ने भूकंप की तीव्रता 7.4 होने की जानकारी दी। दोनों एजेंसियों ने बताया कि भूकंप का केंद्र सतह से काफी नीचे था। दोनों ने भूकंप का केंद्र सैन होज़े डेल पाल्मार में बताया, जो कोलंबिया की राजधानी बोगोटा से लगभग 400 किलोमीटर पश्चिम में स्थित एक इलाका है।

पहली बार लाल किले से गूंजेगा वंदे मातरम

नयी दिल्ली। सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि 15 अगस्त को ऐतिहासिक लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पहली बार राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गाया जाएगा और इस कार्यक्रम की थीम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवा शक्ति का योगदान होगी। रक्षा सचिव आरके सिंह ने कहा कि लाल किले में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान युवाओं की उपलब्धियों और योगदान को रेखांकित करने की योजना जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन से पहले ही तय की जा चुकी थी। उन्होंने कहा विकसित भारत की दिशा में हमारी यात्रा में युवा बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, क्योंकि वे इसमें योगदान भी देंगे और उम्मीद है कि इसका लाभ भी उठाएंगे।

कांग्रेस ने नहीं किया स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मान

गोरखपुर : सीएम योगी की अगुवाई में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, लोगों ने की पुष्पवर्षा

जिला संवाददाता

गोरखपुर (उप्र)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को पूर्ववर्ती सरकारों पर स्वतंत्रता सेनानियों को समुचित सम्मान नहीं देने का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकारों के राज में उनकी मूर्तियां स्थापित नहीं होने दी जाती थीं और न ही उनके स्मारक बनने दिये जाते थे।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में तिरंगा यात्रा की शुरुआत से पहले अपने संबोधन में किसी का नाम लिए बगैर नेहरूगांधी परिवार पर कटाक्ष करते हुए कहा, एक ही परिवार के नाम से सभी संस्थाओं का नाम होता था। उसी परिवार के नाम पर सभी योजनाएं घोषित होती थीं लेकिन आज इन क्रांतिकारियों को सम्मान दिया जा रहा है और आज शुरू होने वाली तिरंगा यात्रा भारत के अमर बलिदानियों के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी अफसोस जताया कि देश में आजादी की क्रांति के लिए लखनऊ के काकोरी में हुई घटना को अंग्रेजों ने डकैती कहा था और यह दुर्भाग्य की बात है कि आजादी के बाद से 2022 तक देश के स्कूलों में यही पढ़ाया जाता रहा कि काकोरी की घटना डकैती थी। उन्होंने कहा क्रांतिकारी का इससे बड़ा अपमान और क्या हो सकता है? आदित्यनाथ ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस घटना के बारे में कहा है कि यह भारत की आजादी का मंत्र था क्योंकि जो लोग देश को लूट रहे थे उन्हें लूट करके वह खजाना वापस देश के लिए लाने का काम क्रांतिकारियों ने किया था। मुख्यमंत्री ने पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, ठाकुर रोशन सिंह और राजेंद्र सिंह लाहिड़ी समेत तमाम क्रांतिकारियों को नमन करते हुए कहा कि इन क्रांतिकारियों को जो सम्मान पिछली सरकारों के शासनकाल में नहीं मिला, आज तिरंगे को सम्मान देकर और राष्ट्रीय गीत तथा राष्ट्रगान का सम्मान करके हम उन क्रांतिकारियों को इज्जत दे सकते हैं। आदित्यनाथ ने यह भी दावा किया कि वर्ष 1947 के बाद कांग्रेस और अन्य दलों की सरकारों ने नागरिकों को देश का राष्ट्रीय ध्वज अपने घरों पर लगाने का अधिकार नहीं दिया लेकिन 2022 में केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने राष्ट्रीय ध्वज ...शेष पृष्ठ 10 पर

मुख्यमंत्री ने सुनीं जनता की समस्याएं

जिला संवाददाता

गोरखपुर। रविवार शाम गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास करने के बाद सोमवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। उन्होंने समस्या लेकर आए सभी लोगों की ध्यान से बात सुनी। उनके प्रार्थना पत्र लिए और आत्मीयता से बोले, घबराइए मत, आपकी समस्या का समाधान जरूर कराया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निराकरण कराएं। सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। अपनत्व के भाव से कहां से आए हैं, क्या बात है, कहते हुए एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। भरोसा दिया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित ...शेष पृष्ठ 10 पर

राम मंदिर सीईओ पद के लिए मिले 5300 आवेदन

अयोध्या। श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पद के लिए 18 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए चुना गया है। मंदिर सूत्रों ने सोमवार को बताया कि इस पद के लिए 5,300 से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन दिया था जिसके बाद एक चयन समिति ने साक्षात्कार के लिए 18 उम्मीदवारों को चुना है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता मिलने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि चुने गए उम्मीदवारों का मंगलवार और बुधवार को मंदिर परिसर में साक्षात्कार लिया जाएगा।

साक्षात्कार लेने वाले पैनल में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) प्रमोद कोहली लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) विष्णुकांत चतुर्वेदी और शिर्डी साईंबाबा ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष सुरेश हवारे शामिल होंगे। सीईओ का मुख्य कार्य मंदिर के कामकाज का प्रबंधन देखना होगा, इसलिए उम्मीदवार के पास प्रबंधन का बेहतर अनुभव होना जरूरी है। मंदिर से जुड़े सूत्रों ने बताया कि चुने गए उम्मीदवार का हिंदू होना और हिंदू धर्म की सभी परंपराओं और नियमों का पालन करना जरूरी है, जिसमें पूरी तरह शाकाहारी होना और शराब या नशे से दूर रहना शामिल है।

सदन चलने में सहयोग नहीं कर रहा विपक्ष

सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार, कांग्रेस बार-बार बदल रही अपनी मांगें

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर प्रहार किया और उन पर पिछले 15 दिन से जानबूझकर संसद की कार्यवाही में व्यवधान डालने और देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। नड्डा ने कहा कि सरकार ने राहुल गांधी की मांग मानते हुए नीट प्रश्नपत्र लीक लीक के मुद्दे पर संसद में चर्चा कराने पर सहमति जताई है, लेकिन कांग्रेस नेता अपनी मांगें लगातार बदल रहे हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, राहुल गांधी जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के बारे में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे थे। जब गृह मंत्री उनकी मांग मान गए, तो कांग्रेस नेता ने अपना गोलपोस्ट बदल लिया और राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी पर चर्चा की मांग करने लगे।

नड्डा ने यहां पत्रकारों से कहा, वे चर्चा से क्यों भाग रहे हैं? मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं : राहुल गांधी, चर्चा से भागिए मत। हम तैयार हैं। हम सदन के अंदर हर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। भागिए मत। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने कहा ...शेष पृष्ठ 10 पर

ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरायी मोटरसाइकिल, दो मरे

बाराबंकी। जिले के फतेहपुर क्षेत्र में श्रावण मास के दूसरे सोमवार को लोधेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक के लिए जा रहे एक मोटरसाइकिल के रविवार रात ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराने की घटना में उस पर सवार दो युवकों की मौत हो गयी जबकि तीसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

फतेहपुर कस्बे के जोशी टोला निवासी शैलेंद्र उर्फ हेमल जोशी, शक्तिमान जोशी और सचिन जोशी श्रावण मास के दूसरे सोमवार को एक ही मोटरसाइकिल से लोधेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक के लिए जा रहे थे। रास्ते में दादनपुर के पास मोटरसाइकिल आगे जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से जोरदार तरीके से टकरा गयी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार तीनों युवक गम्भीर रूप से घायल हो गये जिनमें से शक्तिमान और हेमल की मौत हो गयी।

युवाओं के पास भविष्य को लेकर स्पष्ट सोच

विद्यार्थी मंथन में 2828 स्कूलों से जुड़े तीन लाख से अधिक छात्र-छात्राएं

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को विद्यार्थियों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि प्रदेश के युवाओं के पास भविष्य को लेकर स्पष्ट सोच और नई संभावनाओं के विचार हैं। शासन का दायित्व है कि इन विचारों को सुना जाए और उपयोगी सुझावों को नीति निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ा जाए।

मुख्य सेवक सदन में आयोजित मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन कार्यक्रम में प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों से लेकर शहरों तक के छात्र-छात्राओं ने ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। सरकारी और निजी विद्यालयों के 2828 संस्थानों से तीन लाख से अधिक विद्यार्थी कार्यक्रम से जुड़े। कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों ने विशेष रूप से संवाद में अपनी भागीदारी दर्ज कराई। संवाद में विद्यार्थियों ने केवल विद्यालयी शिक्षा से जुड़े विषयों पर चर्चा नहीं की, बल्कि उत्तराखंड के समग्र विकास से संबंधित मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। छात्रों ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, उच्च शिक्षा के बेहतर विकल्प, खेल सुविधाओं के विस्तार, पर्यटन क्षेत्र में नए अवसर पैदा करने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण सहित कई विषयों पर मुख्यमंत्री के समक्ष अपने विचार रखे। खेलों को लेकर विद्यार्थियों ने कहा कि पढ़ाई के साथ शारीरिक गतिविधियों के लिए पर्याप्त समय मिलना चाहिए। इस क्रम में स्कूलों में सप्ताह में चार दिन खेल पीरियड कराने का सुझाव भी दिया गया। वहीं, कुछ विद्यार्थियों ने प्रदेश में उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक संस्थानों की संख्या बढ़ाने और आधुनिक शिक्षा के अवसर विकसित करने की आवश्यकता बताई, जिससे उत्तराखंड को देश के प्रमुख शिक्षा केंद्रों की श्रेणी में लाया जा सके। मुख्यमंत्री धामी ने विद्यार्थियों की ओर से सामने आए सुझावों को ...शेष पृष्ठ 10 पर

आज का मौसम

अधिकतम	:	36.06 डिसे.
न्यूनतम	:	26.04 डिसे.

भीतर पढ़ें

- ❍ फूलन देवी की हत्या की हो सीबीआई जांच (पृष्ठ-02)
- ❍ 10 रुपये लीटर खरीदा जायेगा गोमूत्र (पृष्ठ-02)
- ❍ रुपये में कमजोरी से सोना 2,000 रुपये मजबूत (पृष्ठ-10)
- ❍ रुपया 11 पैसे टूटकर 95.28 प्रति डॉलर पर (पृष्ठ-10)
- ❍ सोने की कीमतों पर अब युद्ध का कोई असर नहीं (पृष्ठ-10)

विशेष खबर भारी बारिश के कारण क्षेत्र की नदियां और नाले उफान पर

मध्य प्रदेश के उफनाते नाले में वाहन बहा, नौ की मौत

एजेंसी

राजगढ़ (मप्र)। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में सोमवार को भारी बारिश के बीच 11 यात्रियों को ले जा रहा एक वाहन उफनते नाले को पार करने के दौरान तेज बहाव में बह गया, जिससे एक बालिका समेत नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब नौ बजे सारंगपुर कस्बे के पास पदाना बायपास की पुलिया पर हुई।

उसने बताया कि चालक नाले में पानी का तेज बहाव होने के बावजूद गाड़ी पार कराने का प्रयास करने लगा तभी वाहन पानी के तेज बहाव में बह गया। अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मौके पर मौजूद स्थानीय प्रशासन के कर्मचारियों और ग्रामीणों ने चालक को आगे नहीं बढ़ने की चेतावनी दी थी, लेकिन उसने वाहन आगे बढ़ा दिया। अधिकारियों के अनुसार तेज बहाव में वाहन के बहने के बाद ग्रामीणों ने अपनी जान जोखिम में डालकर रस्सियों की मदद से बचाव अभियान चलाया और दो यात्रियों को बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि एक बच्ची समेत नौ लोगों के शव बरामद किए गए हैं। सारंगपुर के अनुविभागीय पुलिस ...शेष पृष्ठ 10 पर

पहाड़ों पर भारी बारिश ने मचायी तबाही, कई पुल बहे

शिमला। अतिवृष्टि के कारण उफान पर आए तमक नाले में चीन सीमा को जोड़ने वाला बैली ब्रिज सोमवार शाम को बह गया। नाले में दूसरी बार उफान आया तो पुल बह गया। पुल बहने से नीती घाटी के 12 से अधिक सीमांत गांवों के साथ ही सेना और आईटीबीपी की चौकियों का संपर्क पूरी तरह कट गया है।

हादसे में पुल के समीप काम कर रहा बीआरओ का एक कर्मचारी लापता बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें मौके के लिए रवाना की गईं। ज्योतिर्मठ से करीब 37 किलोमीटर आगे नीती घाटी में तमक नाले पर पिछले वर्ष नाला उफान पर आने से पक्का ...शेष पृष्ठ 10 पर

762 नगरीय निकायों में ओटीएस योजना लागू

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के सभी 762 नगरीय निकायों में लंबित संपत्ति कर के निस्तारण के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लागू करने का निर्णय लिया है। योजना के तहत गृहकर, जलकर एवं सीवरकर के पुराने बकाये का भुगतान करने वाले करदाताओं को राहत मिलेगी। सरकार का उद्देश्य लंबे समय से लंबित कर बकायों का सरल तरीके से निस्तारण कराने के साथ नगरीय निकायों की वित्तीय स्थिति को मजबूत करना है।

❍ 15 अगस्त से 15 दिसंबर तक चलेगी योजना, तीन किस्तों में जमा कर सकेंगे बकाया

इस योजना का लाभ प्रदेश के 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद और 545 नगर पंचायतों में लंबित संपत्ति कर के बकायेदारों को मिलेगा। सरकार के मुताबिक, योजना से करदाताओं पर आर्थिक दबाव कम होने के साथ कर संबंधी न्यायालयीय विवादों में भी कमी आने की उम्मीद है। एकमुश्त समाधान योजना की अवधि चार माह निर्धारित की गई है। इसका क्रियान्वयन 15 अगस्त 2026 से 15 दिसंबर 2026 ...शेष पृष्ठ 10 पर

गोरक्षपीठाधीश्वर योगी ने किया रुद्राभिषेक

गोरखपुर। सावन के दूसरे सोमवार को मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सोमवार अपराह्न बेला में रुद्राभिषेक व हवन किया। रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कर उन्होंने भगवान भोले शंकर से विश्व के कल्याण और सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। गोरखनाथ मंदिर के अपने आवास के प्रथम तल स्थित शक्तिपीठ में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं सीएम योगी ने भगवान भोलेनाथ को बिल्व पत्र, दुर्वा, मदार पत्र, कमल पुष्प समेत अनेक पूजन सामग्री अर्पित करने के बाद जल और गोदुग्ध से रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत आचार्यगण एवं पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक संपन्न कराया। रुद्राभिषेक के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन किया। विधि विधान से पूर्ण हुए रुद्राभिषेक अनुष्ठान के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

हर-हर महादेव से गूंजे शिवालय, कांवड़ यात्रा का भक्तिमय माहौल

काशी में दिन भर गूंजा शिव का उद्घोष, अयोध्या भी हुई शिवमय, जगह-जगह हुए रुद्राभिषेक

सोमवार ने दूना किया कांवड़ यात्रा का उत्साह

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। काशी से अयोध्या और प्रयागराज तक सावन के पावन सोमवार पर पूरा प्रदेश भोलेनाथ की भक्ति में डूबा नजर आया। बाबा विश्वनाथ के दरबार से लेकर गली-मोहल्लों के छोटे-बड़े शिवालयों तक हर तरफ हर हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों की गूंज सुनाई दी। मंदिरों के कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा, जो देर शाम आरती तक थमने का नाम नहीं ले रहा था। कांवड़ियों के जत्थे कंधों पर गंगाजल लिए बोल बम के उद्घोष के साथ आगे बढ़ते रहे, जिससे पूरा वातावरण शिवमय हो उठा। जगह-जगह लोगों ने रुद्राभिषेक किया और और शिवार्चना की।

बाबा विश्वनाथ धाम के दर्शन को रविवार रात से ही श्रद्धालु काशी पहुंचने लगे थे। सड़क से लेकर मंदिर परिसर तक हर कोई बाबा के जलाभिषेक की धुन में मगन दिखा। कांवड़ियों ने गंगा में डुबकी लगाकर पवित्र जल भरा और फिर विश्वनाथ मंदिर की ओर कतारबद्ध होकर बढ़ चले। मंदिर परिसर घंटे-घड़ियाल और डमरू की ध्वनि से गूंजता रहा।

सुरक्षा के व्यापक इंतजामों के बीच श्रद्धालुओं ने बाबा को दूध, दही, शहद, बेलपत्र और भांग-धतूरे से जलाभिषेक किया। शाम को गंगा आरती के समय पूरा घाट क्षेत्र दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। स्थानीय व्यापारियों ने भी श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह प्याऊ और भंडारे की व्यवस्था कर सेवा भाव दिखाया। तीर्थराज प्रयागराज में मनकामेश्वर मंदिर समेत प्रमुख शिवालयों में भोर से ही दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा। संगम तट पर स्नान कर श्रद्धालुओं ने पवित्र जल कलशों में भरा और फिर शिव मंदिरों की ओर रुख किया।

गलियों में कांवड़ियों की टोलियां भगवा वस्त्र पहने, कंधे पर बांस की कांवड़ लिए ह्यजय भोलेनाथ के नारे लगाती नजर आईं। मंदिरों के बाहर फूल-माला और बेलपत्र की दुकानों पर भी खासी रौनक रही। शाम ढलते ही मंदिरों में विशेष श्रृंगार और रुद्राभिषेक का आयोजन हुआ। त्रेतायुगीन नागेश्वरनाथ मंदिर से लेकर क्षीरेश्वरनाथ, पंचमुखी महादेव और झारखंडेश्वरनाथ समेत शहर के प्रमुख शिवालयों में देर शाम तक हर हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। रामलला के दरबार से हनुमानगढ़ी तक दर्शनार्थियों की भारी भीड़ जुटी रही। जय श्रीराम और बम-बम भोले के उद्घोष से पूरा अवध क्षेत्र गूंज उठा। सरयू तट पर स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने पवित्र जल लेकर नागेश्वरनाथ मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मंदिरों में रुद्राभिषेक, बेलपत्र अर्पण और भजन-कीर्तन का सिलसिला दिन भर चलता रहा। राम की पैड़ी क्षेत्र में भी भक्तों की चहल-पहल देखने लायक थी, जहां आस्था और श्रद्धा का संगम राम भक्ति और शिव भक्ति के रूप में एक साथ नजर आया। प्रदेश भर के मार्गों पर कांवड़ यात्रा का उत्साह चरम पर रहा। भगवा वस्त्र धारण किए कांवड़िए कंधों पर सजी-धजी कांवड़ लेकर पैदल, साइकिल और वाहनों से अपने-अपने गंतव्य की ओर बढ़ते दिखे। रास्ते में जगह-जगह स्वयंसेवी संस्थाओं और स्थानीय लोगों ने कांवड़ियों के लिए विश्राम शिविर, जलपान और चिकित्सा शिविर लगाए। डीजे की भक्ति धुनों पर झूमते कांवड़िए और हर बोल बम, बोल बम के उद्घोष ने माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। कई स्थानों पर कांवड़ियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

मंत्री अनिल राजभर को अभ्यर्थियों ने सौंपा ज्ञापन

लखनऊ। 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2018 में शामिल अभ्यर्थियों का एक प्रतिनिधि मंडल सोमवार को श्रम एवं सेवायोजन तथा समन्वय विभाग के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर से उनके लखनऊ स्थित आवास पर मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। अभ्यर्थियों ने उनसे मांग करते हुए कहा की राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग उत्तर प्रदेश लखनऊ की संस्तुति के अनुसार अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 68,500 शिक्षकों की भर्ती परीक्षा के उत्तीर्णांक में 5 प्रतिशत की छूट देते हुए पूर्णांक 150 में 60 अंक अर्थात 40 प्रतिशत पर परिणाम संशोधित करा कर नई सूची जारी करें। अभ्यर्थियों ने ज्ञापन के साथ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट भी सौंपी। इस भर्ती का नेतृत्व कर रहे अभ्यर्थी तूफान सिंह ने बताया कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती 2018 के संबंध में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को उत्तीर्णांक में 5 प्रतिशत की छूट प्रदान किए जाने एवं सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की संस्तुति की गई है। ज्ञापन देने वाले में इस भर्ती का नेतृत्व कर रहे अभ्यर्थी तूफान सिंह, आशुतोष वर्मा, अखिल यादव और नवीन चौधरी शामिल रहे।

13 तक चलेगा दिव्यांगजन रोजगार अभियान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तत्वावधान में विशेष रूप से दिव्यांगजनों को सशक्त और स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे 'दिव्यांगजन रोजगार अभियान-3.0' की समय-सीमा बढ़ा दी गई है। पूर्व में 3 से 10 अगस्त तक निर्धारित इस अभियान की तिथि को जनहित में विस्तार देते हुए अब 13 अगस्त तक संचालित करने का निर्णय लिया गया है। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि इस महत्वपूर्ण पहल का मुख्य उद्देश्य निर्धारित रोजगार लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति करना तथा प्रदेश के अधिक से अधिक दिव्यांग युवाओं को रोजगार व स्वरोजगार के अवसरों से जोड़कर लाभान्वित करना है। अभियान को मिल रहे सकारात्मक रुझान और आवेदनकर्ताओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए समय-सीमा का विस्तार किया गया है।

आईटीआई में प्रवेश के लिए विकल्प परिवर्तन का मौका, 15 तक

लखनऊ। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग के विशेष सचिव/ अधिशासी निदेशक एससीवीटी अभिषेक सिंह ने बताया कि प्रदेश के राजकीय/निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में संचालित व्यवसायों, टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से 211 राजकीय संस्थानों में संचालित 10 दीर्घकालीन व्यवसायों एवं पीपीपी मॉडल पर संचालित राजकीय संस्थानों के विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षण के लिए विकल्प परिवर्तन (संस्थान/व्यवसाय) के लिए एससीवीटी पोर्टल खोला गया है। उन्होंने बताया कि सर्वसाधारण के लिए 09 अगस्त से 12 अगस्त तक विकल्प परिवर्तन के लिए पोर्टल खोला गया है। साथ ही अभ्यर्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए वेबसाइट http://www.scvtup.in पर नवीन ऑनलाइन आवेदन/पंजीकरण एवं विकल्प परिवर्तन (संस्थान/व्यवसाय) के लिए 15 अगस्त की रात्रि 12.00 बजे तक एससीवीटी पोर्टल खुला रहेगा। इसके बाद आवेदन/पंजीकरण/विकल्प परिवर्तन के लिए कोई अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन में सहायता के लिए विवरणी ई-फॉर्म में वेबसाइट www.scvtup.in पर उपलब्ध है।

रांची में छात्रों पर लाठीचार्ज लोकतंत्र पर हमलाः सुनील सिंह

लखनऊ। लोकदल अध्यक्ष सुनील सिंह ने रांची में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि छात्र अपने अधिकारों और भविष्य की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठा रहे थे। लोकतंत्र में अपनी बात रखना हर नागरिक का अधिकार है। ऐसे में लाठीचार्ज कर उनकी आवाज दबाने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह घटना रांची में हो रही है या देश के किसी अन्य हिस्से में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर बल प्रयोग की हम हर जगह निंदा करते हैं।

फूलन देवी की हत्या की हो सीबीआई जांच : डॉ. संजय निषाद

- निषाद पार्टी अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री ने अयोध्या में कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक
- डॉ. निषाद ने कहा, पार्टी आज भी निषाद समाज के आरक्षण की मांग पर कायम

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल निषाद पार्टी ने सोमवार को अयोध्या के सर्किट हाउस सभागार में पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद शामिल हुए।

उन्होंने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूर्व सांसद फूलन देवी की जयंती है। निषाद पार्टी फूलन देवी के आदर्शों पर चलने वाली पार्टी है। हम चाहते हैं कि फूलन देवी की हत्या की सीबीआई जांच होनी चाहिए, ताकि उनकी हत्या से जुड़ी सच्चाई जनता के सामने आ सके।

उन्होंने कहा कि निषाद पार्टी प्रत्येक निषाद बाहुल्य जिले में समीक्षा बैठक आयोजित कर आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा कर रही है। निषाद बाहुल्य बूथों पर निषाद पार्टी के बूथ एजेंट बैठें, इसके लिए भी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि निषाद समाज अपनी प्राथमिकताओं को भली-भांति जानता है। निषाद पार्टी आज प्रदेश सरकार के साथ साढ़े चार वर्षों से गठबंधन में है, लेकिन कुछ लोग हमसे 10 वर्षों का हिसाब मांगते हैं।

मैं आज उन लोगों को स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि जो लोग हमसे हिसाब मांग रहे हैं, उन्हें पहले अपना इतिहास और भूगोल जान लेना चाहिए। डॉ. निषाद ने कहा कि आज हमसे हिसाब मांगने वाले पहले यह बताएं कि जो लोग 70 वर्षों से अलग-अलग सरकारों में सत्ता का हिस्सा रहे हैं, कभी सपा में मंत्री और विधायक रहे, कभी बसपा और कांग्रेस में रहे और कभी भाजपा के साथ रहे। उन्होंने निषाद समाज के अधिकारों और मांगों को लेकर आवाज क्यों नहीं उठाई? उन्होंने कहा कि आज भी संसद से लेकर सड़क तक निषाद समाज की मांगों को मजबूती से उठाने का काम निषाद पार्टी ही कर रही है। केंद्र और राज्य सरकार के साथ हमारा गठबंधन जरूर है, लेकिन हम निषाद समाज की पैरवी पूरी मजबूती से कर सकते हैं। आरक्षण देना या न देना केंद्र एवं राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र का विषय है।

उन्होंने कहा कि निषाद पार्टी आज भी निषाद समाज के आरक्षण की अपनी मांग पर मजबूती से कायम है। हम भाजपा के साथ गठबंधन में हैं और अपनी मांग को लगातार सरकार के समक्ष रखते रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि निषाद समाज को आरक्षण दे दो, बेशक हमारा मंत्री पद ले लो। निषाद पार्टी कभी भी सत्ता और कुर्सी की भूखी नहीं रही है। हम अपने आदर्शों एवं विचारधारा पर चलने वाली पार्टी में से हैं। निषाद समाज के मुद्दे को लेकर हम भाजपा के साथ गठबंधन में आए थे और आज भी अपने मुद्दों की पैरवी एक दमदार वकील के तौर पर कैबिनेट में करते हैं।

जीपीएस ट्रैकिंग, क्यूआर कोड से पोषण वितरण की निगरानी

- तकनीक ने आपूर्ति श्रृंखला को बनाया अधिक पारदर्शी व जवाबदेह

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं तक पोषण पहुंचाने की व्यवस्था सिर्फ राशन वितरण तक सीमित नहीं रह गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में टेक होम राशन व्यवस्था को तकनीक से जोड़कर आपूर्ति श्रृंखला की निगरानी और वितरण की पारदर्शिता को मजबूत किया गया है। करीब 1.56 करोड़ लाभार्थियों तक पहुंच रही इस व्यवस्था में जीपीएस ट्रैकिंग, क्यूआर कोड और ओटीपी आधारित सत्यापन जैसे डिजिटल उपायों को शामिल किया गया है।

इस व्यवस्था का उद्देश्य पोषण सामग्री को उत्पादन इकाई से लेकर वास्तविक लाभार्थी तक सुरक्षित और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पहुंचाना है। परिवहन के दौरान वाहनों की जीपीएस के जरिए निगरानी की जाती है। इससे आपूर्ति में लगे वाहनों की आवाजाही पर नजर रखना संभव हुआ है। वहीं पैकेट पर लगाए गए क्यूआर कोड के जरिए सामग्री की पहचान और वितरण संबंधी जानकारी को डिजिटल प्रक्रिया से जोड़ा गया है।

लाभार्थी को पोषण सामग्री उपलब्ध कराते समय ओटीपी आधारित सत्यापन की व्यवस्था भी लागू है। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि सामग्री निर्धारित लाभार्थी तक ही पहुंचे। पूरी प्रक्रिया में डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होने से निगरानी करने वाले अधिकारियों के लिए भी व्यवस्था को ट्रैक करना आसान हुआ है। सरकार ने टेक होम राशन के लिए अलग-अलग आयु और जरूरत के अनुसार पोषण उत्पाद भी तैयार किए हैं। छह माह से छह वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और बच्चों को जरूरत के अनुरूप अनुपूरक पोषण उपलब्ध कराया जा रहा है।

निर्माण कार्यों के भुगतान से पहले संयुक्त स्थलीय निरीक्षण अनिवार्य

लखनऊ। नगर निगम के निर्माण एवं विकास कार्यों में पारदर्शिता बढ़ाने और कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मुख्य अभियंता महेश वर्मा ने नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत अब निर्माण कार्यों के चलित एवं अंतिम देयकों के भुगतान से पहले संबंधित अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से स्थल का निरीक्षण करना अनिवार्य होगा। नई व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्माण कार्य के दौरान यदि किसी अतिरिक्त मद या अतिरिक्त कार्य की आवश्यकता महसूस होती है तो उसे बिना सक्षम स्वीकृति के नहीं कराया जा सकेगा। इसके लिए पहले नगर आयुक्त अथवा सक्षम अधिकारी से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। स्वीकृति मिलने के बाद ही अतिरिक्त कार्य कराया जाएगा और उसी के आधार पर भुगतान किया जाएगा। आदेश के मुताबिक पांच लाख रुपये तक की अनुबंधित धनराशि वाले निर्माण कार्यों के चलित अथवा अंतिम देयक प्रस्तुत करने से पहले अवर अभियंता और सहायक अभियंता संयुक्त रूप से कार्यस्थल का निरीक्षण करेंगे। दोनों अधिकारियों की संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट के बाद ही देयक की भुगतान प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। वहीं, पांच लाख रुपये से अधिक की लागत वाले निर्माण कार्यों के लिए अवर अभियंता, सहायक अभियंता और अधिशासी अभियंता की ओर से संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण के बाद तैयार रिपोर्ट को देयक के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। नई व्यवस्था में निरीक्षण के दौरान लिए गए जीपीएस आधारित फोटोग्राफ भी अनिवार्य किए गए हैं।

विस के शैक्षणिक भ्रमण पर पहुंचे कानपुर के विधि छात्र

- अध्यक्ष सतीश महाना ने लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति किया प्रेरित

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। कानपुर के 25 सदस्यीय विधि छात्र प्रतिनिधिमंडल ने आज प्रतिनिधि कुशाग्र द्विवेदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विधानसभा का शैक्षणिक एवं ज्ञानवर्धक भ्रमण किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विधानसभा की कार्यप्रणाली, संसदीय परंपराओं तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था को निकट से समझने का अवसर प्राप्त किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदन का अवलोकन किया तथा जाना कि सदन की कार्यवाही किस प्रकार संचालित होती है।

उन्हें प्रश्नकाल, शून्यकाल, विधेयकों की प्रक्रिया, विभिन्न संसदीय समितियों की भूमिका तथा जनप्रतिनिधियों की संवैधानिक जिम्मेदारियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधानमंडल की भूमिका और जनहित से जुड़े विषयों पर होने वाली संसदीय प्रक्रियाओं से भी अवगत कराया गया। प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा के समृद्ध पुस्तकालय का भी भ्रमण किया, जहां विधि, संविधान, संसदीय परंपराओं तथा शासन-प्रशासन से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों एवं संदर्भ सामग्री का अवलोकन किया।

विद्यार्थियों ने विधानसभा संग्रहालय का भ्रमण कर उत्तर प्रदेश विधानसभा के इतिहास, महत्वपूर्ण संसदीय घटनाओं, लोकतांत्रिक विकास यात्रा तथा ऐतिहासिक दस्तावेजों एवं चित्रों की जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने विधानसभा परिसर में उपलब्ध आधुनिक डिजिटल सुविधाओं, प्रशासनिक व्यवस्थाओं एवं सुरक्षा तंत्र को भी निकट से देखा और समझा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने विधि छात्रों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि लोकतंत्र की सफलता संविधान के प्रति आस्था, विधि के जवाबदेही पर आधारित होती है।

उन्होंने कहा कि एक विधि छात्र के लिए केवल पाठ्य पुस्तकों का अध्ययन ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली को व्यवहारिक रूप से समझना भी उतना ही आवश्यक है। अध्यक्ष ने विद्यार्थियों से संविधान की मूल भावना, न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान करते हुए कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के न्यायविद, अधिवक्ता, न्यायाधीश और जनप्रतिनिधि बनेंगे। इसलिए उन्हें सत्यनिष्ठा, अनुशासन, नैतिक मूल्यों तथा राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने ज्ञान का उपयोग समाज के कल्याण के लिए करना चाहिए।

जस्टिस मोर्चा के जरिये उठायेंगे युवाओं के मुद्दें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शिक्षा, रोजगार, समान अवसर और युवाओं के भविष्य से जुड़े गंभीर सवालों को लेकर युवाओं द्वारा गठित जस्टिस मोर्चा की सोमवार को राजधानी के प्रेस क्लब में आधिकारिक घोषणा की गई। जस्टिस मोर्चा के सदस्यों ने बताया कि प्रदेश का युवा आज शिक्षा की बदहाल व्यवस्था, सरकारी शिक्षण संस्थानों के कमजोर होते ढांचे, बढ़ती बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं, भर्तियों में देरी और रोजगार के सीमित अवसरों के कारण गहरे असंतोष और असुरक्षा के दौर से गुजर रहा है। यह केवल युवाओं का सवाल नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के भविष्य का सवाल है।

उन्होंने कहा कि जस्टिस मोर्चा आने वाले दिनों में प्रदेश के युवाओं के बीच जाकर उनके सवालों को सुनेगा, स्थानीय मुद्दों को उठाएगा और शिक्षा, रोजगार, पारदर्शिता और समान अवसर के पक्ष में व्यापक जनसमर्थन तैयार करेगा। इसके लिए प्रमुख मांगें रखीं, जिमसें वार्षिक भर्ती परीक्षा कैलेंडर जारी किया जाए और सभी प्रतियोगी परीक्षाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर आयोजित किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को वापस लिया जाए। संविदा एवं ठेका प्रथा पर रोक लगाई जाए और समान काम के लिए समान वेतन दिया जाये। साइकिल यात्रा के साथ-साथ अगले 50 दिनों तक प्रदेश के सभी 75 जिलों में 800 से अधिक कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में नुक्कड़ सभाओं, छात्र-युवा बैठकों और जनसंवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर सुधांशु, अर्पिता, गोविंद, देवेश, प्रियेश, मृत्युंजय, विशाल, विवेक, बृजेश, अवनीश, महेंद्र, सूफी, राघव, सत्यम, नीरज शामिल रहे।

सपा डिलिमिटेशन बिल व एफसीआरए बिल का कर रही विरोध

- अखिलेश यादव ने कहा, सरकार एफसीआरए से लोगों को डरायेंगी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि सपा डिलिमिटेशन बिल और एफसीआरए बिल का विरोध कर रही है। सरकार संस्थाओं पर कब्जा करने के लिए एफसीआरए बिल ला रही है। ये एफसीआरए से लोगों को डराएंगे। जिन सस्थाओं को अच्छे कार्यों को चलाने के लिए विदेश से पैसा आ रहा है, सरकार उन्हें डराएगी। यह लोग भूमाफिया हैं। जमीन कब्जा कर रहे हैं, एफएसीआरए के बाद ये संस्थाओं पर कब्जा करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। सरकार एफसीआरए बिल अल्पसंख्यकों को परेशान करने के लिए ला रही है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कई संस्थाएं चल रही है। एक बड़े शहर में भाजपा के मंत्री ने उस संस्था पर कब्जा कर लिया। भाजपा बहुत बड़ी भूमाफिया पार्टी है। उत्तर प्रदेश में तो बड़े पैमाने पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। इन्हें जहां भी खाली जमीन और तालाब दिखाई देता है, कब्जा कर लेते हैं। अयोध्या की पावन धरती पर इन लोगों ने आस्था से खिलवाड़ किया। पन्द्रह-पन्द्रह मिनट में जमीनों के दाम कई-कई गुना बढ़ा कर बेंच दिया। संसद परिसर में सोमवार को मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने वादा किया था कि पैसा भारत से बाहर नहीं जाएगा। काला धन वापस लाया जाएगा। तमाम लोग बैंकों का पैसा भारत से लेकर बाहर चले गए। उनके लिए क्या कानून है।

सरकार ने क्या किया? बाहर का पैसा भारत में आए उसके लिए पाबंदी लगाना चाहते हैं लेकिन भारत का पैसा बाहर चला जाए, उस पर कोई पाबंदी नही है। इस सरकार को अपने पुराने नारे याद करना चाहिए। कालाधन वापस आएगा, किसी को पैसा लेकर भागने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि जब से भाजपा सत्ता में आयी है पैसे वालों के अच्छे दिन आए हैं। सरकार कानून और गैर कानूनी तरीके से बाहर जाने वाले पैसे पर पाबंदी कब लगाएगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार सवालों से भाग रही है। जनता हम लोगों को चुनकर भेजती है। लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना होता है लेकिन यह सरकार सवालों का जवाब नहीं देना चाहती है। दिल्ली में छात्रों, नौजवानों पर आंसू गैस के गोले चले, लाठी चली, करंट लगा, चोटें आयीं, बड़े पैमाने पर छात्र अस्तपाल में भर्ती हुए, इलाहाबाद में आज भी बच्चों के ऊपर मुकदमें दर्ज हुए। कई बच्चे जो आंदोलन में नहीं शामिल थे उन पर भी मुकदमें दर्ज हुए। सरकार ने कहा था कि किसी पर मुकदमें नहीं होंगे। किसी को परेशान नहीं किया जाएगा लेकिन सरकार अपने वादे से मुकर गयी। ऐसे में सवाल किससे पूछा जाए।

सरकार अल्पसंख्यक संस्थाओं पर बनाना चाहती है दबाव : डिम्पल

लखनऊ। सपा की मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव ने कहा कि सरकार एफसीआरए बिल के जरिए एनजीओ और अल्पसंख्यक संस्थाओं पर दबाव बनाना चाहती है। उनकी जमीनों को कब्जा करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार बताए कि आरएसएस रजिस्टर्ड है या नहीं, उसे चलाने के लिए पैसे कहां से आते हैं? उन्होंने कहा कि चढ़ावा चोरी पर खुद मुख्यमंत्री ने कहा था कि दूध का दूध और पानी का पानी करेंगे। उन्होंने अयोध्या की न जाने कितने चक्कर लगाए। जब अयोध्या में प्रभु श्री राम के मंदिर में चढ़ावा चोरी का खुलासा हुआ तो पहले दबाने की कोशिश की गई, बाद में लीपापोती करने लगे। अयोध्या में जमीनों की खरीद में भारी धांधली हुई। जमीनों के खरीद में कमीशन खोरी और घोटाला हुए। सस्ते दामों पर खरीदी गई जमीनों को ट्रस्ट ने महंगी कीमतों खरीदी हैं।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत 10 रु. लीटर खरीदा जायेगा गोमूत्र

- 15 गांवों में गोमूत्र संग्रह केंद्र, 300 ग्रामीण महिलाएं बनीं शेयरहोल्डर

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। गो संरक्षण को ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तीकरण और प्राकृतिक खेती से जोड़ने की दिशा में बुलंदशहर में एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के माध्यम से किसानों और पशुपालकों से 10 रुपये प्रति लीटर की दर से गोमूत्र खरीद की जा रही है। परियोजना की सफलता के बाद इसे प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में विस्तार देने की योजना है।

बुलंदशहर की स्याना तहसील के नरसैना गांव में डॉ. प्रवीण के नेतृत्व में शुरू किए गए इस प्रोजेक्ट से फिलहाल 15 गांवों को जोड़ा गया है। इन गांवों में गोमूत्र संग्रह के लिए केंद्र बनाए गए हैं। वर्तमान में इन केंद्रों के माध्यम से प्रतिदिन करीब 500 लीटर गोमूत्र एकत्र किया जा रहा है। परियोजना के अगले चरण में खरीद की दर को बढ़ाकर 20 रुपये प्रति लीटर करने की योजना बताई गई है। गोमूत्र संग्रह के लिए गांवों में करीब 200 लीटर क्षमता वाले टैंक लगाए गए हैं। इससे पशुपालकों को गोमूत्र बेचने के लिए दूर नहीं जाना पड़ता और गांव में ही संग्रह की सुविधा मिल रही है। स्थानीय स्तर पर व्यवस्था होने से ग्रामीण महिलाओं को भी इस पहल से जोड़ने में मदद मिली है। गोमूत्र संग्रह में सहयोग करने वाली महिलाओं को प्रति लीटर दो रुपये कमीशन दिया जा रहा है। इससे ग्रामीण महिलाओं के लिए गांव में रहते हुए अतिरिक्त आय का अवसर तैयार हुआ है।

परियोजना को केवल गोमूत्र संग्रह तक सीमित न रखते हुए इसे महिला सशक्तीकरण से भी जोड़ा गया है। करीब 300 महिलाओं को शेयरहोल्डर बनाया गया है। महिलाएं गोमूत्र संग्रह और स्थानीय स्तर पर संचालित व्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। परियोजना से जुड़े लोगों का कहना है कि गोपालन करने वाले परिवारों की महिलाओं के लिए यह घर और गांव के आसपास रहते हुए अतिरिक्त आय का जरिया बन सकता है। एकत्र किए गए गोमूत्र का उपयोग विभिन्न जड़ी-बूटियों के साथ मिलाकर खेती में इस्तेमाल किए जाने वाले उत्पाद तैयार करने में किया जा रहा है। तैयार उत्पादों को समितियों के माध्यम से किसानों तक पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। परियोजना का उद्देश्य गोवंश से मिलने वाले उत्पादों के उपयोग को बढ़ाने के साथ प्राकृतिक और जैविक खेती से जुड़े विकल्पों को बढ़ावा देना भी बताया गया है।

दूध के साथ गोमूत्र से भी आय बढ़ाने की कोशिश : ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन से होने वाली आय मुख्य रूप से दूध और दुग्ध उत्पादों पर निर्भर रहती है। इस पहल के जरिए गोमूत्र को भी आर्थिक संसाधन के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। 10 रुपये प्रति लीटर की खरीद दर से पशुपालकों को अतिरिक्त आमदनी मिल सकती है। परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, खरीद और संग्रह का नेटवर्क बढ़ने पर अधिक पशुपालकों को इससे जोड़ा जा सकेगा। गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता के अनुसार, बुलंदशहर में शुरू किया गया मॉडल गो संरक्षण, ग्रामीण रोजगार, महिला सशक्तीकरण और प्राकृतिक खेती को एक साथ जोड़ने का प्रयास है।

इसमें गांवों से गोमूत्र का संग्रह, महिलाओं को कमीशन और एकत्र सामग्री से कृषि उत्पाद तैयार करने की व्यवस्था शामिल है। पायलट प्रोजेक्ट से मिले अनुभवों के आधार पर इसे प्रदेश के अन्य जिलों में विस्तार देने की योजना है। इससे गोपालकों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर विकसित करने और गो संरक्षण को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने की कोशिश की जा रही है।

यूपी में 73,184 नये पीएम आवास बनेंगे, शासन से मिली मंजूरी

137 नगर निकायों में मिलेगा गरीब परिवारों को आशियाना

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत प्रदेश के 137 नगर निकायों में 73,184 नए मकानों का निर्माण कराया जाएगा। लाभार्थी आधारित आवास निर्माण (बीएलसी) घटक में स्वीकृत आवासों की कुल संख्या अब बढ़कर 4,88,526 हो गई है। सोमवार को मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में हुई राज्य स्तरीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति (एसएलएसएमसी) की बैठक में नए आवासों के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। केंद्र सरकार के निर्देशों के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों की स्वीकृति एवं निगरानी के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एसएलएसएमसी गठित है। बैठक में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वीकृत आवासीय परियोजनाओं का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप और गुणवत्तापूर्ण तरीके से तय समयसीमा में पूरा कराया जाए। उन्होंने योजना के लाभार्थियों को समयबद्ध तरीके से आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

मुख्य सचिव ने परियोजनाओं की नियमित निगरानी और प्रगति की निरंतर समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और संबंधित अधिकारी परियोजनाओं की प्रगति पर लगातार नजर रखें। बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास पी. गुरुप्रसाद सहित नगर विकास विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

छह जिलों में होंगी अग्निवीर भर्ती

लखनऊ। प्रदेश के छह जिलों में अग्निवीर भर्ती रैलियां आयोजित की जाएंगी। भर्ती में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए आवागमन, ठहरने, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा, सुरक्षा और यातायात की व्यवस्था की जाएगी। सोमवार को मुख्य सचिव एसपी गोयल ने बैठक कर भर्ती रैलियों की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भर्ती स्थलों पर सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं। भीड़ और यातायात प्रबंधन के साथ पर्याप्त चिकित्सा एवं आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

बैठक में बताया गया कि मेरठ में 17 अगस्त से 9 सितंबर 2026, बरेली में 14 से 30 सितंबर 2026, लखनऊ में 11 से 28 जनवरी 2027, वाराणसी में 2 से 27 फरवरी 2027, आगरा में 4 से 24 मार्च 2027 तथा अयोध्या में 29 मार्च से 14 अप्रैल 2027 तक अग्निवीर भर्ती रैलियां आयोजित की जाएंगी। मुख्य सचिव ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने तथा तैयारियों की नियमित समीक्षा कर कमियों को समय रहते दूर करने के निर्देश दिए।

लखनऊ मंडल में संरक्षा पुरस्कार वितरित

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

- संभावित दुर्घटना टालने वाले 8 रेलकर्मी सम्मानित

लखनऊ। मंडल रेल प्रबंधक सुनील कुमार वर्मा ने जुलाई 2026 के संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। यात्रियों की सुरक्षा और रेल परिचालन में सतर्कता के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले 8 कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। डीआरएम ने कहा कि कर्मचारियों की सजगता से संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है और रेल संचालन को सुरक्षित बनाया जा सकता है।

सम्मानित कर्मचारियों में पिंटू सिंह - गेटमैन दिलकुशा, शिवसागर - पॉइंट्समैन शिवपुर, राहुल यादव - पॉइंट्समैन व्यास नगर, शेषनाथ पाठक - स्टेशन मास्टर सरायहरखू, रामू बिन्द - पॉइंट्समैन बरियाराम, मो. रफीक - स्टेशन मास्टर सैदखानपुर, उदय प्रताप सिंह - पॉइंट्समैन बाबतपुर, चंदेश्वर कुमार सिंह - स्टेशन मास्टर बाबतपुर शामिल हैं।

सदर कैंट में निकली संत रविदास की कलश यात्रा

लखनऊ। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 650वें प्रकट उत्सव के उपलक्ष्य में सदर कैंट क्षेत्र में कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और क्षेत्रीय लोगों ने भाग लिया। इस दौरान संत रविदास के समानता, सामाजिक समरसता, भाईचारे और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कलश यात्रा से पूर्व महापौर सुषमा खर्कवाल ने सदर कैंट स्थित तुलसी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास जी का पूजन करने के साथ संत रविदास के 650वें प्रकट उत्सव के लिए आयोजित कलश की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस मौके पर महापौर ने कहा कि संत रविदास ने समाज को समानता, भाईचारे और मानवता का मार्ग दिखाया। उनके विचार आज भी सामाजिक समरसता और समाज को जोड़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में किसी भी प्रकार के भेदभाव के लिए स्थान नहीं होना चाहिए। संत रविदास के विचारों को जीवन और व्यवहार में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धा है। महापौर ने लोगों से प्रेम, भाईचारे और एक-दूसरे के सम्मान की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया।

जिला मान्यता प्राप्त संवाददाताओं की दोबारा नहीं होगी एलआईयू जांच

लखनऊ। जिला मान्यता प्राप्त संवाददाताओं की दोबारा एलआईयू जांच नहीं कराई जाएगी। सूचना निदेशक विशाल सिंह ने सोमवार को उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के साथ हुई समन्वय बैठक में संबंधित आदेश को निरस्त करने के निर्देश दिए। बैठक की अध्यक्षता सूचना निदेशक ने की।

सूचना निदेशालय के कांफ्रेंस हॉल में समिति के अध्यक्ष हेमंत तिवारी के नेतृत्व में पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं और लंबित मांगों पर चर्चा हुई। समिति के पदाधिकारियों ने जिला मान्यता प्राप्त संवाददाताओं की दोबारा एलआईयू जांच का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। इस पर सूचना निदेशक ने मामले को संज्ञान में लेते हुए आदेश को जल्द निरस्त करने के निर्देश दिए। समिति के सचिव भारत सिंह ने पत्रकारों से जुड़ी मांगों को क्रमवार रखा। उन्होंने पत्रकारों की सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, आवास और मान्यता से जुड़े मामलों के शीघ्र समाधान की मांग की।

केजीएमयू की कुलपति दोबारा बनने पर दी बधाई

लखनऊ। केजीएमयू की कुलपति प्रो सोनिया नित्यानंद को दोबारा कुलपति बनाये जाने पर एसोसिएशन पदाधिकारियों ने बधाई दी। सोमवार को प्रोविंशियल फिजियोथैरेपिस्ट एसो के प्रतिनिधिमंडल द्वारा कुलपति प्रोफेसर डॉ. सोनिया नित्यानंद से शिष्टाचार भेंट की गई। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल द्वारा कुलपति को उनके सेवा विस्तार पर बधाई दी। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व डॉ अतुल मिश्रा प्रदेश अध्यक्ष प्रोवेन्शियल फिजियोथेरेपिस्ट एसो उप्र ने किया। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. मंसूर अहमद, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. तजवीर सिंह, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. प्रणव सिंह, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. के.के. चौधरी, डॉ. फैज अहमद, डॉ. विशाल डा अनिल अग्निहोत्री तथा डॉ. श्रद्धा आदि उपस्थित रहे।

मरीज की जानकारी के लिए एआई आधारित चैटबॉट की सुविधा जल्द

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में मरीजों को छोटी-छोटी जानकारी के लिए जल्द एआई आधारित चैटबॉट की सुविधा मिलेगी। केजीएमयू में मरीजों का दबाव अधिक रहता है। मरीज-तीमारदारों को इलाज संबंधी जानकारी के लिए पता करने में काफी कठिनाई होती है। कुलपति डा. सोनिया नित्यानंद ने अपने दूसरे कार्यकाल में चिकित्सा सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के अधिकतम इस्तेमाल पर जोर दिया है। चैटबॉट के जरिए मरीज मोबाइल, वेबसाइट या अस्पताल के ऐप से घर बैठे कई जरूरी जानकारी मिल सकेंगी। चैटबॉट मरीजों का डिजिटल मददगार होगा। मरीज इसमें अपनी समस्या या जरूरत से जुड़ा सवाल पूछ सकेंगे। किस बीमारी के लिए किस विभाग में जाना है, कौन से डाक्टर को दिखाना है, डॉक्टर को दिखाने का समय कब मिलेगा। यह जानकारी चैटबॉट से मिल जाएगी।

पार्कों के हरे कचरे से बनेगा ईंधन गोबर से पैदा होगी स्वच्छ ऊर्जा

लखनऊ। राजधानी में पार्कों, उद्यानों और हरित पट्टियों से निकलने वाले हरे कचरे के साथ गौशालाओं से निकलने वाले गोबर के वैज्ञानिक निस्तारण की दिशा में नगर निगम ने कदम बढ़ाया है। नगर आयुक्त ने दोनों तरह के कचरे के निस्तारण के लिए दो प्लांट स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। दोनों परियोजनाओं के लिए जमीन चिन्हित कर टेंडर भी जारी कर दिया गया है।

नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक, इन प्लांटों के शुरू होने से कचरा निस्तारण की समस्या कम होने के साथ ही कचरे से उपयोगी उत्पाद तैयार किए जाएंगे। इससे नगर निगम को अतिरिक्त आय मिलने की भी उम्मीद है। ग्रीन वेस्ट के निस्तारण के लिए प्रस्तावित प्लांट पर करीब 8.50 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यहां प्रतिदिन 100 से 150 टन हरे कचरे का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण किया जाएगा। इससे ईंधन के तौर पर इस्तेमाल होने वाले ब्रिकेट और पैलेट्स तैयार किए जाएंगे। इनकी आपूर्ति सीमेंट उद्योग, एनटीपीसी सहित अन्य औद्योगिक इकाइयों को किए जाने की योजना है। इससे होने वाली आय में नगर निगम को भी हिस्सा मिलेगा। परियोजना के वित्तीय मॉडल के तहत कुल लागत का 40 प्रतिशत नगर निगम वहन करेगा, जबकि शेष राशि प्लांट का संचालन करने वाली कंपनी लगाएगी। निर्माण शुरू होने के बाद करीब 10 महीने में प्लांट तैयार होने का अनुमान है।

तिरंगा यात्राओं में गूंजा राष्ट्रभक्ति का संदेश

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। हर घर तिरंगा अभियान के तहत सोमवार को भाजपा लखनऊ महानगर के विभिन्न मंडलों में तिरंगा यात्राएं निकाली गईं। यात्राओं में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक, छात्र शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के उद्घोष के साथ राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया।

कैंट विधानसभा मंडल एक की तिरंगा यात्रा में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, महामंत्री घनश्याम दास अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। ब्रजेश पाठक ने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान देशवासियों में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रहा है।

तिरंगा यात्रा के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता देश की एकता, अखंडता और गौरव का संदेश जन-जन तक पहुंचा रहे हैं।

भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि तिरंगा हमारी राष्ट्रीय अस्मिता और गौरव का प्रतीक है। तिरंगा यात्राओं में जिस उत्साह के साथ कार्यकर्ता और आमजन शामिल हो रहे हैं, वह देश के प्रति उनकी गहरी निष्ठा और राष्ट्रभक्ति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक घर पर तिरंगा फहराकर देश के वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सम्मान व्यक्त करना चाहिए।

मीडिया प्रभारी अनुराग साहू ने बताया कि इसी क्रम में उत्तर-4 मंडल में सुबह आठ बजे डुडौली मंदिर से पवार चौराहा तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसमें विधायक डॉ. नीरज बोरा शामिल हुए। वहीं कैंट-3 मंडल की यात्रा हेमू कलानी प्रतिमा, नाका चौराहा से विश्वकर्मा मंदिर मकबूलगंज तक निकाली गई।

इसमें उपाध्यक्ष विनायक पांडेय उपस्थित रहे। पूर्व-3 मंडल में शाम चार बजे मास्टर चौराहा महानगर से डंडहिया चौराहा तक तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें विधायक ओपी श्रीवास्तव शामिल हुए।

24.45 लाख बच्चों को एल्बेंडाजोल खिलाने का लक्ष्यः सीएमओ

लखनऊ। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (एनडीडी) के तहत सोमवार को जनपद के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एक से 19 वर्ष तक के बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाव के लिए एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई गई। अभियान का शुभारंभ नेशनल इंटर कॉलेज में विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा ने बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाकर किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के तहत जनपद में एक से 19 वर्ष तक के कुल 24.45 लाख बच्चों को एल्बेंडाजोल खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, इसमें लगभग 14.72 लाख बच्चे शहरी क्षेत्रों और लगभग 9.53 लाख बच्चे ग्रामीण क्षेत्रों के शामिल हैं। सोमवार को नेशनल इंटर कॉलेज में लगभग 535 बच्चों ने कृमि मुक्ति की दवा का सेवन किया। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को दवा सेवन से छूट जाने वाले बच्चों को 14 अगस्त को आयोजित मॉप-अप राउंड के दौरान एल्बेंडाजोल की खुराक दी जाएगी। अभियान का मुख्य उद्देश्य जनपद के प्रत्येक पात्र बच्चे को कृमि संक्रमण से मुक्त करना तथा उनके स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य ने कहा कि पेट में होने वाले कृमि संक्रमण का बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके कारण बच्चों में कमजोरी और एनीमिया की समस्या होने के साथ ही उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो सकती है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को कृमि मुक्ति की दवा अवश्य खिलाएं। नोडल अधिकारी डॉ. अनिल श्रीवास्तव, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सतीश यादव, जिला सामुदायिक प्रक्रिया प्रबंधक विष्णु प्रताप, डीईआईसी मैनेजर डॉ. गौरव सक्सेना मौजूद रहे।

पीजीआई में डाक्टरों ने दुर्लभ अस्थि ट्यूमर से बुजुर्ग मरीज का बचाया हाथ

लखनऊ। डॉक्टरों ने दुर्लभ अस्थि ट्यूमर से बुजुर्ग मरीज के हाथ को खतरे से उबार लिया। सोमवार को संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर स्थित ऑर्थोपेडिक्स विभाग के चिकित्सकों ने एक बुजुर्ग मरीज के हाथ को दुर्लभ एवं आक्रामक अस्थि ट्यूमर से बचाने में सफलता हासिल की है। मरीज के कलाई के पास स्थित डिस्टल रेडियस के जायंट सेल ट्यूमर का अत्याधुनिक उपचार करते हुए जटिल लिम्ब-सैल्वेज सर्जरी की गई। यह पूरा उपचार आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत किया गया। डॉक्टरों ने बताया कि जायंट सेल ट्यूमर हड्डी का एक अपेक्षाकृत दुर्लभ और स्थानीय रूप से आक्रामक ट्यूमर है, जो सामान्यतः 20 से 40 वर्ष की आयु के युवाओं में अधिक पाया जाता है। बुजुर्ग मरीज में इसका होना दुर्लभ होने के साथ-साथ उपचार की दृष्टि से भी चुनौतीपूर्ण होता है। सर्जरी को अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाने के लिए मरीज को पहले नियोएडजुवेंट डेनोसुमैब दिया गया। उपचार के बाद पर्याप्त प्रतिक्रिया मिलने पर चिकित्सकों ने ट्यूमर को ऑन्कोलॉजिकली सुरक्षित मार्जिन के साथ निकाल दिया। आर्थोपेडिक विभाग के डा. अमित कुमार के अनुसार इस योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के मरीजों को अत्याधुनिक ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजी उपचार, लक्षित जैविक उपचार तथा जटिल पुनर्निर्माण सर्जरी जैसी विशेषज्ञ सेवाएं बिना अत्यधिक आर्थिक बोझ के उपलब्ध हो रही हैं।

एमबीबीएस छात्रों ने किया इंटर्नशिप स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में सोमवार को एमबीबीएस छात्रों ने इंटर्नशिप स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। 400 से अधिक मेडिकल इंटर्न्स और छात्रों ने दोपहर करीब एक बजे प्रदर्शन किया। इंटर्न्स ने मौजूदा 12 हजार रुपये मासिक स्टाइपेंड को बढ़ाकर 30 हजार रुपये करने की मांग उठायी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रदर्शनकारी केजीएमयू के प्रशासनिक भवन के पास जुटे। छात्रों ने कहा कि इंटर्नशिप के दौरान उन्हें मरीजों की देखभाल से जुड़े महत्वपूर्ण क्लीनिकल कार्य करने पड़ते हैं। इसके अलावा लंबे समय तक ड्यूटी और मरीजों के प्रति जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है। क्लीनिकल कार्यों के साथ उन्हें मरीजों और तीमारदारों की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है। ऐसे में मौजूदा स्टाइपेंड उनकी जिम्मेदारियों के अनुरूप नहीं है। इंटर्न्स ने मांग की कि उत्तर प्रदेश के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस इंटर्नशिप का स्टाइपेंड 30 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए। देशभर में इंटर्नशिप स्टाइपेंड में काफी असमानता है।

लोहिया संस्थान में 1000 बेड का अस्पताल बनने का रास्ता साफ

लखनऊ। गोमतीनगर स्थित डा. राम मनोहर लोहिया संस्थान में एक हजार बेड का नया अस्पताल बनने की राह आसान हो गई है। शहीद पथ स्थित संस्थान के दूसरे परिसर में अस्पताल निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। अब जल्द ही निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ने की उम्मीद है। सब कुछ तय योजना के मुताबिक रहा तो अक्तूबर-नवंबर से निर्माण कार्य शुरू हो सकता है। नया अस्पताल बनने के बाद मरीजों को इलाज के लिए संस्थान के मुख्य परिसर में लंबी कतारों और सीमित संसाधनों की वजह से होने वाली परेशानियों से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। खास बात यह होगी कि नए अस्पताल में एक ही भवन में ओपीडी और मरीजों की भर्ती की सुविधा उपलब्ध होगी। संस्थान के निदेशक डा. सीएम सिंह के अनुसार नये अस्पताल में मेडिसिन, जनरल सर्जरी, त्वचा रोग, नेत्र रोग, ईएनटी और मानसिक रोग समेत कई प्रमुख विभाग संचालित किए जाएंगे। इन विभागों के शुरू होने से गंभीर और जरूरतमंद मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। साथ ही संस्थान में मरीजों का बढ़ता दबाव भी अलग-अलग परिसरों में बांटा जा सकेगा।

केजीएमयू में सर्वर ठप होने से मरीज परेशान

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में सोमवार को सर्वर की खराबी से मरीजों के पंजीकरण का कार्य ठप हो गया। सुबह ओपीडी शुरू होने के साथ ही ऑनलाइन व्यवस्था ठप हो गयी। नये और पुराने ओपीडी ब्लॉक में पंजीकरण के साथ ही जांच शुल्क जमा करने की प्रक्रिया पर पड़ा। पर्चा और जांच शुल्क जमा नहीं होने से मरीज घंटों कतार में खड़े रहे। करीब तीन घंटे पंजीकरण से लेकर रिपोर्ट लेने तक की व्यवस्था प्रभावित रही।

ओपीडी में रोजाना करीब सात से आठ हजार मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। सोमवार को सुबह आठ बजे से पर्चा बनना शुरू होना था, लेकिन सर्वर नहीं चलने से प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। सुबह करीब 10 बजे तक इंतजार के बाद मरीज और तीमारदारों का धैर्य जवाब दे गया। उन्होंने काउंटरों पर हंगामा शुरू कर दिया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद स्थिति सामान्य हुई। केजीएमयू के प्रवक्ता डा. केके सिंह के अनुसार एनआईसी दिल्ली की ओर से सर्वर में तकनीकी दिक्कत थी। सर्वर बहाल होने तक मरीजों की सेवाएं मैन्युअल तरीके से संचालित की गयी।

अनपढ संविदाकर्मी कर रहे लाइनमैन का काम

- हादसों का बढ़ रहा खतरा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। बिजली विभाग में लाइनमैन का कार्य प्रशिक्षित और तकनीकी रूप से दक्ष कर्मचारियों से कराया जाना चाहिए, लेकिन कई क्षेत्रों में संविदा कर्मियों से ही यह जिम्मेदारी निभाई जा रही है। आरोप है कि पर्याप्त प्रशिक्षण और सुरक्षा मानकों की जानकारी के बिना काम करने वाले कर्मियों को बिजली के खंभों पर चढ़ाकर फाल्ट ठीक कराने, तार जोड़ने और लाइन चालू करने जैसे जोखिम भरे काम कराए जा रहे हैं। इससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है।

विद्युत कर्मचारी संगठनों का कहना है कि बिजली लाइनों पर काम करना बेहद जोखिम भरा है। मामूली चूक भी कर्मचारी की जान ले सकती है। इसके बावजूद कई स्थानों पर संविदाकर्मियों को पर्याप्त तकनीकी प्रशिक्षण, सुरक्षा उपकरण और निगरानी के बिना फील्ड में भेजे जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। कर्मचारियों के मुताबिक लाइनमैन के कार्य में सुरक्षा हेलमेट, दस्ताने, सेफ्टी बेल्ट, इंसुलेटेड उपकरण और अन्य सुरक्षा सामग्री का इस्तेमाल बेहद जरूरी है। वहीं कई बार जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने के दबाव में सुरक्षा प्रक्रिया पूरी किए बिना ही काम शुरू करा दिया जाता है।

संविदाकर्मियों का कहना है कि कम मानदेय के बावजूद उनसे जोखिम भरे कार्य कराए जाते हैं। उनका आरोप है कि स्थायी और प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी के कारण संविदाकर्मियों पर काम का दबाव लगातार बढ़ रहा है। इससे कर्मचारी ही नहीं, बल्कि बिजली के खंभों और लाइनों के आसपास रहने वाले उपभोक्ताओं की सुरक्षा भी प्रभावित होती है। विद्युत कर्मचारी संगठनों ने मांग की है कि लाइनमैन का काम केवल प्रशिक्षित और अधिकृत कर्मचारियों से कराया जाए।

संविदाकर्मियों को काम से पहले अनिवार्य तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाए और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने के साथ उनके इस्तेमाल की भी निगरानी हो। साथ ही दुर्घटना की स्थिति में कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए पर्याप्त बीमा और मुआवजा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बलरामपुर अस्पताल के पास यातायात व्यवस्था हुई बेपटरी

लखनऊ। बलरामपुर अस्पताल के आसपास सोमवार दोपहर करीब एक घंटे तक यातायात व्यवस्था ध्वस्त हो गयी। सीएमओ कार्यालय से लेकर बलरामपुर अस्पताल, क्रिश्चियन कॉलेज और गोलागंज रोड तक वाहनों की लंबी कतारें लगीं। जाम में फंसकर मरीज और तीमारदार परेशान रहे। कई एंबुलेंस भी भीड़ में फंसी रहीं। वजीरगंज पुलिस और यातायात कर्मियों ने मोर्चा संभालकर करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद यातायात सामान्य कराया। दोपहर करीब सवा बारह बजे से सवा एक बजे तक सड़क पर वाहनों का दबाव बढ़ता गया। रोडवेज बसों के गुजरने के साथ सड़क किनारे बेतरतीब खड़े चारपहिया वाहनों ने स्थिति और बिगाड़ दी। सड़क संकरी हो गई और देखते ही देखते वाहनों की कतार लग गई। वीरांगना अवंतीबाई महिला चिकित्सालय (डफरिन) के सामने वाहनों का दबाव बना रहा। सूचना पर वजीरगंज थाने की पुलिस और यातायात पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और कड़ी मेहनत के बाद यातायात सुचारु हो सका। स्थानीय लोगों ने बताया कि अस्पताल क्षेत्र में नो-पार्किंग और अतिक्रमण के खिलाफ नियमित कार्रवाई नहीं होने से यहां आए दिन जाम लगता है।

केजीएमयू के डा. सूर्यकान्त हुए सम्मानित

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त को चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए आईएससीबी एक्सीलेंस अवार्ड फॉर ग्लोबल इम्पैक्ट इन मेडिकल साइंसेज बाय इंडियन सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्स एंड बायोलॉजिस्ट्स (आईएससीबी) एंड आईएससीबी रिसर्च फाउंडेशन द्वारा सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर प्रभाव डालने वाले महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। आईएससीबी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. अनामिक शाह एवं राष्ट्रीय सचिव डॉ. पी एम एस चैहान ने डा. सूर्यकान्त को इस प्रतिस्थित अवार्ड के लिए बधाई दी है।

सिविल चिकित्सालय में पहली बार जटिल न्यूरोसर्जरी सफल

- जटिल रोगों से न्यूरो पीड़ित मरीजों के लिए खुले चिकित्सा के द्वार

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय में न्यूरोसर्जन की तैनाती के बाद पहली बार गंभीर न्यूरोसर्जरी का सफलतापूर्वक की गयी। इससे चिकित्सालय में न्यूरोसर्जरी की यह उपलब्धि गंभीर एवं जटिल रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए उपचार के नये द्वार खुल गए। वहीं अस्पताल के निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता ने सफल शल्यक्रिया के लिए पूरी शल्य टीम को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की जटिल न्यूरोसर्जरी का सफल होना मरीजों को बेहतर एवं सुलभ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

जनपद सिद्धार्थनगर के मधुकरपुर गांव निवासी विनय तिवारी (37 वर्ष) पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से कमर में गंभीर दर्द से पीड़ित थे। मरीज को टीबी की बीमारी भी थी। लगातार समस्या बने रहने पर उन्होंने सिविल चिकित्सालय में न्यूरोसर्जन डॉ. विनोद कुमार तिवारी से परामर्श लिया। उन्होंने मरीज की जांच में स्पाइनल कॉर्ड, न्यूरल संरचनाओं पर गंभीर दबाव पाया गया। इसके कारण मरीज के बाएं पैर की जांघ एवं घुटने के नीचे की मांसपेशियों की ताकत काफी कम हो रही थी। चिकित्सकों के अनुसार, यदि समय रहते उचित उपचार नहीं किया जाता तो मरीज के दोनों पैरों में स्थायी कमजोरी अथवा पैरालिसिस का गंभीर खतरा हो सकता था। डॉ. विनोद कुमार तिवारी के अनुसार ऐसी स्थिति में शल्यक्रिया अत्यंत सावधानी एवं विशेषज्ञता के साथ करना आवश्यक होता है, क्योंकि स्पाइनल कॉर्ड एवं संबंधित न्यूरल संरचनाओं को किसी भी प्रकार की अतिरिक्त क्षति होने पर होने वाली न्यूरोलॉजिकल कमजोरी स्थायी भी हो सकती है। डॉ. तिवारी ने बताया कि इसी प्रकार की जटिल शल्यक्रिया निजी क्षेत्र में कराने पर लगभग 3 लाख रुपये तक का खर्च आ सकता है, जो सामान्य परिवारों के लिए वहन करना कठिन होता है। सिविल चिकित्सालय में यह उपचार उपलब्ध होने से मरीजों को अत्यंत महत्वपूर्ण राहत मिलेगी। सफल शल्यक्रिया में एनेस्थीसिया विभाग के प्रमुख डॉ. सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में डॉ. राजेश, डॉ. कासिम की अनुभवी टीम ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

चालक की कमी से सैकड़ों बसों के पहिये थमे

- डिपो में खड़ी रहकर धूल फांक रहीं बसें

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। परिवहन निगम में चालकों की कमी अब यात्री सुविधाओं पर भारी पड़ने लगी है। प्रदेश के कई डिपो में पर्याप्त चालक नहीं होने से बसों के फेरे कम किए जा रहे हैं और कई बसें रोजाना डिपो में खड़ी रह रही हैं। इसका सीधा असर ग्रामीण और लंबी दूरी के रूटों पर पड़ रहा है। यात्रियों को निर्धारित समय पर बसें नहीं मिल रही हैं, जिससे उन्हें निजी और डग्गामार वाहनों का सहारा लेना पड़ रहा है।

लखनऊ में जुलाई में सामने आई रिपोर्ट के मुताबिक रोडवेज में करीब 90 चालकों और 170 परिचालकों की कमी बताई गई थी। स्टाफ की कमी के चलते बसों के फेरे प्रभावित हो रहे हैं। वहीं मुरादाबाद परिक्षेत्र में 150 से अधिक संविदा चालकों की कमी के कारण करीब 100 बसें विभिन्न डिपो में खड़ी रहने की रिपोर्ट सामने आई थी। बस्ती डिपो में भी 39 चालकों की कमी के कारण करीब 10 बसें रोज खड़ी रहने की बात सामने आई।

अधिकारियों के स्तर से चालक भर्ती के लिए कई बार कैंप लगाए गए, लेकिन पद खाली ही रह गए। इसका असर डिपो की आय पर भी पड़ रहा है। बस्ती में रोजाना करीब एक से डेढ़ लाख रुपये तक राजस्व नुकसान का अनुमान जताया गया था। मऊ डिपो में भी 56 चालकों की कमी के कारण करीब 10 बसें रोजाना खड़ी रहने की रिपोर्ट सामने आई। यहां 68 बसों के संचालन के लिए 144 चालकों की जरूरत के मुकाबले 88 चालक उपलब्ध बताए गए। भर्ती के लिए दस बार कैंप लगाने के बावजूद रिक्तियां पूरी नहीं हो सकीं।

यात्रियों पर दोहरी मार : चालकों की कमी से बसों के फेरे घटने पर यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। खासकर ग्रामीण इलाकों में स्थिति ज्यादा खराब है, क्योंकि कई मार्गों पर रोडवेज बस ही प्रमुख सार्वजनिक परिवहन का साधन है। बसों के संचालन में कमी का फायदा निजी बस और अन्य अनधिकृत वाहन उठा रहे हैं। परिवहन कर्मचारी संगठनों ने मांग की है कि खाली पदों पर तत्काल नियमित और संविदा चालकों की भर्ती की जाए। साथ ही चालक-परिचालक के अनुपात के अनुसार डिपोवार स्टाफ की समीक्षा कर बसों का पूरा संचालन सुनिश्चित किया जाए। इससे यात्रियों को राहत मिलने के साथ परिवहन निगम की आय भी बढ़ाई जा सकेगी।

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

सड़क किनारे गड्ढे में पलटी स्कूल वैन, 11 बच्चे बाल-बाल बचे

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। नगराम थाना क्षेत्र में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब स्कूली बच्चों को घर छोड़ने जा रही निजी वैन बारिश के चलते गीली मिट्टी पर फिसलकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे के वक्त वैन में 11 मासूम बच्चे सवार थे। गनीमत रही कि वैन पलटने के बावजूद सभी बच्चे सुरक्षित रहे और किसी को चोट नहीं आई। हादसे की खबर मिलते ही मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनके परिजनों के सुपुर्द किया।

जानकारी के अनुसार कमालपुर बिचलिका निवासी जसकरन पुत्र सुन्दरलाल मारुति वैन संख्या यूपी 32 एफए 2471 से श्री एमएल बाल विद्या मंदिर, कमालपुर बिचलिका में पढ़ने वाले बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने का काम करता है। सोमवार को वह तमोरिया निवासी अजीत सिंह के बच्चों ईशी सिंह (5) और रुद्र प्रताप सिंह (10) समेत आर्यन (5), लक्ष्मी (9), सौर्य साहू (6), कार्तिक (6), शिवांशु (6), सौरभ (6), पलक (8) और ऋषि (6) को स्कूल से घर छोड़ने जा रहा था। कमालपुर बिचलिका-कुबहरा मार्ग से करीब 500 मीटर आगे कच्चे रास्ते पर बारिश के कारण मिट्टी बेहद गीली और फिसलन भरी थी। इसी दौरान वैन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। वैन के पलटते ही बच्चों में चीख-पुकार मच गई और आसपास के ग्रामीण मदद के लिए दौड़ पड़े। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक चंद्रशेखर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से वैन में फंसे सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला और उनके परिजनों तक पहुंचाया। बच्चों के सकुशल होने की जानकारी मिलते ही परिजनों ने राहत की सांस ली। बाद में पुलिस की मौजूदगी में पलटी वैन को भी मौके से हटवाया गया।

13 साल पुरानी वैन में ढोए जा रहे थे मासूम: हादसे के बाद पुलिस की जांच में वैन की हालत को लेकर चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। बताया गया कि जिस वैन में बच्चों को रोजाना स्कूल लाने-ले जाने का काम किया जा रहा था, वह करीब 13 वर्ष पुरानी और कंडम हालत में थी। इसके बावजूद उसमें बड़ी संख्या में बच्चों को बैठाकर सड़कों पर दौड़ाया जा रहा था।

थानाध्यक्ष नगराम अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने वैन को सीज करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। चालक के ड्राइविंग लाइसेंस के निरस्तीकरण के लिए भी संबंधित विभाग को रिपोर्ट भेजी जा रही है। पुलिस अब यह भी जांच करेगी कि क्षेत्र में स्कूल के नाम पर कितने वाहन बच्चों को ढो रहे हैं और उनमें सुरक्षा मानकों का कितना पालन हो रहा है।

स्कूल प्रबंधन भी जांच के घेरे में: हादसे के बाद स्कूल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस के अनुसार स्कूल प्रबंधक पवन मौर्य की भूमिका की भी जांच की जाएगी। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि स्कूल प्रबंधन ने बच्चों के आवागमन के लिए कितने वाहन लगा रखे हैं और क्या उन वाहनों के कागजात, फिटनेस तथा सुरक्षा मानक दुरुस्त हैं। अभिभावकों में भी इस घटना के बाद चिंता बढ़ गई है। उनका कहना है कि बच्चों को स्कूल पहुंचाने और घर लाने की जिम्मेदारी वाले वाहनों की नियमित जांच होनी चाहिए। एक छोटी सी लापरवाही कई परिवारों की खुशियां छीन सकती है।

डेढ़ साल पहले खरीदी वैन, अब तक नहीं कराया ट्रांसफर: जांच में यह बात भी सामने आई कि स्कूल प्रबंधक पवन मौर्य ने करीब डेढ़ वर्ष पहले उन्नाव निवासी बालेंद्र कुमार से यह वैन खरीदी थी, लेकिन खरीदने के बाद आज तक वाहन का अपने नाम पर ट्रांसफर नहीं कराया गया। ऐसे में वाहन के स्वामित्व और दस्तावेजों को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हादसे में बच्चों का सुरक्षित बच जाना महज संयोग है। यदि वैन किसी गहरे गड्ढे या किसी अन्य वाहन से टकरा जाती तो परिणाम बेहद गंभीर हो सकते थे। अब लोगों ने मांग की है कि क्षेत्र में स्कूली बच्चों को ढोने वाले सभी वाहनों की जांच कराकर केवल मानक पूरे करने वाले वाहनों के संचालन की अनुमति दी जाए।

सील रेस्तरां में लगी भीषण आग

लखनऊ। इंदिरानगर क्षेत्र सेक्टर-8 स्थित वी-2 रेस्तरां एंड बैंक्वेट में सोमवार दोपहर करीब चार बजे भीषण आग लग गई। धुआं उठता देख मौके पर अफरा-तफरी मचगयी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार दमकल मौके पर पहुंचीं और दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि मानकों की अनदेखी के चलते आवास विकास विभाग ने रेस्तरां को दो महीने पहले सील कर दिया था। सील होने के बाद भी रेस्तरां में गतिविधियां संचालित किए जाने की बात सामने आई है। आग लगने के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। धुआं अधिक गूंजने की वजह से समस्या हुई। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। साथ ही आग से हुए नुकसान का भी आंकलन किया जा रहा है। प्राथमिक जांच में यह भी देखा जा रहा है कि सील किए जाने के बावजूद रेस्तरां का संचालन किस तरह किया जा रहा था।

बाइक नहर में गिरी, डूबने से एक की मौत

लखनऊ। मानकनगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह करीब 11 बजे बेटी को स्कूल से लेकर लौट रहे पिता की बाइक नहर में गिर गयी। हादसे के दौरान नहर में डूबने से उनकी मौत हो गई, जबकि बच्ची हादसे में सुरक्षित बच गयी है। पिता एलआईसी एजेन्ट बताये जा रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक, कृष्णानगर थाना क्षेत्र के खुशी विहार निवासी रवि कुशवाहा (41) डीआरएम ऑफिस पुलिया के पास से गुजर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रवि बाइक मोड़ रहे थे, तभी सामने से अचानक एक बड़ा वाहन आ गया। घबराहट में संतुलन बिगड़ा और ब्रेक के साथ एक्सीलेटर भी दब गया। तेज रफ्तार बाइक पुलिया के पास टूटे हुए पत्थर वाले हिस्से से सीधे नहर में जा गिरी। बच्ची बाहर रह गई, जबकि रवि पानी में गिरकर बहने लगे। घटना की सूचना 112 पर दी गई। आरोप है कि पहले पहुंची पुलिस ने गोताखोर न होने और क्षेत्र अपना न होने की बात कही, जिससे मौके पर आक्रोश फैल गया। इसके बाद मानकनगर थाना पुलिस और आलमबाग थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और एसडीआरएफ को सूचना दी। करीब 01 बजे एसडीआरएफ की टीम पहुंची और तलाशी शुरू की। टीम ने कुछ ही दूरी पर रवि को नहर से निकाला। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

थाना प्रभारी मानकनगर अजीत कुमार ने बताया कि सूचना पर पुलिस समय से पहुंच गई थी। तत्काल एसडीआरएफ को भी बुलाया गया। रेस्क्यू के दौरान करीब 20 मीटर दूर शव बरामद किया गया। नहर में बाइक कैसे गिरी, इसकी जांच की जा रही है। मृतक रवि कुशवाहा पेशे से एलआईसी एजेंट थे। इस हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि राजधानी की पुलिस बहुत समय तक सीमा विवादों के चक्कर में पड़ी रही।

सूचना

सूचित करना है कि मैंने अपने पुत्र मो0 दानिश को उसके गलत चाल-चलन के चलतें अपनी चल-अचल सम्पत्ति सें बेदखल कर दिया है। भविष्य में मेरा व मेरे परिवार का इसके किसी भी कृत्यों से कोई सरोकार नहीं होगा। **लैलतुन पत्नी करीम उल्ला निवासी-ग्राम सराय सिघई, थाना दरियाबाद, बाराबंकी।**

सूचना

सूचित करना है कि मैंने अपने पुत्र मो0 वैस को उसके गलत चाल-चलन के चलतें अपनी चल-अचल सम्पत्ति सें बेदखल कर दिया है। भविष्य में मेरा व मेरे परिवार का इसके किसी भी कृत्यों से कोई सरोकार नहीं होगा। **मो. रईस पुत्र नवी अहमद निवासी-मोहल्ला गढ़ी कदीम, कस्बा व थाना जैदपुर, बाराबंकी।**

सूचना

सूचित हो कि मेरी पुत्री के सुकन्या समृद्धि योजना खाता सं- 3796682900 में उसका नाम कविता मौर्या दर्ज है जबकि उसके आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में उसका नाम दीप्ती मौर्या दर्ज है। मेरी पुत्री दोनों नामों से जानी जाती है। उसके सुकन्या समृद्धि योजना खाते में उसका सही नाम दीप्ती मौर्या दर्ज किया जाये। **दिनेश कुमार पुत्र ईश्वर दीन नि.- ग्राम बरी जलालपुर पर. व तहसील मलिहाबाद जिला लखनऊ।**

सूचना

सूचित हो कि मेरे हाईस्कूल की मार्कशीट में मेरा नाम अरविन्द कुमार दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड व पेन कार्ड में मेरा नाम अरविन्द कुमार त्रिपाठी दर्ज है। दोनों मेरे ही नाम हैं। मुझे अरविन्द कुमार त्रिपाठी के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। **अरविन्द कुमार त्रिपाठी पुत्र रामकुमार त्रिपाठी नि.- मो. अहमदपुर रेती निकट घिसा महल थाना रामचन्द्र मिशन तहसील सदर जिला शाहजहांपुर।**

न्यायालय सूचना

इत्तिलानामा बनाम रेस्पांडेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर
समाअत अपील
बअदालत न्यायालय श्रीमान आयुक्त महोदय चित्रकूटधाम मंडल, बांदा
अपील संख्या-सी202107000000965, सन-2021
ऊधौ प्रसाद
बनाम
बारेलाल आदि
अपील बनाराजी आदेश अदालत मुबारिखा महीना, सन ई.
बनाम रेस्पान्डेट
1-जीतेंद्र पुत्र प्रकाश, नि0ग्रा0-गल्हिया, तह0-राठ, जिला-हमीरपुर।
2-आनन्द पुत्र प्रकाश, नि0ग्रा0-गल्हिया, तह0-राठ, जिला-हमीरपुर।
3-मनीष पुत्र हरीकिशुन, नि0मो0-मुगलपुरा, तह0-राठ, जिला-हमीरपुर।
4-आशीष पुत्र हरीकिशुन, नि0मो0-मुगलपुरा, तह0-राठ, जिला-हमीरपुर।
5-पप्पू पुत्र रामदीन, नि0ग्रा0-गल्हिया, तह0-राठ, जिला-हमीरपुर।
6-जयचंद पुत्र रामदीन, नि0ग्रा0-गल्हिया, तह0-राठ, जिला-हमीरपुर।

मुत्तिला हो कि अपील बनाराजी डिग्री इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश किया और यह अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत ने तारीख 27 महीना 08 सन 2026 ई0 वास्ते समाअत इस अपील से मुकर्रर की है। अगर खुद आप या आपके वकील या अन्य शख्स जो कानूनन आपकी तरफ अपील हाजा में जवाब इस सवाल करने का मजाज हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समाअत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा की जाएगी।

आज बतारीख 07 महीना 08 सन 2026 ई. को मेरे दस्तखत और मोहर अदालत हवाले किया गया।

आयुक्त, चित्रकूटधाम मंडल, बांदा
दस्खत हाकिम

राजधानी में धड़ल्ले से चल रहा खून बेचने का खेल

राहगीरों ने आरोपी लकी अब्बास को पकड़ा, नाबालिग बच्चे भी शामिल

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजधानी में केजीएमयू व डा. राम मनोहर लोहिया हास्पिटल समेत कई अस्पतालों के बाहर जरूरतमंदों को ब्लैक में दवाइयां आदि उपलब्ध कराने के गोरखधंधे से जुड़े अनेकों मामले सामने आते हैं, लेकिन अब पारा थाना क्षेत्र स्थित बुद्धेश्वर चौराहे के पास चंद पैसों में खून बेचने से जुड़ा एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। बताया जाता है कि बीती रविवार रात बुददेश्वर चौराहे के पास कुछ राहगीरों ने एक शख्स को रंगे हाथों पकड़ा है, जो नाबालिग बच्चों को चंद पैसों के लालच में बहला फुसलाकर अपने साथ ले जाकर उनका खून निकलवाता और अस्पतालों को 15 सौ रुपए में बेचता था। आरोपी के कुबूलनामे का वीडियो सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

जानकारी के मुताबिक बुद्धेश्वर चौराहे के पास से गुजर रहे कुछ स्थानीय लोगों और राहगीरों ने जब संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर एक शख्स को घेरा और उससे पूछताछ की तो रोंगटे खड़े करने वाली सच्चाई सामने आई। आरोपी ने अपना नाम लकी अब्बास बताया। पूछताछ में आरोपी ने खुद कैमरे पर कुबूल किया कि वह मासूम और नाबालिग बच्चों को अपने साथ ले जाकर 1500 रुपये में उनका खून बेच देता था। राहगीरों की सूझबूझ और सतर्कता से इस घिनौने और अवैध धंधे का भंडाफोड़ हो सका। स्थानीय लोगों की ओर से हुई पूछताछ के दौरान आरोपी लकी अब्बास ने अपना पता कैम्पवेल रोड ठाकुरगंज बताया, लेकिन स्थानीय लोगों के मुताबिक, वह उसी इलाके में मौजूद एक दरगाह में रह रहा था।

वीडियो हुआ वायरल

खून बेचने के काले खेल की पूरी घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जाता है कि आरोपी की ओर से खून के धंधे के कुबूलनामे व माफी मांगने के बाद स्थानीय लोगों ने बिना पुलिस को सूचना दिए मौके से जाने दिया। वहीं, इस मामले को लेकर जब स्थानीय पारा थाने के प्रभारी निरीक्षक से बात की गई तो उन्होंने कहा कि वीडियो उनके थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है, लेकिन किसी की ओर से अभी तक इस मामले को लेकर थाने में शिकायत नहीं दी गयी है। हालांकि, वायरल वीडियो के आधार पर मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है और साथ वीडियो में 1500 रुपये में खून बेचने की बात करने वाले युवक की तलाश की जा रही है।

सफल अभ्यर्थियों का अभिलेख सत्यापन और शारीरिक मानक परीक्षण 17 से शुरू होगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती 2025 में लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का अभिलेख सत्यापन और शारीरिक मानक परीक्षण 17 अगस्त 2026 से शुरू होगा। भर्ती बोर्ड ने प्रवेश पत्र और आवेदन पत्र वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए हैं। अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि और केंद्र पर जरूरी दस्तावेजों के साथ पहुंचना होगा।

प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती के लिए लिखित परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों को आगामी 17 अगस्त से होने वाली दस्तावेजों के सत्यापन और शारीरिक मानक परीक्षा (डीवी-पीएसटी) के लिए प्रवेश पत्र और आवेदन पत्र जारी कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की वेबसाइट पर दिए गए लिंक से डाउनलोड कर सकते हैं। बोर्ड के परीक्षा नियंत्रक के मुताबिक 32,679 आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा में अर्ह पाए गए अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन एवं शारीरिक मानक परीक्षण 17 अगस्त से प्रदेश के सभी जिलों में शुरू होगा। इसमें चयनित होने वालों को सितंबर माह में शारीरिक दक्षता परीक्षा (दौड़) के लिए बुलाया जाएगा। इसके बाद चयनितों का अंतिम परिणाम जारी किया जाएगा। बोर्ड ने अभ्यर्थियों को परीक्षा से संबंधित सभी जानकारियों के लिए वेबसाइट का अवकोलन करते रहने की सलाह दी है। बता दें कि इस भर्ती के लिए 28.86 लाख अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था जिसमें 19,62,560 पुरुष और 9,24,237 महिलाएं थीं। लिखित परीक्षा का आयोजन बीती 8 से 10 जून को छह पालियों में हुआ था।

गणेश उत्सव को लेकर विधि-विधान से संपन्न हुआ बल्ली पूजन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ का सबसे बड़ा गणेश उत्सव इस वर्ष 14 सितंबर से 25 सितंबर तक झूलेलाल घाट पर अत्यंत धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। उत्सव की तैयारियों के तहत सोमवार को कार्यक्रम स्थल पर विधि-विधान से बल्ली पूजन का आयोजन संपन्न हुआ। पूजन के दौरान समिति के भारत भूषण गुप्ता, घनश्याम दास अग्रवाल, पार्षद रंजीत सिंह, अखिलेश बंसल, अतुल बंसल, संजय सिंह गांधी और अनुराग साहू समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए समिति के भारत भूषण गुप्ता ने बताया कि इस बार आयोजन का 21वां वर्ष है। वर्ष 2006 से निरंतर आयोजित हो रहे इस गणेश उत्सव के लिए भव्य पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है। इसके लिए कोलकाता से लगभग 35 से 40 कुशल कारीगर लखनऊ पहुँच चुके हैं, जो उत्सव शुरू होने से पूर्व भव्य पंडाल को अंतिम रूप देंगे। उन्होंने आगे बताया कि उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसमें कोलकाता के प्रसिद्ध भजन गायक संजय शर्मा एवं उनकी टीम द्वारा मनमोहक भजन संध्या और आकर्षक नृत्य नाटिकाओं का मंचन किया जाएगा।

लखनऊ के वरिष्ठ छायाचित्रकार अनिल रिसाल सिंह को एपीएसए सम्मान

लखनऊ। लखनऊ के वरिष्ठ छायाचित्रकार अनिल रिसाल सिंह को अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफी के क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन उल्लेखनीय योगदान, कलात्मक उपलब्धियों और निरंतर सक्रियता के लिए प्रतिष्ठित एपीएसए सम्मान प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। यह सम्मान विश्व के प्रमुख फोटोग्राफी संगठनों में शामिल पीएसए की ऑनर्स कमेटी द्वारा घोषित किया गया है। अनिल रिसाल सिंह को यह प्रतिष्ठित सम्मान औपचारिक रूप से सितंबर 2026 में अमेरिका के लास वेगास में प्रदान किया जाएगा। यह उपलब्धि उनकी साढ़े पांच दशक से अधिक लंबी फोटोग्राफिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय अध्याय जोड़ती है। अनिल रिसाल सिंह ने भारतीय और अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफी जगत में अपनी विशिष्ट पहचान एक ऐसे छायाचित्रकार के रूप में बनाई है, जिनकी दृष्टि में फोटोग्राफी केवल किसी दृश्य को कैमरे में दर्ज करने का माध्यम नहीं, बल्कि प्रकाश, छाया, रंग, स्थापत्य, प्रकृति, समय और सांस्कृतिक स्मृति को कलात्मक अभिव्यक्ति में बदलने की प्रक्रिया है। उनकी रचनात्मक यात्रा निरंतर सृजन, प्रयोग, शोध, शिक्षण, प्रदर्शनियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से समृद्ध रही है। उन्होंने 35 वर्षों से अधिक समय तक फोटोग्राफी का शिक्षण किया तथा विभिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों में कार्य किया। उन्होंने विद्यार्थियों को कैमरे की तकनीक के साथ-साथ दृश्य को संवेदनशीलता और कलात्मक दृष्टि से देखने के लिए प्रेरित किया। फोटोग्राफी से संबंधित उनके शोध-पत्र अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत एवं प्रकाशित हुए और उनके लेख विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे।

मोहन वीणा पर गूंजी ग्रैमी अवार्ड दिलाने वाली धुन

लखनऊ। जश्न-ए-अदब साहित्योत्सव के अंतर्गत आयोजित कल्चरल कारवां विरासत, लखनऊ 2026 का समापन साहित्य, हास्य और शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुतियों ने सांस्कृतिक रंग के साथ हुआ। कार्यक्रम में पद्मश्री पंडित रोनू मजूमदार, पद्मभूषण पंडित साजन मिश्रा, ग्रैमी अवॉर्ड विजेता पंडित विश्व मोहन भट्ट और हास्य कवि पद्श्री सुरेंद्र शर्मा ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी।

दूसरे दिन का प्रमुख आकर्षण ग्रैमी अवॉर्ड विजेता और पद्मभूषण पंडित विश्व मोहन भट्ट की मोहन वीणा प्रस्तुति रही। उन्होंने अपनी मोहन वीणा पर ग्रैमी अवॉर्ड विजेता धुन ए मीटिंग बाई द रीवर सुनाई। यह धुन उन्होंने अमेरिकी गिटारवादक राई कूडर के साथ प्रस्तुत की थी और इसी एल्बम को 1994 में ग्रैमी अवॉर्ड मिला था। इसके बाद पंडित विश्व मोहन भट्ट ने मोहन वीणा पर वंदे मातरम् की प्रस्तुति दी। उनके वादन में भारतीय शास्त्रीय संगीत की गहराई और मोहन वीणा की विशिष्ट ध्वनि का प्रभाव देखने को मिला। प्रस्तुति के दौरान दर्शक देर तक सुरों में डूबे रहे और तालियों से कलाकार का स्वागत किया।

पंडित रोनू मजूमदार ने बांसुरी पर वंदे मातरम् की धुन सुनाकर माहौल में देशभक्ति का रंग घोल दिया। इसके बाद उन्होंने फिल्मी गीत कुछ न कहो की धुन बांसुरी पर पेश की। बांसुरी के मधुर सुरों ने दर्शकों को देर तक बांधे रखा। इसके बाद पद्मभूषण पंडित साजन मिश्रा और स्वरांश मिश्रा ने प्रस्तुति दी। उन्होने ख्याल, ओम नमः शिवाय और चलो वृंदावन की ओर जैसी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को शास्त्रीय संगीत की विविधता से रूबरू कराया। तबले पर पंडित धर्मनाथ मिश्रा और अभिषेक मिश्रा ने प्रभावी संगत की।

हास्य कवि सुरेंद्र शर्मा ने अपनी चुटीली शैली से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति में कहा कि मेरी वीडियो क्यों बना रहे हो, यहां खुद हंस रहे हो, घर जाकर बीवी को हंसाओगे। मेरे भरोसे शादी की थी क्या। उनकी बातों पर सभागार ठहाकों से गूंज उठा। कार्यक्रम के समापन समारोह में न्यायमूर्ति राजेश चौहान ने जश्न-ए-अदब के प्रयासों की सराहना करते हुए साहित्य, कला और भारतीय सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की पहल को महत्वपूर्ण बताया। कल्चर कारवां में बैतबाजी प्रतियोगिता हुई। जिसमें आठ टीमों ने हिस्सा लिया। कड़े मुकाबले में लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम गालिब ने बाजी मारी। टीम में कहकशां खातून, दरकशां खातून और मोहम्मद यूसुफ आरिफ शामिल रहे। शिया पीजी कॉलेज की टीम मोमिन उपविजेता रही। टीम में मोहम्मद नौमान, मोहम्मद अलमास बेग और अब्दुर रहमान शामिल रहे। विजेता और उपविजेता टीम के प्रतिभागियों को स्मृति-चिह्न और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

चोरी के आरोप में तीन शातिर गिरफ्तार

लखनऊ। गोमतीनगर विस्तार क्षेत्र में बन्द पड़े घरों में घुसकर चोरी करने वाले तीन शातिर चोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनके कब्जे से चोरी गया माल, नगदी व घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल बरामद कीगयी है। पुलिस का कहना है कि ऊषा कुमारी पत्नी संदीप कुमार चौधरी निवासिनी म0नं0- 03 विज्ञानखण्ड गोमतीनगर विस्तार ने पुलिस को तहरीरी सूचना दी थी कि 29 जुलाई को रात करीब 01.00 बजे उसके निवास स्थल म0नं0- 03 विज्ञानखण्ड गोमतीनगर विस्तार जनपद में खिड़की तोड़कर घर में घुसकर चोर कीमती जेवरात व नगदी चोरी कर ले गए हैं। पुलिस नेमामला दर्ज कर लिया। इसी तरह प्रान्जुल त्रिपाठी पुत्र आनन्दप्रकाश त्रिपाठी निवासी 15/6 वरदान स्कूल के पास गीतापुरी खरगापुर थाना गोमतीनगर विस्तार ने 15 जून को रात्रि 01.30 बजे उसके निवास स्थल 15/6 सेक्टर 5 गोमतीनगर विस्तार में मकान का ताला तोड़कर वायरिंग का तार चोरी कर लेने के सम्बन्ध मेंप्रार्थना पत्र दिया गया था।पुलिस ने मामला दर्जकिया था। इसी तरह सूरज सिंह ऊ 1/15 विनीतखण्ड गोमतीनगर लखनऊ के द्वारा थाना गोमतीनगर में जाकर पुलिस को तहरीरी सूचना दी गई कि 08 अगस्त को रात्रि करीब 01.46 बजे से 02.05 बजे के मध्य उसके निवास स्थल ऊ1/15 विनीतखण्ड गोमतीनगर मकान में घुसकर चार्जर मोबाइल चार्जर बैग, एक चांदी की मूर्ति एंव नगदी चोरी कर लेने के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर दी थी। इस प्रकरण की विवेचनात्मक कार्यवाही एवं अज्ञात अभियुक्त की तलाश सुरागरसी-पतारसी से उक्त मुकदमें में प्रकाश में आये अभियुक्तगण मोनू गौतम पुत्र दन्नू निवासी-म0न0 308 जहाँगीरपुरी एनएस मण्डी नई दिल्ली हालपता-किराये का मकान लक्ष्मणपुरी थाना गाजीपुर, रामदयाल साहनी पुत्र मजनू साहनी निवासी-वार्ड न0 15 तलखापुर बड़ी मजार डुमरा सीतामढी बिहार हाल पता-विजय बिहार तकरोही थाना इन्दिरानगर, विशाल रावत पुत्र रामपाल रावत निवासी-ग्राम कठौता विजयन्तखण्ड थाना विभूतिखण्ड को मुखबिर की सूचना पर सोमवार को रात्रि समय 01.40 बजे, सेक्टर-4 स्थित ईदगाह के पास, थाना गोमतीनगर विस्तार से गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से पीली धातु तांबा जैसा व आर्टिफिशियल जैसा आभूषण व 8100/- रुपया नगद माल मुकदमाती व तार कलरनुमा वजन कुल 2.6 किग्रा करीब व घटना में प्रयुक्त एक अदद अपाचे बाइक बरामद की गयी।

मकान में सेंध लगाकर लाखों की चोरी: काकोरी क्षेत्र के ग्राम सराय अलीपुर में सेंधमारी कर चोरों ने लाखों कामाल साफ कर दिया। पुलिस का कहना है कि सोमवार प्रातः करीब 08:30 बजे अनिल पुत्र रज्जनलाल निवासी सराय अलीपुर, थाना काकोरी द्वारा अपने घर में चोरी होने की सूचना दी। सूचना के अनुसार अज्ञात चोरों द्वारा रात्रि में दीवार काटकर सेंधमारी करते हुए घर में प्रवेश कर आलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे जेवरात चोरी कर लिए। सूचना प्राप्त होने पर चौकी प्रभारी शैलेश प्रताप सिंह द्वारा मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना के संबंध में जानकारी की जा रही है। घटनास्थल एवं आसपास के सीसीटीवी फुटेज चेक किए जा रहे हैं तथा अन्य आवश्यक साक्ष्य संकलित किए जा रहे हैं।

इस महीने रिटायर हो रहे 10 आईपीएस अफसर

लखनऊ। यूपी पुलिस में जल्द ही बड़ा प्रशासनिक बदलाव देखा जासकता है। इसी माह सेवानिवृत्त हो रहे 10 आईपीएस अधिकारियों के स्थान पर दूसरे आईपीएस अधिकारियों की तैनाती की जाएगी। इस माह सेवानिवृत्त होने वाले आईपीएस अधिकारियों में रिक्त होने वाले सबसे अहम पद डीजी फायर एवं आपातकालीन सेवाएं का है। इस पद पर तैनात अशोक मुथा जैन 30 अगस्त को सेवा निवृत्त होंगे। उन्हें पिछले माह ही सुजीत पांडेय के केंद्रीय प्रतिनियुक्त पर भेजे जाने के बाद इस पद पर तैनात किया गया था। प्रदेश पुलिस में तैनात आईपीएस अधिकारियों की वरिष्ठ सूची के अनुसार अगस्त माह में सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों में केंद्रीय प्रतिनियुक्त पर पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरडी) में तैनात रवि जोसेफ लोक्कू और सीआईडी में आईजी के पद पर तैनात डा. अखिलेश कुमार निगम, यूपी-122 के डीआईजी साहब राशिद खान, वाराणसी कमिश्नरेट में तैनात अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर आलोक प्रियदर्शी, पीएसी मुख्यालय की डीआईजी सुनीता सिंह, पीएसी के एसपी राम नयन सिंह, लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात डीसीपी कमलेश किमार दीक्षित, ईओडब्ल्यू के एसपी अरविंद मिश्रा व पुलिस प्रशिक्षण मुख्यालय के एसपी हरि गोविंद के नाम शामिल हैं।

बीबीएयू में खाली सीटों पर प्रवेश के लिए पंजीकरण आज से

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के विभिन्न पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए सीयूईटी/नॉन- सीयूईटी अभ्यर्थियों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 11 से 18 अगस्त तक आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रवेश काउंसलिंग कार्यक्रम के अनुसार, रिक्त सीटों पर प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित अवधि में पंजीकरण कर सकते हैं। विश्वविद्यालय की ओर से द्वितीय स्पॉट काउंसलिंग का आयोजन 19 अगस्त को किया जाएगा। स्पॉट काउंसलिंग के दौरान अभ्यर्थियों के मूल दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा तथा पात्र अभ्यर्थियों के लिए शुल्क जमा करने के लिए चालान जनरेट किया जाएगा। द्वितीय स्पॉट काउंसलिंग के अंतर्गत प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थियों को 23 अगस्त तक प्रवेश शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा।

प्रो. अरविंद मोहन एनएलयू दिल्ली की अकादमिक परिषद में मनोनीत

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के अर्थशास्त्र विभाग के प्रतिष्ठित प्राध्यापक प्रो. अरविंद मोहन को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एनएलयू) दिल्ली की अकादमिक परिषद का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं एनएलयू दिल्ली के कुलाधिपति न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय द्वारा एनएलयू दिल्ली अधिनियम 2007 की धारा 15(1)(बी) के तहत किया गया है। प्रो. अरविंद मोहन का यह कार्यकाल 30 जून 2026 से प्रभावी होकर आगामी तीन वर्षों की अवधि के लिए होगा। एनएलयू दिल्ली के कुलपति प्रो. जीएस बाजपेयी द्वारा पत्र भेजकर प्रो. मोहन को इस उपलब्धि की जानकारी दी गई और अकादमिक परिषद के इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए उनकी स्वीकृति मांगी गई है। विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, यह मनोनयन ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों, साहित्यकारों या कानूनी क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों की श्रेणी के अंतर्गत किया जाता है। शिक्षा एवं अर्थशास्त्र के क्षेत्र में प्रो. अरविंद मोहन के लंबे अनुभव और अकादमिक योगदान को देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्था की नीति-निर्धारक संस्था में स्थान दिया गया है।

आरडीएसओ के डीजी ने किया पौधरोपण

लखनऊ। सीएमएस के आरडीएसओ कैम्पस में सोमवार को आरडीएसओ के डायरेक्टर जनरल प्रभास दंसाना ने बतौर मुख्य अतिथि पौधरोपण किया तथा भावी पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार बनने का संदेश दिया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री दंसाना ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में पर्यावरण के प्रति दायित्व बोध जगाते हैं। मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि सीएमएस छात्रों को समाज का एक जिम्मेदार नागरिक बना रहा है। मेरी कामना है कि ये मेधावी छात्र आगे चलकर अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व से देश का नाम रोशन करें।

श्री झुनझुनू वाली दादी जी का 23वां भव्य झूला उत्सव 15 अगस्त को

लखनऊ श्री दादी परिवार लखनऊ की ओर से 23वां झूला उत्सव का आयोजन 15 अगस्त को धूमधाम से किया जाएगा। दादी परिवार के महामंत्री सुनील तुलस्यान ने बताया कि झूला उत्सव की शुरूआत 14 अगस्त को कलश यात्रा के साथ होगी। कलश शोभायात्रा 14 अगस्त को शाम 5 बजे बाबूगंज से निराला नगर आठ नंबर चौराहा स्थित होटल रेग्नेंट तक निकाली जाएगी, जिसमें 281 महिलाएं शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि मुख्य कार्यक्रम 15 अगस्त (शनिवार) को पूरे दिन होटल रेग्नेंट में मंगल पाठ एवं भजन-कीर्तन का भव्य आयोजन होगा। सुनील तुलस्यान ने बताया कि श्री झुनझुनू वाली दादी जी के 23वें झूला उत्सव की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

सावन के दूसरे सोमवार पर शिवालयों में लगी लंबी कतार

भगवान शिव का जलाभिषेक करते भक्तगण

भोले बाबा के दर्शन के लिए मनकामेश्वर मंदिर में उमड़ा हुजूम

फोटो–अमित वर्मा

बम-बम भोले के जयकारों संग शिवालयों में उमड़ा भक्तों का हुजूम

सावन के दूसरे सोमवार पर राजधानी के शिव मंदिरों में भक्तों की लगी लंबी कतार, विधि-विधान से की पूजा-अर्चना

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। सावन के दूसरे सोमवार पर राजधानी के शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। डालीगंज का मनकामेश्वर हो या फिर चौक का कोनेश्वर और रकाबगंज का सिद्धनाथ मन्दिर सभी मन्दिरों में भोले के भक्तों की लम्बी कतारें दिखी। मोहान रोड के बुद्धेश्वर और ठाकुरगंज कल्याण गिरि मन्दिर में भी भोले की जय जयकार रही। डालीगंज के मनकामेश्वर मंदिर में सबसे पहले 51 लीटर दूध से महादेव का अभिषेक हुआ उसके बाद परिवारों ने मिलकर दूध, बेसन, शहद, दही, तिल, जौ व चन्दन से बाबा महाअभिषेक एवं रुद्राभिषेक किया। ढोल, नागफनी, डमरू, शंख, नगाड़ा, मजीरा की ध्वनि पर जब महाआरती हुई उस क्षण पूरा मंदिर प्रांगण हर हर महादेव और जय शिव शम्भू जयघोष से गूंज उठा। श्रावण का सोमवार होने के कारण श्रद्धालुओ की लम्बी लाइन लगी रही।

उज्जैन के तर्ज पर हुई भस्म आरती: राजेन्द्रनगर के महाकाल मन्दिर में सावन के दूसरे सोमवार पर उज्जैन की तर्ज पर भस्म आरती हुई। उसके बाद आलोक गुप्ता और निधि गुप्ता की ओर से महारुद्राभिषेक हुआ। रुद्राभिषेक में 51 लीटर दूध, 51 लीटर दही, सवा किलो शहद और सवा किलो शरकरा आदि पूजन सामग्री के साथ पूजन हुआ। शाम को 151 दीपों से महाकाल की भव्य आरती हुई। आरती के समय जय शिव ओंकारा तथा बाबा महाकाल के जयघोष से मन्दिर गूंज रहा था। अगले क्रम मे अमिताभ अग्रवाल के सहयोग से बाबा को छप्पन भोग लगाया गया। बाद में छप्पन भोग प्रसाद को भक्तों को बांटा गया। जब बाबा का प्रसाद बंटा तो प्रसाद पाने के लिए भक्तों की लम्बी कतारे लग गई। पूरा मन्दिर रंगबिरंगी लइटों से जगमाग रहा है।

मनकामेश्वर में लगी भक्तों की लंबी कतार, खूब लगे जयकारे

लखनऊ। सावन माह दूसरा सोमवार का खास महत्व होता है। सोमवार सुबह से ही भक्तों की कतार सुबह चार बजे से ही उत्तर प्रदेश के प्रतिष्ठित महादेव मठ-मंदिर मनकामेश्वर में लगने लगी थी। जीवन में सुख का आशीष देने वाले भक्तों ने दूध और जल से अभिषेक करने के साथ ही बिल्व पत्र, पुष्प और धतूरा, बाबा मनकामेश्वर को अर्पित किया। सावन के दूसरे सोमवार को भोलेनाथ का 501 लीटर दुग्ध से अभिषेक किया गया।

मन की समस्त कामनाओं की पूर्ति करने वाले मनकामेश्वर मठ मंदिर की महंत देव्यागिरी ने विधि-विधान से आरती पूजन कर भक्तों को आशीर्वाद दिया। सतरंगी रोशनी से जगमग और विभिन्न फूलों संग मांगलिक झंडियों से अलंकृत मंदिर में महंत देव्यागिरी ने रविवार की रात तीन बजे मंगला आरती की। उसी क्रम में सुबह चार बजे मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए थे। बम बम भोले के जयकारों के साथ हर उम्र के भक्तों ने जोश और भक्ति के साथ मंदिर में दर्शन किये।

मंदिर परिसर में सुरक्षा और सुविधा की व्यापक व्यवस्था के बीच, रविवार मध्यरात्रि 12 बजे से रुद्राभिषेक शुरू हो गया था। विश्व शान्ति और भारत उन्नति की कामना से यह रुद्राभिषेक रात दो बजे जाकर सम्पन्न हुआ। उसके बाद भोलेनाथ का स्नान कराकर उनका मनभावन श्रंगार किया गया। सोमवार की रात 11 बजे तक भक्तों ने बाबा मनकामेश्वर के दर्शन लाभ अर्जित किए। सोमवार को रुद्राभिषेक गर्भगृह मे आचार्यों द्वारा करवाए गए।

चढ़ावे के दूध से तैयार चाय और खीर का वितरण भी भक्तों में किया गया। सेवादारों की ओर से लाया गया गंगाजल कतारबद्ध भक्तों को निःशुल्क दिया गया। वहां परंपरा के अनुसार भक्तों ने गर्भगृह के बाहर से ही जलधारी यंत्र के माध्यम से दूध और जल का अभिषेक किया। सोमवार की रात 8 बजे आरती की गई। इससे पहले शाम 6:30 बजे आरती के लिए कुछ अंतराल के लिए मंदिर में प्रवेश द्वार, भक्तों के लिए बंद किए गए थे जिन्हें रात 8:30 बजे दोबारा खोल दिया गया। इसके साथ ही वहां फलाहार का प्रसाद भी वितरित किया गया जिसमें साबूदाना की खीर और आलू कुट्टू के आटे की पूड़ी आदि शामिल रहे। मंदिर के सेवादारों में उपमा पाण्डेय, जगदीश गुप्ता अग्रहरि, अंशु सहित अन्य शामिल रहे।

पूरा मन्दिर फूलों से सजाया गया है।

भोलेनाथ का हुआ अश्वगंधा से श्रृंगार: सदर बाजार स्थित द्वादश ज्योर्तिलिंग धाम में सावन के दूसरे सोमवार को 21 रुद्राभिषेक हुये। शाम को बाबा को भोलेनाथ का अश्वगंधा से विशेष श्रंगार किया गया। मन्दिर समिति के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने बताया कि सावन के आखिरी सोमवार को श्री दादी जी परिवार मंगल समिति परिवार ने रुद्राभिषेक किया।

कांवरियों का जत्था पहुंचा महाकाल मंदिर: राजेन्द्रनगर स्थित महाकाल मन्दिर में सावन के दूसरे सोमवार की शाम को जब हर हर महादेव, जय महाकाल के जयघोष के साथ कावड़ियों का एक जत्था राजेंद्र महाकाल मंदिर पहुंचा तो माहौल शिवमय हो गया। मंदिर के अतुल मिश्रा ने बताया कि लगभग 50 लोगों का कांवरियों का जत्था शाम को फरुर्खाबाद से पैदल महाकाल मंदिर पहुंचा। इसमे महिला पुरुष सभी शामिल थे। उन्होंने बताया कि कावड़ियों की कोई मनौती थी और कावड़ियों ने बताया कि वह लगातार 5 साल तक महाकाल में जलाभिषेक करने आएंगे। इससे पहले बाबा का भस्म और अश्वगंध से श्रृंगार हुआ। भोर चार बजे उज्जैन के महाकाल की तर्ज पर हुई भस्म आरती में बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। ढ़ोल, नगाड़ा, तासा और शंख ध्वनि के बीच बाबा महाकाल के जयकारे लगे।

यहां भी दर्शन को उमड़े श्रद्धालु: चौक के रानी कटरा स्थित के छोटा व बड़ा शिवाला, कोनेश्वर मंदिर, आशियाना के सेक्टर.एच स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर, बंगलाबाजार के श्री रामजानकी मंदिर, मौनी बाबा मंदिर व गुलाचिन मंदिर के अलावा सिद्धेश्वर मंदिर, गोमतेश्वर मंदिर व विन्ध्याचल मंदिर के अलावा शहर के सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। स्वप्नेश्वर महादेव मंदिर, इंदिरानगर भूतनाथ मंदिर, महानगर के सिद्धेश्वर मंदिर, राजाजीपुरम, सआदतगंज, आलमबाग, चिनहट के अलावा बख्शी का तलाब के मां चंद्रिका देवी मंदिर के चंद्रकेश्वर महादेव मंदिर, कालेश्वर महादेव मंदिर, इटौंजा के रत्नेश्वर महादेव मंदिर, टीकेश्वर महादेव मंदिर के साथ ही शहर के सभी छोटे बड़े शिव मंदिरों पर भोर से श्रद्धालुओं की भीड़ लग गई थी। श्रद्धालुओं ने विधि विधान से पूजन कर आरती की।

कहीं रुद्राभिषेक तो कहीं हुआ बाबा का श्रृंगार: राजधानी में सावन के दूसरे सोमवार पर भी आस्था का सैलाब शिव मंदिरों में उमड़ पड़ा। लगभग सभी शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं। बड़े मंदिरों के अलावा शहर के हर छोटे-बड़े शिव मंदिर में भी पूजा अर्चना हुई। भक्तों ने अलग-अलग तरीके से भगवान शिव को प्रसन्न करने का प्रयास किया। सावन के दूसरे सोमवार पर शहर के तमाम शिवालयों में बम भोले के गगनभेदी जयकारों के बीच बाबा की आराधना हुई। सुबह से ही रुद्राभिषेक और श्रृंगार का दौर शुरू हो गया। भक्तों ने फल, पुष्प, बिल्व पत्र, गंगाजल, शहद, घृत, दूध, मिष्ठान्न, भांग, धतूरा अर्पण कर भक्तों द्वारा मनोकामना पूरी करने की कामना की जाएगी। वहीं, घंटे-घड़ियालों की गूंज के बीच चालीसा, पंचाक्षरी के स्वर भी गूंजे। मंदिरों और शिवालयों के कपाट भोर से ही खुल गए थे। कपाट खुलने से पहले ही बड़े मंदिरों के बाहर भक्तों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। उधर सोमवार को शिवालयों में उमड़ने वाली भीड़ के चलते मंदिरों में रविवार देर रात तक व्यवस्थाएं होती रही।

सावन का दूसरा मंगला गौरी व्रत आज

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस पवित्र महीने में महादेव और माता पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही हर सोमवार और मंगलवार को व्रत किया जाता है। पंचांग के अनुसार, इस बार सावन का दूसरा मंगला गौरी व्रत 11 अगस्त को किया जाएगा। यह व्रत सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए रखती हैं। अविवाहित कन्याएं मनचाहा और योग्य वर प्राप्त करने के लिए यह व्रत पूरी श्रद्धा से करती हैं। मां मंगला गौरी की कृपा से घर-परिवार से कलह और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

मंगला गौरी व्रत का महत्व: मान्यता है कि मंगला गौरी व्रत करने से सुहागिन महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है। इससे पति की आयु लंबी होती है और दांपत्य जीवन सुखमय बना रहता है। वहीं, जिन युवतियों का विवाह नहीं हुआ है या शादी में बाधाएं आ रही हैं, वे भी यह व्रत रखती हैं। माना जाता है कि मंगला गौरी व्रत से जल्द विवाह के योग बनते हैं और परिवार में सुख-समृद्धि आती है।

मंगला गौरी व्रत की पूजा विधि: मंगला गौरी व्रत के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठें और दिन की शुरूआत महादेव और माता पार्वती के ध्यान से करें। इस दिन हरा, लाल, गुलाबी और पीले रंग के वस्त्र धारण करने चाहिए। अब मंदिर की सफाई कर संकल्प लें। माता पार्वती को 16 श्रृंगार अर्पित करें और शिव जी को धतूरा और बेलपत्र समेत आदि चीजें चढ़ाएं। अब देशी घी का दीपक जलाकर आरती करें और मंत्रों का उच्चारण करें। पूजा के दौरान मां मंगला गौरी की व्रत कथा पढ़ें। मां माता पार्वती से सुखी वैवाहिक जीवन और पति की दीघार्यु की कामना करें। अंत में फल, मिठाई और खीर समेत आदि चीजों का भोग लगाएं।

नमो नमो श्री चतुर चरण नित ने श्रोताओं को किया भावविभोर

भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ में भातखण्डे जयंती पर विविध कार्यक्रम सम्पन्न

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भातखण्डे में आज सोमवार को विश्वविद्यालय के संस्थापक सदस्य, आधुनिक भारत में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के पुनर्जागरण के अग्रदूत एवं महान संगीत मनीषी पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे जी की जयंती अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाई गई। यह आयोजन भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा के प्रति श्रद्धा, सम्मान एवं समर्पण का जीवंत प्रतीक बनकर उभरा। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने विविध सांस्कृतिक एवं शैक्षिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सर्वप्रथम गायन की प्रस्तुति विश्वविद्यालय के शिक्षक कैलाश जोशी के निर्देशन में प्रशिक्षित 06 विद्यार्थियों द्वारा राग जौनपुरी में बड़ा ख्याल एवं छोटा ख्याल की प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात श्री अभिषेक त्रिपाठी के निर्देशन में 10 विद्यार्थियों द्वारा राग बिहाग में छोटा ख्याल प्रस्तुत किया गया, जिसके बोल नमो नमो श्री चतुर चरण नित ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। यह बंदिश पंडित श्रीकृष्ण नारायण रातंजनकर द्वारा पंडित भातखण्डे जी की प्रसंशा में रचित किया गया था।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण इंद्रधनुष शीर्षक से प्रस्तुत समापन प्रस्तुति रही, जिसका संगीत एवं नृत्य निर्देशन गुरु असीम बंधु भट्टाचार्य द्वारा किया गया। इस प्रस्तुति में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ गुरु पं0 राम मोहन महाराज एवं डॉ. रुचि खरे के द्वारा प्रशिक्षित विद्यार्थियों द्वारा कथक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत को व्यवस्थित रूप में संगठित करने एवं उसे सुदृढ़ वैज्ञानिक आधार प्रदान करने में समर्पित किया। उनके अनुसंधान एवं ग्रंथ-रचना ने भारतीय संगीत को नई दिशा प्रदान की, जो आज भी शिक्षा एवं साधना का मूलाधार है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने पंडित भातखण्डे जी के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत को वैज्ञानिक एवं संरचित स्वरूप प्रदान कर उसे संस्थागत शिक्षण प्रणाली की आधारशिला रखी विश्वविद्यालय के कुलसचिव एस. पी. सिंह ने कहा कि पंडित भातखण्डे का जीवन संगीत हेतु समर्पण, साधना एवं अनुसंधान की उत्कृष्ट मिसाल है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ गुरु राम मोहन महाराज, विभागाध्यक्ष (गायन) प्रो. सृष्टि माथुर, सहायक आचार्य (नृत्य) डॉ. रुचि खरे सहित अन्य शिक्षकगण, संगतकर्ता, शोधार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण सहभाग के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। मंच का संचालन विश्वविद्यालय की छात्रा शैली द्वारा किया गया।

दो दिवसीय नाट्य महोत्सव 25 से

लखनऊ। नगर की सुप्रसिद्ध एव प्रतिष्ठित नाट्य संस्था आकांक्षा थिएटर आर्ट्स लखनऊ द्वारा भारत सरकार के सस्कृति मत्रालय, नई दिल्ली के रिपेट्री ग्राट वर्ष 2026-27 की प्रथम प्रस्तुति के रूप में आयोजित सुप्रसिद्ध फ्रासीसी नाटककार अल्बेयर कामू की नाट्य रचना ख्वाहिशें का नाट्य मंचन नगर के वरिष्ठतम रग निर्देशक प्रभात कुमार बोस, उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी अवॉर्डी के कुशल निर्देशन में दिनाक-25 को स्थानीय बौध शोध सस्थान, गोमती नगर लखनऊ में सायकाल 7 बजे मचित किया जा रहा है। इस नाटक का उद्घाटन एवं दीप प्रज्जवलन इजी . मशर्रत नूर खाँन, भूतपूर्व मुख्य अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग लखनऊ के शुभ करकमलो द्वारा उद्घाटन एव प्रज्जवलित कर सम्बन्धित कलाकारों को आशीर्वाद प्रदान करेगें। यह जानकारी सस्था के अध्यक्ष बीएन ओझा, आलोक कुमार पाण्डेय सरक्षक एव अचला बोस, सचिव ने एक सयुक्त रूप से जानकारी प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी। वहीं नगर की सुप्रसिद्ध एवं प्रतिष्ठित सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था श्रद्धा मानव सेवा कल्याण समिति लखनऊ द्वारा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली के रिपेट्री ग्रांट वर्ष 2026-27 की प्रथम प्रस्तुति के रूप में आयोजित सुप्रसिद्ध नाटककार मानव कौल की नाट्य रचना पार्क का नाट्य मंचन नगर के वरिष्ठतम रंग निर्देशिका अचला बोस, उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी अबॉर्डी के कुशल निर्देशन एवं मंच प्रस्तुतिकरण परिकल्पना तुषार बाजपेयी शुभम द्वारा दिनांक-26 को स्थानीय बौध शोध संस्थान, गोमती नगर लखनऊ में सायकाल 7 बजे मंचित किया जा रहा है।

लखनऊ नगर निगम, लखनऊ

लालबाग,टी.एन.रोड, लखनऊ-226001 (उ0प्र0), बेवसाईट -https://lmc.up.nic.in एवं nnlko@nic.in

पत्रांकः–294 / पी0 / 30वि0 दिनांकः 10.08.2026

अल्पकालिक निविदा सूचना

नगर निगम द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु दिनांक 24/08/2026 को मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 22/08/2026 तक अपराहन 2 बजे तक कार्यालय दिवस व अवधि में फार्म कीपर कार्यालय के अतिरिक्त मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है तथा नगर निगम की वेबसाइट lmc.up.nic.in से टेंडर नोटिस डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा दिनांक 24/08/2026 को अपराहन 3 बजे तक अपर नगर आयुक्त महोदय के कार्यालय कक्ष में रखे निविदा बाक्स में डाली जा सकती है। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 24/08/2026 को अपरान्हन 4 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। यदि निविदा तिथि को अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस को डाली एवं खोली जायेगी। किसी भी निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार समक्ष अधिकारी में निहित होगा।

क्र०	कार्य का नाम	आगणन धनराशि रु0	जमानत धनराशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कुल निविदा मूल्य
1	2	3	4	5	6	7	8
01	जोन–01 में लालकुआँ वार्ड के अन्तर्गत स्थित संघ पार्क एवं शहीद भगत सिंह पार्क (दो पार्क) के औद्यानिक सौन्दर्यीकरण का कार्य।	400140.00	40014.00	01 माह	401.00	72.00	473.00
02	जोन–07 में इस्माईलगंज द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत दयाल रेजीडेन्सी में टंकी वाला पार्क के औद्यानिक सौन्दर्यीकरण का कार्य।	681452.00	68146.00	01 माह	682.00	123.00	805.00
03	जोन–7 में मैथिलीशरण गुप्त वार्ड के अन्तर्गत के०टी०एल० मारूति सर्विस सेन्टर के पास मार्ग पर स्थित ग्रीन बेल्ट एवं एच०ए०एल० गेट के सामने स्थित प्रेरणा पार्क के औद्यानिक सौन्दर्यीकरण का कार्य।	484126.00	48413.00	01 माह	485.00	87.00	572.00

शर्तें:–

1. निविदा में प्रतिभाग करने हेतु नगर निगम में पंजीकृत होना आवश्यक नहीं है। न्यूनतम निविदा धारक को सफल होने पर नियमानुसार पंजीकरण कराना आवश्यक होगा। (आवेदक निविदादाता को शासनादेश सं0–3890/नौ–5–19–149सा0/2019 दिनांक 20.09.2019 का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा) 2. शासनादेश सं0–6738/23–7–06–176(सा०)/06 दिनांक 31.01.2007 का पालन करते हुए रू0 40.00 लाख की धनराशि पर 10 प्रतिशत की दर से जमानत धनराशि और उसके ऊपर समस्त अवशेष धनराशि पर 05 प्रतिशत की दर से जमानत धनराशि निविदा के समय ही जमा करायी जायेगी। 3. शासनादेश सं0–692/23–7–2024 दिनांक 09.08.2024 का पालन करते हुए 10 प्रतिशत निम्न तक कोई अतिरिक्त परफारमेन्स सिक्यूरिटी नहीं ली जायेगी। यदि न्यूनतम निविदादाता की निविदित लागत, स्वीकृत (बी०ओ०क्यू०) लागत से 10 प्रतिशत से अधिक कम (Below) है तो 10 प्रतिशत से अधिक कमी (Below) के सापेक्ष 1 प्रतिशत प्रति प्रतिशत कम (Below) दर पर अतिरिक्त परफारमेन्स सिक्योरिटी ली जायेगी जिसे ठेकेदार से अनुबन्ध गठन के समय जमा कराया जायेगा। अतिरिक्त परफारमेन्स सिक्योरिटी ऑनलाइन इण्टरनेट बैंकिग/आर०टी०जी०एस०/एन०ई०एफ०टी०/ड्यूली प्लेज्ड एफ०डी०आर०/बैंक गारण्टी के माध्यम से स्वीकार की जायेगी। 4. कार्य पूर्ण होने के 06 माह की डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड के उपरान्त कार्य संतोषजनक पाये जाने पर ही जमानत धनराशि अवमुक्त किया जायेगा। 5. 15 प्रतिशत से अधिक की न्यून दर की निविदाओं में अतिरिक्त परफारमेन्स सिक्योरिटी डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड पूर्ण होने के उपरान्त ही अवमुक्त की जायेगी। 6. किसी कार्य में एक से अधिक निविदादाताओं की एक समान दर पर सर्वन्यून निविदा प्राप्त होने पर इन निविदादाताओं के मध्य लाटरी के माध्यम से सफल निविदादाता का चयन किया जायेगा। 7. 15 प्रतिशत से अधिक न्यून निविदाओं की स्वीकृति के पूर्व सम्बन्धित निविदादाता द्वारा शपथ–पत्र पर गुणवत्तापरक कार्य करने हेतु अपनी कार्ययोजना/बारचार्ट निविदा समिति के समक्ष प्रस्तुत करना होगा एवं निविदा समिति द्वारा गुण दोष के आधार पर निविदा की स्वीकृति/अस्वीकृति पर निर्णय लिया जायेगा। 8. उपरोक्त शर्तों के उल्लघंन की स्थिति में नगर आयुक्त को यह अधिकार होगा कि उक्त कार्य को निरस्त कर दें तथा जनहित में निर्णय ले।
9. किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

अधीक्षक उद्यान
नगर निगम, लखनऊ

हर घर तिरंगा अभियान के तहत गूंजा राष्ट्रभक्ति का स्वर

सोनभद्र। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आज पीएम श्री राजकीय बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज, रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र में राष्ट्रभक्ति एवं देशप्रेम से ओत-प्रोत वातावरण में राष्ट्रीय गीत ह्यवंदे मातरम् का सामूहिक गायन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी चर्चित गौड़, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ह्यहर घर तिरंगाह्ण अभियान केवल तिरंगा फहराने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान, गौरव और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने सभी छात्राओं से अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा अपने अभिभावकों एवं आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया ।कहा कि प्रत्येक छात्र-छात्रा देशभक्ति की भावना को अपने परिवार एवं समाज तक पहुंचाए, ताकि जनपद के अधिक से अधिक घरों पर तिरंगा शान से लहराए और पूरा सोनभद्र राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग जाए। उन्होंने तिरंगा फहराते समय ध्वज की गरिमा एवं निर्धारित नियमों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगे का सम्मान सर्वोपरि है, इसलिए उपयोग के बाद उसे इधर-उधर न फेंका जाए तथा सम्मानपूर्वक सुरक्षित स्थान पर रखा जाए। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा किए गए वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से गूंज उठा।

वन अधिकार के पट्टों व विभागों के प्रस्तावों की भी हुई समीक्षा

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट के कक्ष में वन विभाग से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण के संबंध में संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन विभाग, विद्युत विभाग, जल जीवन मिशन, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने वन विभाग से संबंधित विभिन्न प्रकरणों की विभागवार एवं बिंदुवार समीक्षा करते हुए कहा कि वन विभाग से संबंधित प्रकरणों के कारण जनपद में संचालित विकास एवं जनकल्याणकारी कार्य किसी भी स्थिति में अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहने चाहिए।

उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए प्रकरणों का समयबद्ध एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बीएसएनएल के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि वन विभाग से संबंधित प्रकरणों का निस्तारण न होने के कारण जनपद के तीन जोराकाहू, कोटा, म्योरपुर ब्लॉक के बिच्छी गांव में बीएसएनएल टावरों की स्थापना का कार्य प्रभावित हो रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित प्रकरणों का परीक्षण करते हुए शीघ्र ही निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि टावर स्थापना की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जा सके और संबंधित क्षेत्रों में दूरसंचार नेटवर्क को और बेहतर बनाया जा सके।

विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता द्वारा विद्युत आपूर्ति हेतु विद्युत पोल लगाए जाने तथा प्राथमिक विद्यालयों तक विद्युत लाइन पहुंचाने में वन विभाग से संबंधित आपत्तियों एवं समस्याओं के संबंध में जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित वन विभाग एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालयों के विद्युतीकरण से जुड़े प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक समन्वय स्थापित किया जाए तथा विद्युत लाइन एवं पोल स्थापना में आ रही बाधाओं का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए ऐसे कार्य अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहने चाहिए।

समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की मासिक बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

- 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं ने बनायी रणनीति, नये पदाधिकारियों की घोषणा

आजमगढ़। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की मासिक बैठक रविवार को पार्टी कार्यालय में जिला अध्यक्ष हकीम बेग की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के साथ-साथ आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लक्ष्य को लेकर कार्यकताओं से एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष हकीम बेग ने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियों और विचारधारा से मजबूती से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को और मजबूत बनाने तथा गांव-गांव जाकर पार्टी की नीतियों को आम जनता तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से कार्यकर्ता पूरी सक्रियता के साथ जुट जाएं। वहीं, अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव मेराज अहमद ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कार्यकताओं से आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए संगठन की गतिविधियों को तेज करने का आह्वान किया। बैठक के दौरान संगठन को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से कई कार्यकताओं को नई जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। नियाज अहमद और गुड्डू को नगर अध्यक्ष, अफान अबरार कुरैशी को दीदारगंज विधानसभा अध्यक्ष तथा शकील अहमद को जिला कमेटी में सचिव नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों का कार्यकताओं ने स्वागत करते हुए संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। बैठक में जिला महासचिव अख्तर इम्तियाज खान, सोनी, मिर्जा सलीम बेग, मोहम्मद साकिब, जावेद डंपी, नियाज अहमद, गुड्डू, मुनव्वर, डॉ. शकील, खालिद जफर, मोहम्मद मुराद, अफान अबरार, इसरार अहमद, इरशाद अहमद, अशफाक सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्कूल के पास लगा कचरे का अम्बार

जिला संवाददाता(vol)

जौनपुर। जहां एक तरफ सरकार के द्वारा चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान को नगर पंचायत कजगांव मुँह चिढ़ा रहा है ।

नगर पंचायत कार्यालय के ठीक बगल में स्थित प्राथमिक विद्यालय के अगल-बगल कचरे का अम्बार लगा हुआ है जिसके चलते आस-पास पूरी तरह से नरकीय बना हुआ है जहां एक तरफ उक्त नगर पंचायत में साफ-सफाई करने के लिए दर्जनों से अधिक सफाई कर्मचारियों को नियुक्ति कि गयी है वहीं दूसरी तरफ सफाई कर्मी के द्वारा साफ-सफाई के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति की जा रही है। ऐसी स्थिति में देखा जाए तो सरकार के द्वारा चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान उक्त नगर पंचायत में पूरी तरह से वहाँ विफल देखने को मिल रहा है। देश के भविष्य कहे जाने वाले नौनिहाल जब विद्यालय पढ़ने आते हैं तो अगल-बगल लगी गन्दगी से विद्यालय के बच्चे भी परेशान रहते हैं। सफाई न होने के कारण लोग मच्छरों के प्रकोप से परेशान है तथा लोगों को डेंगू, मलेरिया आदि तमाम घातक बीमारियां होने का डर बना रहता है। प्राथमिक विद्यालय में कार्यरतप्रधानाध्यापक अमर बहादुर यादव ने बताया कि इस प्रकार की समस्या के बारे में नगर पंचायत अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी एवं कर्मचारियों को अवगत कराने की बावजूद भी साफ-सफाई नहीं कराया जा रहा ।

क्रॉस कंट्री रेस में दिखेगा खिलाड़ियों का दम

जौनपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर खेल विभाग की ओर से जिले में क्रॉस कंट्री रेस का आयोजन किया जाएगा। जिला खेल कार्यालय के तत्वावधान में 15 अगस्त को इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिद्दीकपुर में पुरुष एवं महिला वर्ग की क्रॉस कंट्री रेस आयोजित होगी। प्रतियोगिता का शुभारंभ सुबह 7 बजे से होगा। खेल अधिकारी के अनुसार, पुरुष वर्ग के लिए 5 किलोमीटर तथा महिला वर्ग के लिए 3 किलोमीटर की क्रॉस कंट्री रेस निर्धारित की गई है। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के इच्छुक खिलाड़ी 14 अगस्त तक स्टेडियम में पूर्व चैम्पियन एथलीट कृष्ण कुमार यादव से संपर्क कर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। दूर-दराज क्षेत्रों से आने वाले खिलाड़ी 15 अगस्त को सुबह 6 बजे स्टेडियम पहुंचकर अपना नाम और पता दर्ज कराते हुए मौके पर पंजीकरण करा सकेंगे।

स्कूल में जल-जमाव से बच्चों को परेशानी

शाहगंज, सोनभद्र। सरकार ने शिक्षा को और बेहतर बनाने तथा विद्यालय भवन को सुसज्जित और सुदृढ़ करने के लिए भारी भरकम धनराशि खर्च कर रही है ताकि बच्चों को किसी तरह की परेशानी ना हो ।लेकिन आज भी ऐसे तमाम विद्यालय हैं जहां अव्यवस्था है। बच्चों को जल-जमाव और गंदगी के बीच में शिक्षा ग्रहण करना पड़ रहा है ।जिसका जीता-जागता उदाहरण घोरावल विकास खंड के खजूरी खुर्द गांव में संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय है। बताया जाता है कि उक्त विद्यालय में चहारदीवारी का निर्माण हो चुका है, किंतु सड़क के किनारे स्थित होने के कारण विद्यालय प्रांगण में अक्सर जल-जमाव की स्थिति रहती है। गंदगी से भी यह परिसर पटा रहता है। छात्र-छात्राएं जल-जमाव और उगे हुए घास फूस के बीच गंदगी भरे माहौल में पढ़ने को विवस हैं ।इससे इनमें संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है। ऐसी दशा में लोगों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बरसात के मौसम में छात्र-छात्राओं को स्कूल भेजना बीमारियों को आमंत्रण देना है।

चुनौतियों से न घबरायें , साहस से करें सामना: कर्नल

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान द्वारा सोमवार को आर्यभट्ट सभागार में छात्र-छात्राओं के लिए ह्यचुनौतियों से कैसे लड़ा जाएह्ण विषय पर प्रेरणादायी मोटिवेशनल टॉक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कीर्ति चक्र से सम्मानित लेफ्टिनेंट कर्नल पुष्पेंद्र सिंह रहे।

मुख्य वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल पुष्पेंद्र सिंह, कीर्ति चक्र ने कहा कि जीवन में चुनौतियां प्रत्येक व्यक्ति के सामने आती हैं, लेकिन सफलता उन्हीं को मिलती है जो कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, अनुशासन और आत्मविश्वास बनाए रखते हैं। उन्होंने अपने सैन्य जीवन के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे कठिनाइयों से घबराएं नहीं और अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहें। उन्होंने विद्यार्थियों को नेतृत्व की भावना विकसित करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि नेतृत्व केवल आदेश देने का नाम नहीं है, बल्कि कठिन समय में स्वयं आगे बढ़कर उदाहरण प्रस्तुत करने का नाम है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हुए राष्ट्र और समाज के प्रति अपने दायित्वों का भी निर्वहन करना चाहिए ।कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल पुष्पेंद्र सिंह, कीर्ति चक्र का जीवन युवा पीढ़ी के लिए साहस, कर्तव्यनिष्ठा, राष्ट्रभक्ति और अनुशासन की प्रेरणादायी पाठशाला है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करने का साहस, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करनी चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्य वक्ता के सैन्य अनुभव और जीवन-संघर्ष विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में मार्गदर्शक सिद्ध होंगे। विश्वविद्यालय की ओर से मुख्य वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल को अभिनंदन-पत्र, स्मृति-चिह्न एवं अंगवस्त्रम्‍ भेंट कर सम्मानित किया गया। संचालन डॉ. अनुराग मिश्र ने किया।

जल-जंगल, जमीन आदिवासी समाज का अभिन्न हिस्सा है : बालकुमार पटेल

जिला संवाददाता

मीरजापुर। छानबे विधानसभा क्षेत्र के दुबार चौंकी अंतर्गत ग्राम पंचायत पतार कलां में विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी कोल समाज के कद्दावर नेता राज नारायण उर्फ निराला कोल के नेतृत्व में भव्य रूप में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मिजार्पुर सांसद बाल कुमार पटेल रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अंबेडकर और विरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ आरंभ हुआ। कार्यक्रम में विकास खंड लालगंज क्षेत्र के विभिन्न गांवों से हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान लोगों ने आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, भाषा और अधिकारों के संरक्षण के साथ एकजुटता का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जनपद सोनभद्र से आये हुए कलाकारों ने आदिवासी पारंपरिक वेशभूषा में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से समारोह में उत्साह का माहौल बना दिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया और अपनी परंपरा व संस्कृति के प्रति गौरव का प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व सांसद मिजार्पुर बाल कुमार पटेल ने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान उसकी समृद्धि, संस्कृति, और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव से है। जल जंगल जमीन आदिवासी समाज का अभिन्न हिस्सा है ।उन्होंने कहा कि मिजार्पुर चित्रकूट झांसी मंडल में आदिवासियों का साम्राज्य रहा है इसलिए यह भूमि सामाजिक राजनीतिक एवं संस्कार में आदिवासियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि छानबे विधानसभा क्षेत्र के प्रबल दावेदार प्रत्याशी पूर्व लोकसभा प्रभारी समाजवादी पार्टी व आदिवासी कोल समाज के कद्दावर नेता राज नारायण उर्फ निराला कोल ने कहा कि आदिवासी समाज का इतिहास बहुत ही पुराना है। आदिवासी समाज का इतिहास समृद्धि गौरवशाली रहा है। भारत की आजादी और विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, विशेष कर आदिवासी समाज प्राचीन काल से अपनी वीरता के लिए जाना जाता रहा है। जल जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष में आदिवासी समाज के अनेक वीरों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को आत्मनिर्भर बनाये जाने की आवश्यकता है। इसके लिए आदिवासी समाज को अपने हितैषियों की परख करने की आवश्यकता होगी तभी आदिवासियों का चतुर्दिक विकास संभव है। श्री निराला कोल ने कहा कि आदिवासी समाज को ठगने वाले लोगों से आदिवासियों को अब सावधान होने की आवश्यकता है। सेवानिवृत्त अध्यापक रामसेवक कोल ने शिक्षा को सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने और समाज में एक जुट बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन जसवंत कोल के द्वारा किया गया।

टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए एन सी सी के छात्र और छात्राओं को किया प्रशिक्षित

लालगंज, मीरजापुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज के सभागार कक्ष में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी अधीक्षक डॉ मनोज कुमार पटेल की उपस्थिति में टीबी रोग से बचाव को लेकर सोमवार को शासन के निदेर्शानुसार बापू उपरौध इण्टर कॉलेज के छात्र और छात्राओं को जन जागरूपता के लिए उन्हें आशानुरूप परिणाम हेतु प्रशिक्षित किया गया।

अधीक्षक डाक्टर मनोज सिंह द्वारा मौजूद सभी कर्मियों को अपने ग्रामीण क्षेत्र में टीबी के लक्षण बचाव और ईलाज के प्रति जागरूक करना ताकि डर और झिझक खत्म हो ज्यादा से ज्यादा कैंप लगाकर लोगों को जागरूक करने एवं लक्षण प्रभावित लोगों को सरकारी चिकित्सालयों की उपलब्ध निः शुल्क सुविधाओं का लाभ दिलाने में अग्रसर होने का सुझाव दिया गया। वहीं डॉ कैलाश कुमार बिंद द्वारा टीबी के समस्त लक्षणों से परिचित कराते हुए कहा गया कि टीबी एक गंभीर बिमारी जरुर है, लेकिन ला इलाज नहीं है । कार्यक्रम में मौजूद वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक शमीम अहमद द्वारा व्यवहारिक पक्ष को महत्व देते हुए कहा गया कि कोई भी स्वास्थ्य से पीड़ित व्यक्ति आपके पास आता है तो स्वास्थ्य केन्द्र लालगंज में भेजने का प्रयास करे इसलिए हम सभी का दायित्व बनता है कि उससे एवं अपनापन भाव से ही उसका उचित मार्गदर्शन एवं सहयोग करें जिससे कि वह रोग से हार मान कर निराश एवं शिथिल न हो सके ।साथ ही कहा कि आप लोगों के जन जागरूपता के सहयोग से ही मेरा टी बी मुक्त भारत बन सकता है और टीबी चैम्पियन बन कर अपने ब्लॉक को टीबी मुक्त बनाने में सहयोग करे साथ ही पांच टी बी चैम्पियन और पांच माई भारत के लोगों को प्रशिक्षित कर लोगो को अपने अपने क्षेत्र में लोगों को जागरूक करने की अपील की गई। उपरोक्त कार्यक्रम में अधीक्षक डॉक्टर मनोज कुमार सिंह पटेल डॉक्टर संजय सिंह डॉक्टर कैलाश डॉक्टर मनिंदर सिंह डॉक्टर एस पी सिंह डॉक्टर अशोक यादव डॉक्टर योगेश दुबे शमीम अहमद निशांत दुबे नीरज सिंह मुकेश सिंह राजेश श्रीवास्तव सिद्धार्थ उपाध्याय धीरज अनूराग अभिनव प्रतिज्ञा मिश्रा सौम्या दुबे जान्हवी रागिनी अमित कुमार आदि मौजूद रहे।

संक्षेप

वनरक्षक की संदिग्ध हालत में मौत

जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान एक वनरक्षक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। सोमवार को बनकट कछोटा के पास सड़क किनारे वनरक्षक 34 वर्षीय रवि यादव खून से लथपथ हालत में मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि रवि यादव बाइक से अपने क्षेत्र में भ्रमण के लिए निकले थे। इसी दौरान वह सड़क किनारे गंभीर हालत में मिले। उनके शरीर पर चोट और खून के निशान पाए जाने से घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रथम दृष्टया मामला सड़क हादसे से जुड़ा हो सकता है, हालांकि मौत की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हादसे समेत अन्य संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वनरक्षक की मौत की सही वजह स्पष्ट हो सकेगी।

गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

जौनपुर । थाना बदलापुर पुलिस ने गांजा तस्करी में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 1.850 किलोग्राम गांजा, एक मोटरसाइकिल और छोटा इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद किया है। पुलिस के पुलिस टीम सरोखनपुर गांव स्थित अंडरपास पुल के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सरोखनपुर निवासी मो. हारुन को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1.800 किलोग्राम गांजा तथा प्लास्टिक में रखी 20 पुड़ियों में 50 ग्राम गांजा बरामद हुआ। कुल बरामद गांजे का वजन 1.850 किलोग्राम बताया गया है। पुलिस ने मौके से हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल इलेक्ट्रॉनिक कांटा, क्विक फिक्स गम और पुराने अखबार भी बरामद किए। आरोपी के खिलाफ थाना बदलापुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ट्रक चालक ने खुद ही रची लूट की कहानी पूछताछ में खुला राज

मीरजापुर। ट्रक में लदे सामान के 1.06 लाख रुपये परिचित को देने के बाद चालक ने चार लोगों पर चाकू मारकर रकम लूटने का आरोप लगा दिया। पुलिस की जांच और पूछताछ में मामला संदिग्ध निकला। चालक ने पुलिस को बताया कि घटना को सही दिखाने के लिए उसने शीशे से दोनों हाथों पर चोट बना ली थी। रविवार रात करीब 10 बजे डायल-112 के माध्यम से थाना लालगंज पुलिस को सूचना मिली कि चार लोगों ने ट्रक चालक को चाकू मारकर 1.06 लाख रुपये लूट लिए हैं। सूचना पर क्षेत्राधिकारी लालगंज अमर बहादुर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। चालक के चोटों और उसके बताए घटनाक्रम में विरोधाभास मिलने पर पुलिस ने उससे पूछताछ की ।कड़ाई से पूछताछ में चालक ने बताया कि ट्रक में लदा सामान बिहार में उतारने के बाद मिले रुपये उसने अपने परिचित को दे दिए थे। इसके बाद लालगंज क्षेत्र में पहुंचकर उसने पुलिस को लूट की झूठी सूचना दी। पुलिस के अनुसार घटना को वास्तविक दिखाने के लिए उसने शीशे से दोनों हाथों पर चोट बनाई थी ।चालक की पहचान समरोज पुत्र फिरोज निवासी पूरे मुस्तफा खां, थाना मोहनगंज, जनपद प्रतापगढ़ के रूप में हुई। थाना पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। क्षेत्राधिकारी अमर बहादुर सिंह ने बताया कि चालक ने पूछताछ में रकम परिचित को देने की बात स्वीकार की है।

जनसुनवाई (संभव) दिवस का अयोजन

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम सोमवार को मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद, की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का अयोजन किया गया। तत्क्रम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 2, नगर पंचायत घोरावल में 2, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 5, नगर पंचायत ओबर में 4, नगर पंचायत रेनुकूट में 0, नगर पंचायत पिपरी में 3, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बजार में 2, नगर पंचायत अनपरा में 2, समस्त निकायों में कुल 24 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया।

गाजे-बाजे के साथ निकाली कांवर जलाभिषेक यात्रा

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। ड्रमंडगंज कांवरिया संघ की ओर से सोमवार को गाजे बाजे के साथ कांवड़ यात्रा निकाली गई। ड्रमंडगंज बाजार के दुर्गा मंदिर स्थित सेवटी नदी से कलश में जल भरने के बाद हर हर महादेव, बोल बम का जयकारे के साथ कोटार नाथ में जल चढ़ाना है का उद्घोष करते हुए कांवरियों का जत्था कोटारनाथ के लिए रवाना हुआ। कांवड़ यात्रा में शिव और पार्वती का रूप धारण करके युवक और युवती आकर्षण का केंद्र बने रहे। इसके बाद कांवरियों ने कोटार नाथ का जलाभिषेक कर दर्शन पुजन किया। ड्रमंडगंज कांवरिया संघ की ओर से आयोजित भंडारे में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। कावंड़ यात्रा में धर्मेंद केशरी, शिवम केशरी, लवकुश केसरी, विकास विश्वकर्मा, प्रियांशु विंद आदि शामिल रहे। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था में उपनिरीक्षक रमेश यादव, पुनीत गुप्ता, हेड कांस्टेबल विजेन्द्र राय संतोष यादव पुलिस कर्मियों संग मुस्तैद रहे।

वेतन भुगतान की मांग को लेकर सीएमओ से मिले आउटसोर्सिंग कर्मी

आजमगढ़। स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्सिंग के जरिए तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पिछले कई महीनों से वेतन नहीं मिलने का मामला सामने आया है। कर्मचारियों के अनुसार जनवरी 2026 से उनका वेतन लंबित है। करीब छह माह से भुगतान नहीं होने के कारण कर्मचारियों के सामने आर्थिक परेशानियां बढ़ गई हैं। वेतन भुगतान की मांग को लेकर कर्मचारियों ने मुख्य चिकित्साधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपा है। इसमें उन्होंने बताया कि वे स्वास्थ्य विभाग में नियमित रूप से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद जनवरी से अब तक उन्हें मेहनताना नहीं मिल सका है। कर्मचारियों का कहना है कि वे अल्पवेतनभोगी हैं और उनकी आजीविका मुख्य रूप से इसी वेतन पर निर्भर है। लंबे समय से भुगतान रुके होने के कारण घरेलू खर्च, बच्चों की जरूरतों और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रार्थना पत्र में अमन मोदी, संतोष यादव समेत अन्य कर्मचारियों के नाम शामिल हैं। कर्मचारियों ने सीएमओ से मामले को गंभीरता से लेते हुए बकाया वेतन के भुगतान की प्रक्रिया जल्द शुरू कराने की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि वे लगातार विभागीय कार्यों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, ऐसे में लंबे समय तक वेतन लंबित रहना उनके लिए बेहद कठिन स्थिति पैदा कर रहा है। अब उन्हें उम्मीद है कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से जल्द कार्रवाई कर बकाया भुगतान कराया जाएगा।

विद्यालय में मनायी संस्थापक की पुण्यतिथि

जौनपुर। जफराबाद क्षेत्र में स्थित श्री केपी पाण्डेय इण्टर कालेज के संस्थापक कमलापति पांडेय की 27वीं पुण्यतिथि प्रबंधक संजीव पांडेय की अध्यक्षता में विद्यालय में परिवार ने मनायी। विद्यालय परिवार ने संस्थापक जी की प्रतिमा पर

पुष्पार्चन कर श्रद्धांजलि दिया। प्रबन्धक ने कहा कि संस्थापक सरल, सहज, सादगी पूर्ण जीवन जीने में विश्वास करते थे। वह कभी किसी से भेदभाव की भावना नहीं रखते थे। समरसता पूर्ण उनका जीवन सादगी से युक्त था। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन संघर्षो के साथ व्यतीत किया परन्तु सारे झंझावातों को सहकर भी कठिन परिश्रम से आज विद्यालय रूपी वट वृक्ष जो हमारे सामने हैं, इसकी छांव में ज्ञान प्राप्त करके क्षेत्र के बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। उनके आदर्शो पर चलकर विद्यालय का विकास करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि उनके द्वारा दिखाये गये रास्ते पर चलना ही हम लोगों का कर्तव्य है। प्रधानाचार्य जितेंद्र नीलम, अध्यापक मंगलेश पाण्डेय, रितेश दुबे, सनाउल्लाह, यशवंत कुमार, नितिन सिंह, इंद्र प्रकाश मिश्रा, शुभम दुबे, उमाशंकर, ज्ञान कुंवर मिश्रा, सरिता मौर्या, फरहीन अंसारी, विजयलक्ष्मी, सपना, कर्मचारी चन्द्र प्रकाश तिवारी, विनय कुमार, अरुण पाण्डेय, कोमल शर्मा, राजेन्द्र यादव, विनय कुमार सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

पीस पार्टी ने दलित मुस्लिम समुदाय को अनुसूचित जाति का दर्जा देने की मांग की

आजमगढ़। पीस पार्टी के जिलाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद आसिफ खान के नेतृत्व में सोमवार को पार्टी कार्यकताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के जरिए संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 के पैरा-3 में संशोधन कर धर्म आधारित प्रतिबंध समाप्त करने और दलित मुस्लिम समुदाय को अनुसूचित जाति का दर्जा दिए जाने की मांग की गई। पीस पार्टी के जिलाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद आसिफ खान ने कहा कि सामाजिक न्याय और संविधान में निहित समानता के सिद्धांत के तहत दलित मुस्लिम समुदाय को भी अनुसूचित जाति का दर्जा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 के तहत अनुसूचित जाति का दर्जा धर्म के आधार पर सीमित किया गया, जबकि बाद में समान सामाजिक पृष्ठभूमि वाले सिख और बौद्ध समुदायों को इसके दायरे में शामिल किया गया। जिला कोषाध्यक्ष सुफियान अहमद ने कहा कि वर्ष 2006 की सच्चर समिति और वर्ष 2007 के न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्र आयोग ने मुस्लिम समाज के सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की स्थिति पर चिंता जताई थी। उन्होंने बताया कि दोनों स्तरों पर दलित मुसलमानों और दलित ईसाइयों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने की अनुशंसा की गई थी, लेकिन इस दिशा में अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो सकी है। जिला महासचिव मनोज राव ने कहा कि धर्म के आधार पर किसी वंचित समुदाय को संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखना सामाजिक न्याय की भावना के अनुरूप नहीं है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि पात्र दलित मुस्लिम समुदाय को अनुसूचित जाति का दर्जा देकर उन्हें संविधान प्रदत्त अधिकार एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। ज्ञापन सौंपने के दौरान शम्सीर अंसारी, शादिक अमीन, रमेश राजभर, मजहर संजरी, गुलाब हैदर रब्बानी, सेराज जमाली, सराज अनवर, वशैफ, मो. मुकर्रम, फैजुर्रहमान, मो. गुलसैफ, मो. जमाल और नैमुर्रहमान सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहेहै।

महिला सिपाहियों ने 16 पदक जीते

जौनपुर। पुलिस विभाग की खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर पदक जीतने वाली जौनपुर पुलिस की 16 पदक प्राप्त करने वाली दो महिला पुलिसकर्मियों को सोमवार को सम्मानित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव

ने पुलिस कार्यालय में थाना जलालपुर पर नियुक्त महिला मुख्य आरक्षी कनक शर्मा और महिला मुख्य आरक्षी स्मिता को मेडल पहनाकर सम्मानित किया । महिला मुख्य आरक्षी कनक शर्मा ने पुलिस विभाग की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 12 पदक हासिल किए हैं। इनमें तीन स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं महिला मुख्य आरक्षी स्मिता ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए चार पदक अपने नाम किए हैं, जिनमें दो स्वर्ण और दो रजत पदक शामिल हैं। वाराणसी जोन में 10 से 12 जुलाई तक आयोजित 43वीं अंतर्जोनल पुलिस बैडमिंटनध्टेबल टेनिस प्रतियोगिता में कनक शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच पदक जीते। इनमें तीन स्वर्ण और दो रजत पदक शामिल रहे।

संक्षेप

वृंदावन की सफाई व्यवस्था को तकनीक से बनाया जायेगा प्रभावी

मथुरा। मथुरा-वृंदावन नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन, वृन्दावन में वृन्दावन जोन के सभी पार्षदों के साथ बैठक की। इस दौरान क्षेत्र की सफाई व्यवस्था, विकास कार्यों और स्थानीय जनसमस्याओं को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। नगर आयुक्त ने पार्षदों से वार्डवार जरूरतों और जनहित से जुड़े मुद्दों पर सुझाव भी लिए।

बैठक में नगर आयुक्त ने कहा कि नगर निगम की ओर से कराए जाने वाले विकास कार्य केवल तात्कालिक जरूरतों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका स्वरूप स्थायी और दीर्घकालीन होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से ऐसे कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही, जिनका लाभ स्थानीय नागरिकों को लंबे समय तक मिल सके। वृन्दावन की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर आयुक्त ने तकनीक के अधिकतम इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकी माध्यमों से सफाई व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाई जाएगी।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजे शिवालय

फिरोजाबाद। सावन माह के दूसरे सोमवार को पूरा जनपद शिवभक्ति में डूबा नजर आया। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक सुबह से ही शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। गंगाजल लेकर पहुंचे कांवड़ियों ने भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंजते रहे।

जनपद के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भक्तों ने भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर पूजा-अर्चना की। मंदिरों में दिनभर भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों का सिलसिला चलता रहा। कांवड़ियों की सेवा के लिए जगह-जगह सामाजिक संगठनों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा शिविर लगाए गए, जहां पेयजल, फल, प्रसाद और चिकित्सा सहायता की व्यवस्था की गई।

कांवड़ मार्गों पर प्रशासन रहा पूरी तरह अलर्ट

सावन सोमवार और कांवड़ यात्रा के मद्देनजर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। संवेदनशील मार्गों और प्रमुख शिव मंदिरों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए, जिससे कांवड़ियों और श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

डीएम-एसएसपी ने कांवड़ मार्गों का किया स्थलीय निरीक्षण

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने लगातार जनपद के कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने कांवड़ मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई तथा कांवड़ियों के सुगम आवागमन के लिए किए गए इंतजामों को देखा। निरीक्षण के दौरान मार्गों पर तैनात पुलिस बल एवं संबंधित अधिकारियों को कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस एवं प्रशासन की चाक-चौबंद व्यवस्था के चलते जनपद में कांवड़ यात्रा और सावन के दूसरे सोमवार का पर्व शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न हुआ। दिनभर शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच शहरी और ग्रामीण अंचल पूरी तरह शिवभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

15 अगस्त की तैयारियों को लेकर बनायी रणनीति

मथुरा। मथुरा-वृंदावन महानगर कांग्रेस कमेटी की बैठक महानगर कांग्रेस कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष पं. यतेंद्र मुकद्दम ने की। इस दौरान 15 अगस्त को होने वाले स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। महानगर अध्यक्ष पं. यतेंद्र मुकद्दम ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के दिन सुबह 6 बजे होली गेट से भव्य प्रभात फेरी निकाली जाएगी। प्रभात फेरी भक्ति वेदांत, मंडी चैक बाजार और विश्राम घाट होते हुए वापस होली गेट पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि इसमें कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होकर देशभक्ति का संदेश देंगे। प्रभात फेरी के समापन के बाद महानगर कांग्रेस कार्यालय पर राष्ट्रध्वज फहराया जाएगा। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यालय में ध्वजारोहण की परंपरा करीब छह दशकों से चली आ रही है। ध्वजारोहण के परंपरागत रूप से कचैड़ी-जलेबी के नाश्ते का आयोजन भी किया जाएगा।

राज्य मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने किया एक दिवसीय माटीकला जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ

फिरोजाबाद। उ0प्र0 खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अंतर्गत माटीकला बोर्ड द्वारा सोमवार को माटीकला बोर्ड स्थापना के उपलक्ष्य में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम एवं माटीकला बोर्ड स्थापना पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया, कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि धर्मवीर प्रजापति होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा विभाग राज्यमंत्री एवं उदयप्रताप सिंह जिला अध्यक्ष भाजपा के कर कमलों से किया गया, जिसमें अनेक ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, फिरोजाबाद कार्यालय के समस्त स्टाफ, सहकारी समिति सदस्य उपस्थित रहे, राज्य मंत्री द्वारा माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में बताया गया साथ ही माटीकला पंजीकृत 20 कारीगरों को प्रमाण पत्र वितरण किए गए, सभा को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री ने सभी माटीकला के कुंभकार/कुम्हार/प्रजापति समाज के लोगों को मिट्टी के काम की आगे बढ़ाने अपने रोजगार को ओर बढ़ावा देने के लिए समझाया कार्यक्रम में सभी जनमानस को माटीकला बोर्ड द्वारा चल रही योजनाओं का लाभ लेने के लिए अपने जिले में स्थित जिला ग्रामोद्योग कार्यालय फिरोजाबाद जिला उद्योग केन्द्र से संपर्क करने के लिए कहा साथ ही एक सहकारी समिति के बारे में बताया जिसके लिये माटीकला बोर्ड द्वारा योजना के अंतर्गत 10 लाख अनुदान हेतु दिए जाता है, सभी कारीगरों को अपने उत्पाद को अपने जिले के अलावा दूसरे जिले में भी उत्पाद को बेचने तथा प्रचार करने के लिए बताया। उ0प्र0 खादी ग्रामोद्योग बोर्ड में संचालित योजनाओं एवं माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं के प्रचार प्रसार करने के लिए जो ब्लॉक, पंचायतों, एवं तहसील स्तर पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे है उनकी सराहना की।

साध्वी ऋतंभरा के सरहद पर राखी अभियान के 25 वर्ष पूर्ण

मथुरा। जिले में देश की सीमाओं पर तैनात वीर सैनिकों के सम्मान में साध्वी ऋतंभरा दीदी जी द्वारा पिछले 25 वर्षों से लगातार चलाए जा रहे 'सरहद पर राखी भेजो' अभियान का वार्षिक कार्यक्रम रविवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला महामंत्री आकाश चैधरी उपस्थित रहे। उन्होंने भूतेश्वर महादेव मंदिर परिसर में झंडा फहराकर और हरी झंडी दिखाकर इस भव्य रैली को रवाना किया।

रैली में नगर के विभिन्न स्कूल-कॉलेजों की हजारों छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हाथों में तिरंगा और सिर पर केसरिया पट्टी बांधे छात्राओं की टोली ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के गगनभेदी नारों के साथ भूतेश्वर से गोवर्धन चैराहे तक मार्च किया। इस दौरान पूरे मार्ग में देशभक्ति का अभूतपूर्व और उत्साहजनक माहौल देखने को मिला। आयोजकों ने बताया कि इस देशव्यापी अभियान के तहत देश के कोने-कोने से एकत्रित की गई पवित्र राखियां सीमा पर तैनात भारतीय सेना के जवानों को भेजी जाएंगी, ताकि त्योहार के पावन अवसर पर वे घर-परिवार से दूर होने पर भी अपनों के स्नेह और पर्व के अहसास से जुड़े रहें इस अवसर पर साध्वी ऋतंभरा संस्थान के पदाधिकारी, मातृशक्ति और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व गणमान्य लोग मौजूद रहे, जिन्होंने छात्राओं के इस जज्बे और देशभक्ति की भावना की भरपूर सराहना की।

15 अगस्त पर आयोजित 05 कि0मी0 ओपन पुरुष / महिला दौड़ का आयोजन

मथुरा। उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने अवगत कराया है कि 15 अगस्त 2026 (स्वतन्त्रता दिवस) के सुअवसर पर खेल विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा राइफल क्लब के मुख्य द्वार से 5 किमी ओपन पुरुष एवं महिला क्रासकन्ट्री दौड़ का आयोजन प्रातः 9 बजे से प्रारम्भ होगी। यह दौड़ रायफल क्लब (जिलाधिकारी निवास) के पास से प्रारम्भ होकर पैट्रोल पम्प चैराहे से पंचायत भवन, जिला कारागार होते हुए, ब्लॉक ऑफिस डेरी फार्म होकर, ऑफीसर्स कालौनी होती हुई रायफल क्लब पर ही आकर समाप्त होगी। भाग लेने के लिए प्रवेश निःशुल्क है। किन्तु भाग लेने वाले खिलाड़ियों को रेस शुरू होने से पूर्व अपना चैस्ट नम्बर राइफल से प्राप्त करना होगा। उक्त (पुरुष/महिला) ओपन दौड़ में प्रथम छः विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार किये जायेगें।

स्थायी लोक अदालत के सदस्यों के लिए साक्षात्कार 14 अगस्त को

मथुरा। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा के निर्देशानुसार स्थायी लोक अदालत, मथुरा में सदस्य के दो पदों पर नियुक्ति हेतु पूर्व में आमंत्रित आवेदन पत्रों के क्रम में पात्र अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 14 अगस्त, 2026 को प्रातः 09:30 बजे से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद न्यायालय, मथुरा के कार्यालय में आयोजित किया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा की सचिव श्रीमती अनिता सिंह द्वारा संबंधित अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि एवं समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। अभ्यर्थियों को अपने साथ मूल शैक्षिक, कार्य अनुभव एवं अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्र तथा उनकी छायाप्रतियां और वैध फोटो पहचान-पत्र साथ लाना होगा। निर्धारित समय पर उपस्थित न होने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार का पृथक अवसर दिया जाना संभव नहीं होगा।

चिंताहरण महादेव मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

जिला संवाददाता

मथुरा। सावन के दूसरे सोमवार को महावन स्थित यमुना किनारे प्राचीन चिंताहरण महादेव मंदिर में भगवान शिव के जलाभिषेक और दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए थे। चार स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई थी, वहीं पीने के पानी के लिए पानी के टैंकर लगाए गए थे। मंदिर में प्रवेश और निकास के लिए बैरिकेडिंग की गई थी, जिससे भीड़ को नियंत्रित करने में आसानी हुई। श्रद्धालु एक तरफ से प्रवेश कर जलाभिषेक कर रहे थे और दूसरी तरफ से बाहर निकल रहे थे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत दो स्थानों पर पुलिस बैरियर लगाए गए थे और बाहर से भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। कांवड़ियों के लिए अलग बैरिकेडिंग और अलग लाइन की व्यवस्था की गई थी, ताकि उन्हें जलाभिषेक के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। थाना महावन प्रभारी चेतराम शर्मा अपनी पुलिस टीम के साथ लगातार मंदिर और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण करते रहे। सीओ महावन संजीव कुमार राय और उप जिलाधिकारी महावन प्राजक्ता त्रिपाठी ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं और सभी कर्मचारी अपने-अपने निर्धारित स्थानों पर तैनात हैं। इन व्यवस्थाओं में ग्राम प्रधान धर्मवीर, ग्राम पंचायत सचिव चिंटू सहित राजस्व विभाग के कर्मचारी और अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी भी मौके पर तैनात रहे। प्रशासन का उद्देश्य था कि सावन के सोमवार पर मंदिर आने वाले किसी भी श्रद्धालु को परेशानी न हो और दर्शन एवं जलाभिषेक शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो।

हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने की अपील

फिरोजाबाद। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराते हुए अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। इस अवसर पर उन्होंने जनपद के समस्त नागरिकों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों से इस राष्ट्रीय अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने का आह्वान किया। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने संदेश देते हुए कहा यह केवल एक प्रशासनिक अभियान नहीं है, बल्कि यह हमारे देश की आन-बान-शान, मान-सम्मान और गौरव का प्रतीक है। तिरंगा हमारी राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे अपने-अपने घरों, कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराएं और राष्ट्रीय ध्वज के साथ अपनी 'तिरंगा सेल्फी' आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड करने के साथ-साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट करें। उन्होंने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य हर नागरिक के मन में देशभक्ति की भावना को और प्रगाढ़ करना तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान को बढ़ाना है। जिलाधिकारी ने जनपद फिरोजाबाद के सभी निवासियों से अपने तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर हैशटैग हर घर तिरंगा के साथ ऑनलाइन पोस्ट करने का आग्रह किया है।

युवा उद्यमी योजना में बैंकों की मनमानी पर डीएम का चाबुक

फिरोजाबाद। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा बैठक में बैंकों की सुस्त कार्यप्रणाली पर जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कड़ा रुख अपनाया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में बैंकवार प्रगति की समीक्षा के दौरान खराब प्रदर्शन करने वाले बैंकों को तीन दिन में सुधार के निर्देश दिए गए। डीएम ने साफ चेतावनी दी कि निर्धारित समय में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित शाखा प्रबंधकों के विरुद्ध प्रशासनिक एवं दंडात्मक कार्रवाई के लिए शासन को लिखा जाएगा। लीड बैंक एसबीआई की खराब प्रगति पर भी डीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि लीड बैंक होने के नाते एसबीआई को योजना में नेतृत्व करना चाहिए, लेकिन उसकी प्रगति ही असंतोषजनक है। उन्होंने लंबित ऋण आवेदनों का तत्काल निस्तारण कराने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि बिना ठोस कानूनी कारण के युवाओं के ऋण आवेदन निरस्त करना गंभीर मामला है। युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ना शासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनपद में 1,279 आवेदन बैंकों को भेजे गए, जिनमें 357 स्वीकृत, 387 वितरित और 644 आवेदन निरस्त हुए। जनपद की कुल उपलब्धि मात्र 20.37 प्रतिशत रही बैंकवार उपलब्धि में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक 32.25 प्रतिशत, एसबीआई 25 प्रतिशत, केनरा बैंक 18.15 प्रतिशत, बैंक ऑफ बड़ौदा 17.07 प्रतिशत, पंजाब नेशनल बैंक 13.28 प्रतिशत तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की उपलब्धि 10.71 प्रतिशत रही। डीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप यह योजना युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार प्रदाता बनाने की महत्वपूर्ण पहल है। तीन दिन बाद दोबारा समीक्षा होगी और सुधार न मिलने पर उच्चाधिकारियों एवं शासन को कठोर कार्रवाई के लिए पत्र भेजा जाएगा।

शिशु वाटिका के नन्हे भक्तों ने निकाली कांवड़ यात्रा, जयकारों से गूंजा तरौली

मथुरा, तरौली। सावन के पावन अवसर पर आज झ्रसेठ चंदामल सरस्वती शिशु मन्दिर तरौली, मथुरा की शिशु वाटिका की ओर से भव्य कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। नन्हे-मुन्ने भैया-बहनों की भक्ति और उत्साह ने पूरे विद्यालय परिसर को शिवमय कर दिया। कावड़ यात्रा का शुभारंभ विद्यालय की प्रबंधक राधारमन सिंह एवं प्रधानाचार्य बबीता शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। दोनों ने कावड़ यात्रियों के साथ-साथ भगवान शिव और माता पार्वती के स्वरूप में सजे नन्हे बालकों पर पुष्प वर्षा कर उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया घोष दल की मधुर धुनों पर कदम से कदम मिलाते हुए नन्हे कावड़िए ब्योल बम, हर हर महादेव के जयघोष करते हुए पूरे जोश और भक्ति भाव के साथ शिव मंदिर की ओर प्रस्थान हुए। मार्ग भर में भक्तिभाव और अनुशासन का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। शिव मंदिर पहुंचकर सभी बालकों ने विधिपूर्वक जलाभिषेक कर भगवान शिव का पूजन किया इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाने में प्रधानाचार्या के मार्गदर्शन में शिशु वाटिका की समस्त आचार्याओं का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर आचार्य हरि सिंह वर्मा आचार्या आशा सिंह, शैली, वर्षा, सुमन, डौली, रुचि सिंह, रुचिका सहित सभी आचार्याएं उपस्थित रहीं। शिशु वाटिका के इस आयोजन ने बच्चों में संस्कार, अनुशासन और सनातन परंपराओं के प्रति प्रेम का भाव जागृत किया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलनः स्वामी घाट पर हुई बैठक

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति दल एवं श्रीभगवान परशुराम शोभायात्रा समिति के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को स्वामी घाट स्थित सयमन तीर्थ स्थल पर यमुना पूजन के उपरांत श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संत समाज और विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

इस दौरान आगामी 14 सितंबर 2026 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित आंदोलन की तैयारियों और रणनीति पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने जोर दिया कि आंदोलन केवल भावनात्मक नारों तक सीमित न रहकर स्पष्ट उद्देश्यों, ठोस मांगों और लोकतांत्रिक-संवैधानिक तरीकों पर आधारित होना चाहिए। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता मुकेश कुमार शर्मा ने कहा कि केवल कारसेवा की घोषणाएं करने के बजाय सरकार से धार्मिक स्थलों से जुड़े मामलों के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कानून बनाने की पुरजोर मांग उठाई जानी चाहिए। श्री भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित राम गोपाल शर्मा ने कहा कि आंदोलन की सफलता के लिए निरंतर जनजागरण और वैधानिक व्यवस्था की मांग जरूरी है। बैठक में सर्वसम्मति से श्रीकृष्ण जन्मभूमि सहित अन्य धार्मिक स्थलों के विवादों के समाधान के लिए विशेष कानून बनाना। वक्फ अधिनियम को समाप्त करना। गौ माता को राष्ट्र माता घोषित कर सख्त गौ संरक्षण कानून लागू करना। मठ-मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करना और सनातन बोर्ड का गठन करना।

पूजास्थल से जुड़े कानून, आरक्षण व्यवस्था और एससी-एसटी कानूनों के कथित दुरुपयोग पर पुनर्विचार करना, जैसे प्रमुख मांगें रखी गईं। श्री वामन भगवान महोत्सव समिति के महामंत्री अर्जुन पंडित ने बताया कि सर्वजन सनातन पार्टी और श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति दल के बैनर तले 14 सितंबर को होने वाले इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए संपर्क अभियान चलाया जाएगा। बैठक में संत समाज, युवाओं और सनातन प्रेमियों से इस आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की गई। इस अवसर पर अखिलेश शुक्ला, श्याम बिहार दिनकर, राजेश मणि त्रिपाठी, अजय शर्मा लाला, अर्जुन पंडित, लब्बू पंडित, श्याम शर्मा, केके शर्मा, ललित स्वामी, कुलदीप शर्मा और आचार्य पंत शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एमवीडीए का बुलडोजर एक्शन

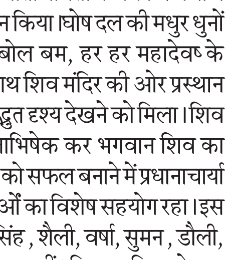

मथुरा। मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण ने अवैध कॉलोनियों और अनाधिकृत निर्माणों के खिलाफ अपने अभियान को और तेज कर दिया है। बिना स्वीकृत नक्शे और लेआउट के कॉलोनियां विकसित कर लोगों को प्लॉट बेचने वाले कॉलोनाइजरों पर प्राधिकरण का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। प्राधिकरण ने 24 अनाधिकृत कॉलोनियों (क्षेत्रफल करीब 33.04 हेक्टेयर, लागत लगभग 164.20 करोड़ रुपये) के खिलाफ कार्रवाई की थी। इस साल कार्रवाई ने और तेजी पकड़ी है और महज सात महीनों में 39 अनाधिकृत कॉलोनियों (क्षेत्रफल करीब 41.99 हेक्टेयर, लागत लगभग 209.95 करोड़ रुपये) पर बुलडोजर चलाया गया। पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2026 में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई में 62.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एमवीडीए उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अवैध निर्माण और कॉलोनियों पर शुरुआती स्तर पर ही रोक लगाई जाए ताकि मामलों को लंबित न रखना पड़े। प्राधिकरण ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी जीवनभर की गाढ़ी कमाई को सुरक्षित रखने के लिए प्लॉट या जमीन खरीदने से पहले कॉलोनी की वैधता और एमवीडीए से स्वीकृत नक्शे की जांच अवश्य कर लें।

जिले में आज से खिलाई गई कृमि मुक्ति दवा

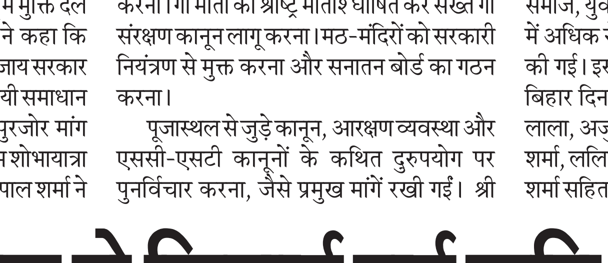

मथुरा। जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राधा बल्लभ के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के अन्तर्गत सोमवार 10 अगस्त को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान शुरू हो गया। अभियान का शुभारंभ उच्च प्राथमिक विद्यालय महावन विकासखंड-बलदेव, जनपद- मथुरा में मुख्य चिकित्सा अधिकारी की उपस्थित बच्चों को एलबेंडाजोल की गोली खिलाकर किया गया। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित निजी एवं सरकारी विद्यालयों और आंगनवाड़ी केन्द्रों पर बच्चों को अल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गई। जो बच्चे किसी कारण वश दवा खाने से छूट जाएंगे उन्हें 14 अगस्त को मॉप-अप राउंड के दौरान दवा खिलाई जाएगी। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि एक से 19 वर्ष तक के बच्चों व किशोर-किशोरियों में कृमि संक्रमण होने की आशंका रहती है। कृमि संक्रमण के कारण कुपोषण भी हो जाता है। पेट के कीड़े संक्रमित व्यक्ति के शरीर से पोषण लेते है, इसके कारण अच्छा पौष्टिक भोजन लेने के बाद भी बच्चा कुपोषित रहता है। इसलिए, सभी जनपदवासियों से अपील है कि वह अपने एक से 19 वर्ष तक के बच्चों व किशोर-किशोरियों को 10 अगस्त को चलने वाले राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान के दौरान अल्बेंडाजोल की दवा जरूर खिलाएं। कृमि मुक्ति अभियान बच्चों को स्वस्थ रखने की दिशा में एक कदम है। अभियान को सफल बनाने के लिए सभी का सहयोग महत्वपूर्ण है। जिला सामुदायिक प्रक्रिया समन्वयक डॉ. पारुल शर्मा ने बताया कि इस अभियान को आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और स्कूलों के सहयोग से चलाया जायेगा। 01 से 05 वर्ष तक के सभी पंजीकृत बच्चों को, 6 से 19 वर्ष तक के स्कूल न जाने वाले बच्चों, ईट भट्टों पर कार्य करने वाले और घुमन्तू लाभार्थियों को आंगनवाड़ी केन्द्रों पर आंगनवाड़ी कार्यकत्ता के माध्यम से दवा खिलाई जाएगी। इसके अलावा सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों, मदरसों में शिक्षकों के माध्यम से और किशोर जुबेनाइल होम में प्रभारी अधीक्षक के माध्यम से 06 से 19 वर्ष तक के बच्चों को दवा खिलाई जाएगी।

डा. अनुज चैधरी उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अभियान के बाद 14 अगस्त को जनपद में मॉप अप राउंड चलाया जाएगा। इसमें स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों पर कृमि मुक्ति दिवस के दिन जो लाभार्थी बच्चे अनुपस्थित रहने या किन्हीं अन्य कारणों से दवा खाने से वंचित रह जायेंगे। उनकी सूची तैयार कर मॉप अप राउंड में दवा खिलाई जाएगी। इस अवसर पर डॉ बी एस सिसोदिया, चिकित्सा अधीक्षक बल्देव, श्री विवेक कुमार बीपीएम बल्देव आदि उपस्थित रहे।

रंगेश्वर महादेव मंदिर में हुआ महारुद्राभिषेक, श्रद्धालुओं ने लिया धर्म लाभ

मथुरा। पवित्र सावन माह के पावन अवसर पर रंगेश्वर महादेव मंदिर में भव्य महारुद्राभिषेक का आयोजन पूर्ण विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान में स्थानीय भक्तों एवं मित्र मंडली ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और देवाधिदेव महादेव का आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ मुख्य पुजारी लालूराम एवं पंडित श्याम बिहारी के आचार्यत्व में संपन्न हुआ। आचार्यों द्वारा कराए गए वैदिक मंत्रोच्चार और हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर शिवमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान रंगेश्वर महादेव का जल, दूध, दही, शहद, घी, गंगाजल एवं बेलपत्र से अभिषेक कर विश्व कल्याण और सुख-समृद्धि की कामना की इस अवसर पर मुख्य रूप से भगत मोनू बंसल, हर्षित अग्रवाल, कुश बालिया, सुशील स्टूडियो, लखन यादव, अमर सैनी, सोनू नागर, अंशुल मास्टर, अमन शुक्ला एवं समस्त मित्र मंडली उपस्थित रही। कार्यक्रम के अंत में भगवान भोलेनाथ की भव्य आरती उतारी गई और उपस्थित सभी श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया। महारुद्राभिषेक के दौरान पूरा वातावरण भक्ति भाव से सराबोर नजर आया।

निजी क्षेत्र का निवेश

निजी क्षेत्र एक लंबे समय से पूंजी निवेश को लेकर काफी उदासीन रहा। इसको लेकर सवाल भी उठे। कई कारण भी गिनाये गये जैसे कैपेसिटी यूटिलाइजेशन, निवेश में बाधाएं, लाल फीताशाही आदि। इसको लेकर अनेक सुधार लागू किये गये लेकिन निजी क्षेत्र निवेश को लेकर मुट्ठी बांधे रहे। इस कारण सरकार सार्वजनिक निवेश बढ़ाकर आर्थिक प्रगति आगे बढ़ाती रही। लेकिन हाल के वर्षों में उठाये गये कदमों, लागू किये गये सुधार, ब्याज दरों में कटौती, बेहतर औद्योगिक इकोसिस्टम विकसित होने, आधार भूत संरचना, बिजली, लैंड जैसे क्षेत्रों में उपयुक्त सुधार के बाद अब धीरे-धीरे निजी निवेश बढ़ने लगा है। निजी निवेश में सुधार इस बात की ओर इशारा करता है कि भारत की ग्रोथ स्टोरी अब लंबे समय तक ऊंची छलांग लगाती रहेगी। चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के स्थिर मूल्यों पर लगभग 7 फीसद की दर से वृद्धि हासिल करने का अनुमान है। वर्ष 2024-25 में इसमें 6.5 फीसदी की वृद्धि हुई थी। कोविड-19 महामारी के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था की एक प्रमुख थीम लगातार उच्च सरकारी पूंजीगत व्यय रही है। महामारी के बाद आर्थिक सुधार में सहयोग करने के अलावा, विचार यह भी था कि अधिक सरकारी पूंजीगत व्यय और तीव्र भौतिक अधोसंरचना निर्माण निजी निवेश को आकर्षित करेगा। निजी निवेश कई वर्षों से सुस्त रहा है, लेकिन मध्यम से दीर्घकालिक अवधि में उच्च आर्थिक वृद्धि बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है। जैसा कि इस अखबार में मंगलवार को प्रकाशित एक विश्लेषण ने दिखाया, निजी क्षेत्र के निवेश की गति में वृद्धि के शुरुआती संकेत नजर

आ रहे हैं। करीब 700 से अधिक सूचीबद्ध कंपनियों (बैंक, वित्तीय सेवा, बीमा और तेल एवं गैस कंपनियों को छोड़कर) के अध्ययन से पता चलता है कि उनकी संयुक्त अचल परिसंपत्तियों में साल-दर-साल आधार पर 13.1 फीसदी का इजाफा हुआ। यह बढ़ोतरी चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में यानी अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच हुई और बीते छह साल की सबसे तेज वृद्धि है। निजी क्षेत्र के निवेश में होने वाला इजाफा तेल और गैस क्षेत्र को शामिल करने पर और अधिक हो गया। आर्थिक समीक्षा में भी निजी निवेश में सुधार के संकेतों को रेखांकित किया गया। वृहद स्तर पर यह इस बात को रेखांकित करता है कि सकल घरेलू उत्पाद में सकल स्थिर पूंजी निर्माण का हिस्सा वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में 30.5 फीसदी के स्तर पर था जबकि महामारी के पहले इसका औसत 28.6 फीसदी था। हालांकि टिकाऊ ढंग से उच्च आर्थिक वृद्धि हासिल करने के लिए जीएफसीएफ में उल्लेखनीय बढ़ोतरी करनी होगी। निजी निवेश वर्षों से कई कारकों के चलते बाधित रहा है। वर्ष 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद के वर्षों में बैंकिंग और कॉरपोरेट बैलेंस शीट अत्यधिक निवेश और ढीले ऋण मानकों के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुईं। इस दोहरी बैलेंस शीट समस्या को हल करने में कई वर्ष लगे। अब बैंक और कॉरपोरेट दोनों की बैलेंस शीट बेहतर स्थिति में हैं। कोविड-19 महामारी ने भी कुछ वर्षों तक विश्वास को कमजोर किया और निजी निवेश को प्रभावित किया। निवेश निर्णयों को प्रभावित करने वाले अन्य बड़े कारणों में वैश्विक व्यापार मोर्चे पर अनिश्चितता और चीन में जरूरत से ज्यादा क्षमताएं शामिल थीं। हाल ही में ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और अन्य देशों के साथ हुए व्यापार समझौतों ने व्यापार मोर्चे पर कुछ हद तक निश्चितता प्रदान की है। हालांकि, चीन की अतिरिक्त क्षमता से जुड़े जोखिम बने हुए हैं। चीन वैश्विक बाजारों, जिनमें भारत भी शामिल है, में वस्तुओं की आपूर्ति करता रहेगा। यह निवेश निर्णयों पर भार डाल सकता है। क्षमता उपयोग लगभग 75 फीसदी के आसपास है, लेकिन वर्तमान वातावरण में कंपनियां बड़े पैमाने पर निवेश करने से पहले इसे और बढ़ते हुए देखना पसंद करेंगी। यद्यपि निजी निवेश में वृद्धि के प्रारंभिक संकेत दिखाई दे रहे हैं।

विचार

जिस दिन कोई संत अतिथि रूप में आता है, उस दिन आतिथेय को उसके दर्शन से उतना पुण्य मिलता है, जितना करोड़ों तीर्थ-स्थान से प्राप्त होता है।

-सूरदास.

संगठन में अपार शक्ति है। संगठित होकर ही शक्तिशाली शत्रु पर विजय पायी जा सकती है।

-गेटे.

जो अपने कर्तव्य को अच्छी तरह करने की शिक्षा पा चुके हैं। वह मनुष्य से संबंध रखने वाले सभी कामों को भली-भांति करेगा।

-रूसो.

पुस्तकों का मूल्य रत्नों से अधिक है। क्योंकि रत्न बाहरी चमक-दमक दिखाते हैं जबकि पुस्तकें अंतःकरण को उज्ज्वल करती हैं।

-महात्मा गांधी.

वह शासक अत्याचारी है जो स्वेच्छा के अतिरिक्त कोई नियम नहीं जानता।

-वाल्टेयर.

डिजिटल धोखाधड़ी पर तुरंत लगायें लगाम

संजय श्रीवास्तव

> देश के तकरीबन दस राज्यों का बजट 54 हजार करोड़ से कम है और भूटान, गुयाना, मालदीव और फिजी जैसे देश भी इससे कम बजट रखते हैं। इतनी बड़ी राशि डिजिटल फ्रॉड में गवां देना वाकई शोचनीय है। सर्वोच्च अदालत ने इसके निवारण हेतु सरकार से एक मानकीकृत संचालन प्रक्रिया देशभर में लागू करने को कहा है।

डिजिटल धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के बीच सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र सरकार को पूरे देश में एक मानकीकृत संचालन प्रक्रिया अथवा एसओपी लागू करने का निर्देश पूर्व में दिया गया है। उसने सीबीआई से डिजिटल अरेस्ट के अपराधियों को पहचानने के लिये भी कहा है और बैंकों को भी उनकी कार्य प्रणाली में खोट तथा लापरवाही ही नहीं बल्कि मिली भगत के लिये भी लताड़ा था। वाकई 54 हजार करोड़ रुपये का आंकड़ा बहुत बड़ा है। बेशक, बैंक यदि संदिग्ध लेनदेन पर ग्राहकों को सतर्क करते हैं और साइबर अपराधों की पहचान तथा जांच के लिए अंतर-एजेंसी समन्वय मजबूत रखते, तो आंकड़े शायद अलग दिखते। पर फिर भी इस पर पूरी रोक के लिये व्यापक बहुआयामी उपाय अपनाने होंगे जिसमें न सिर्फ बैंकिंग व्यवस्था सुधार, तकनीक, जन जागरूकता जैसे कारकों पर भी ध्यान देना होगा। डिजिटल युग की तेज रफ्तार ने आसान भुगतान को साइबर ठगों ने विविध तरीकों से लूट का हथियार बना लिया। वह फिशिंग ई-मेल से लिंक क्लिक करवाता है, स्मिशिंग से एसएमएस तो विशिंग फोन कॉल से ओटीपी मांगता है। स्पियर फिशिंग लक्षित व्यक्ति पर हमला करता है, तो स्किमिंग एटीएम से कार्ड डेटा चुराता है और सिम स्वैप नंबर हाईजैक करता है।

वेबसाइट स्पूफिंग बैंक साइट की नकल से, मेलवेयर डिवाइस संक्रमित करता है। जनता को स्मिशिंग-स्पियर फिशिंग से सबसे ज्यादा नुकसान होता है। क्योंकि ये रोजमर्रा के संदेश सरीखे लगते हैं। ऐसे में लगता है कि तकनीकी का जंजाल ही सबकी वजह है पर डिजिटल फ्रॉड के मामलों में सिर्फ तकनीक दोषी नहीं है अथवा महज सरकार या फिर मात्र बैंकिंग व्यवस्था बल्कि जनता की अल्पज्ञता, लोभ-लालच और भय का भी इसमें बहुत बड़ा योगदान है। जागरूकता अभियान, विद्यार्थियों के लिए साइबर सुरक्षा शिक्षाएं और आम नागरिकों को साधारण फ्रॉड के तरीकों से परिचित कराना अब अत्यंत आवश्यक है। दुर्भाग्य है कि इस खेल में बैंक भी शामिल हैं, बैंकों केवल लेनदेन का ह्लब्रोकरेज हबह्व गये जबकि उन्हें ग्राहकों की सुरक्षा के लिए सक्रिय निगरानी और अलर्ट सिस्टम लागू करना चाहिए था। यदि बैंक

संदिग्ध तौरपर किसी खाते से अचानक बड़ी रकम निकासी या अंजान स्रोतों से फंड ट्रांसफर को समय पर चिन्हित कर सूचना की प्रणाली को ईमानदारी से अपनाते तो यह मामले काफी कम होते। म्यूल अकाउंट फ्रॉड का केंद्र हैं। म्यूल खातों द्वारा भारी राशि का अंतरण और अपराधियों द्वारा पैसों की हेराफेरी कर करोड़ों रुपये विदेशों को भेज पाना बिना बैंकों की लापरवाही और उनके इस खेल में शामिल हुये बिना संभव नहीं। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक है कि बैंक बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन, डिवाइस फिंगरप्रिंटिंग उचित प्रकार से अपनाएं तथा एआई से रीयल-टाइम मॉनिटरिंग करने के अलावा एफआईयू-इंडिया को रिपोर्टिंग और अंतर-बैंक डेटा शेयरिंग बढ़ाएं तो ये उपाय 50 फीसदी तक डिजिटल फ्रॉड रोक सकते हैं। नए खातों पर लेनदेन सीमा, लाभार्थी जोड़ने पर 'कूलिंग-ऑफ' अवधि और उच्च-जोखिम श्रेणी की सतत निगरानी प्रभावी उपाय हो सकते हैं।

सामयिक

फ्रॉड की जड़ें सोशल मीडिया इंटरमीडियरीज प्लेटफॉर्मों से जुड़ती हैं, फर्जी विज्ञापन, स्पूफ वेबसाइट, डीएम या मैसेजिंग के जरिए फिशिंग और म्यूल अकाउंट में धन-स्थानांतरण के ये कारक हैं। यदि सोशल मीडिया कुछ ही घंटों में संदिग्ध अकाउंट हटाए, केवाईसी डेटा जांच एजेंसियों से साझा करे, तो नेटवर्क तोड़ा जा सकता है। साइबर अपराधी कमाई को क्रिप्टो, प्रीपेड कार्ड, या लेयरिंग के जरिए बाहर भेजते हैं। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग, एफआईयू-ईडी-सीबीआई समन्वय और वर्चुअल एसेट सर्विस प्रोवाइडर्स पर सख्त नियम अनुपालन आवश्यक है। संदिग्ध विदेशी रेमिटेंस पर अस्थायी होल्ड और लाभार्थी देशों के साथ त्वरित म्यूचुअल लीगल असिस्टेंस समझौते इसमें मददगार हो सकते हैं। हालांकि सीबीआई और राज्य साइबर सेल की क्षमता बढ़ी है, डिजिटल अरेस्ट के कई मामले सुलझाए गये हैं तो पिछले साल बैंक फ्रॉड मामलों में गिरावट आयी पर राशि 3 गुना बढ़कर 36,000 करोड़ रुपये हो गई कार्ड-इंटरनेट फ्रॉड के 13,516 मामलों में 520 करोड़ की ठगी हुई और कुल डिजिटल फ्रॉड 54,000 करोड़ के पार चला गया। जाहिर है परिमाण को देखते हुए सफलता नाकाफी थी। सीमा-पार ट्रैकिंग और त्वरित डेटा-शेयरिंग में अभी भी संसाधन व अधिकार-क्षेत्र की चुनौतियां दूर करना, साइबर अदालतें और फॉरेंसिक क्षमता बढ़ाना जरूरी है। फिलहाल अदालत को केंद्र सरकार द्वारा जारी एक एसओपी निस्संदेह समयोचित हस्तक्षेप है, पर किसी एक एसओपी के जरिये इतने बड़े और विविध स्तर पर होने वाले साइबर और डिजिटल वित्तीय अपराध को नहीं रोका जा सकता है। एसओपी के कड़ाई से पालन से कुछ मामलों को तो रोका जा सकता है, लेकिन यह पूर्ण समाधान नहीं है। आरबीआई ने इस तरह की मानकीकृत संचालन प्रक्रिया तैयार कर रखी है, अब नये सिरे से व्यापक एसओपी तैयार करना, उसे देशव्यापी स्तर पर लागू करवाना तभी प्रभावी होगा, जब इसे वित्तीय संस्थानों, बैंक अधिकारियों, टेलीकॉम पोर्टलों और साइबर पुलिस के बीच वास्तविक समय में डेटा साझा करने और त्वरित कार्रवाई की तकनीकी सक्षमता के साथ जोड़कर व्यवहारिक तौरपर कड़ाई से लागू किया जाए। एआई आधारित अलर्ट सिस्टम को निगरानी में शामिल करना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपाय है। डिजिटल साधनों के व्यापक और तीव्र विस्तार के अनुरूप डिजिटल प्राइवेसी के उल्लंघन के खिलाफ पर्याप्त कानून और सुरक्षा ढांचा विकसित नहीं हो पाया है। लाखों लोग एक ही फोन नंबर या ईमेल से कई प्लेटफॉर्म पर जुड़े हैं, जिससे फ्रॉड करने वालों को उपयोगकर्ता के प्रोफाइल तक आसानी से पहुंच मिल जाती है। आवश्यकता है कि डेटा सुरक्षा कानून को अधिक स्पष्ट, उपयोगकर्ता-केंद्रित और सख्त बनाया जाए और इसका पालन भी सुनिश्चित हो। इसके साथ-साथ डिजिटल शिक्षा, व्यापक जागरूकता, डेटा प्राइवेसी कानूनों का सख्त अनुपालन और बैंकिंग तंत्र की सक्रिय भूमिका भी अत्यावश्यक है। एसओपी आवश्यक है, पर तकनीकी ढांचे, एआई-आधारित अलर्ट, म्यूल अकाउंट पर नकेल, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, जवाबदेही और स्पष्ट मुआवजा कानून एवं त्वरित मुआवजा तंत्र के साथ जोड़े बिना यह पर्याप्त नहीं, इन सबका संयोजन ही समाधान देगा।

ऐसा न हो सका तो ठगी जारी रहेगी और बैंकिंग प्रणाली में जनता का भरोसा क्षीण होगा, डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव डगमगा जायेगी। बात डिजिटल फ्रॉड से पीडितों को मुआवजे की भी है। कोर्ट ने सरकार को पीड़ितों को पैसा लौटाने की ठोस नीति मांगी है। मुआवजे के जिम्मेदारी किसकी है? सरकार की, संबंधित बैंक की अथवा आरबीआई की? मुआवजा बैंक-सरकार का संयुक्त दायित्व लगता है पर सिद्धांततः प्राथमिक जिम्मेदारी उस बैंक या फिर भुगतान इंटरमीडियरी की होनी चाहिए जहां सुरक्षा में चूक हुई। जहां तक आरबीआई का प्रश्न है उसने डिजिटल पेमेंट बढ़ावा दिया पर कमजोर सुरक्षा के लिये वह सीधे दोषी नहीं। आरबीआई नियामक है, उसका दायित्व मौद्रिक स्थिरता और बैंकिंग निगरानी है। अगर आरबीआई मुआवजे के काम में उतरता है तो उसका यह हस्तक्षेप 'मिशन क्रीप' बनेगा, डोमेन ओवरलैप या अधिकार क्षेत्र में टकराव पैदा होगा। यदि यह धारणा बने कि हर नुकसान की भरपाई केंद्रीय बैंक करेगा, तो बैंकों और उपभोक्ताओं की सतर्कता घट सकती है।

सोशल मीडिया

पूरा देश देख रहा है कि झारखंड में छात्र शांति पूर्ण और अनुशासित संघर्ष कर रहे हैं, न गाली गलौज, न अभद्र भाषा, न अज्ञान पेमेंट से महंगा भोजन, न पिकनिक जैसा माहौल। सुधांशु त्रिवेदी.

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मंत्रिमंडल द्वारा पीएम सूर्य सरोवर योजना को प्रदान की गयी स्वीकृति विकसित भारत, आत्म निर्भर भारत के संकल्प को नयी ऊर्जा देने वाला है। सीएम योगी.

न प्रधानमंत्री मोदी और न गृहमंत्री अमित शाह में हिम्मत है कि वे संसद में आकर हमारे छात्रों पर हुई बर्बरता का पर जवाब दें, भारत के छात्रों के लिए यह एक साफ संदेश है। राहुल गांधी.

जीवन का सार तत्व

अंतर्दृष्टि

आत्मिक प्रगति के क्षेत्र में एक ही सबसे बड़ी भूल होती है कि हम अपने आप को भूल जाते हैं और पराये अपना समझने लगते हैं। ऐसी गलती कभी-कभी भूत-पलीतों के आवेश में होती है। जिस पर वह आवेश आता है वह अपने मुंह से कुछ कहता और कुछ से कुछ बताता है। ऐसी अटपटी बातें कहता है जो उस व्यक्ति के काम की तनिक भी नहीं होती। भूत के काम की भले ही हो, इसी प्रकार ज्वर की तीव्रता में जब मनुष्य बेचैन विकल हो जाता है तब भी ऐसी बातें कहता है जिसे बकवास ही कहा जा सकता है। क्रोध के आवेश में भी लोग ऐसी ही गाली गलौज देते हैं जिन्हें वज्रमूर्खता की संज्ञा दी जा सकती है। शराब पीकर उन्मादी व्यक्ति ऐसे ही वचन बोलता है और ऐसी ही कृत्य करता है। माया को भी एक प्रकार का उन्माद माना गया है। उसकी छाया जिस पर जितनी गहरी पड़ती, वह उतना ही असंगत अव्यवहारिक और अवास्तविक बन जाता है। सबसे बड़ी भुल यह होती है कि आत्मा को शरीर और शरीर का आत्मा मानने लगता है। फलस्वरूप सारा चिंतन और क्रियाकलाप गड़बड़ा जाता है। शरीर वाहन अथवा उपकरण है। आत्मा स्वामी, ईश्वर का पुत्र या प्रतिनिधि। आत्मा को कुछ महत्वपूर्ण कार्य सौंपे गये हैं और विश्वास दिलाया गया है कि इन प्रयासों को यदि ठीक तरह किया जा सके तो इसके परिणाम स्वरूप अगले दिनों उच्च स्तरीय पदोन्नति होगी। इसके अतिरिक्त शरीर ऐसा दिया गया है जैसा कि किसी और प्राणी के पास नहीं है। यह अनुकम्पा इसलिए की गयी है कि जो कार्य उच्च श्रेणी को सौंपी गये हैं उन सभी को ठीक प्रकार किया जा सके। शरीर और मस्तिष्क तथा उपलब्ध सुविधा साधन यदि इस स्तर के न मिले होते तो शायद मनुष्य इतना कुछ कर नहीं पाता जितना कि करना चाहिए। अपना अंश आत्मा को देकर भगवान ने कम अनुग्रह नहीं किया है। भूल यह हो जाती है कि शरीर की वासना और मन की तृष्णा इतनी बलवती हो उठती है कि उन्हें पूरा करने के लिए पूरा समय, श्रम, मनोयोग, खप जाता है। लगता है हम शरीर ही हैं। जो शारीरिक स्वार्थ हैं वे ही हमारे सवर्थ हैं। शरीर में भूख भौतिक आवश्यकता अन्न, वस्त्र और अच्छादन हैं। मन का प्रवाह जब ज्ञानेन्द्रियों की ओर बहने लगता है तो उनकी स्थिति भी यही होती है कि अनेक तरह के दृश्य स्वाद, स्पर्श मांगने लगती है। उनकी पूर्ति के लिए व्याकुलता होती है तो उसे वासना कहते हैं। शरीर की ही एक भाग मन की उमंगें लोभ, मोह और अहंकार के रूप में उफनती रहती हैं। यह सब मिलकर इतना जाल जंजाल खड़ा हो जाता है कि शरीर और मन की इच्छाएं पूरी करने में ही जीवन का समूचा सरतत्व खप जाता है।

फेसबुकिया देशभक्तों का सैलाब

व्यंग्यलोक

इन दिनों मैं भी प्यार का इजहार करने के इसी सेल्फियाना तरीके का प्रेमी चल रहा हूं। जब कुत्तों से प्रेम प्रदर्शित करने को मन करता है तो उनके साथ सेल्फी ले लेता हूं। जब गधों से प्रेम प्रदर्शित करने को मन करता है तो उनके साथ भी सेल्फी ले लेता हूं। जब अपनी तरह के रंगे सियारों से प्रेम प्रदर्शित करने को मन करता है तो उनके साथ सेल्फी ले लेता हूं। अब आप ही बताइए कि प्रेम के सेल्फियाना दौर में सूफीयाना प्रेम कैसे संभव होगा भला? अबके भी हर उत्सव, महोत्सव की तरह इधर आजादी का महोत्सव भी आया। उत्सव हो या महोत्सव, माफ कीजिएगा, अपने शहर में सब अब बड़ी धूमधाम, हर्षोल्लास के साथ फेसबुक पर ही मनाये जाते हैं। बाकि तो छोड़िए, अब तो मरने वाले के साथ तक हर्षोल्लास के साथ सेल्फी लेने के दिन आ गए हैं। अपनों और अपने उत्सवों के प्रति प्रेम, श्रद्धा, भक्ति का प्रदर्शन करने के लिए मन में प्रेम नहीं, अपने मोबाइल से उत्सव के संग सेल्फी लेने की कुशल तकनीक होनी चाहिए बस! प्रेम, श्रद्धा, भक्ति तो अब बीते जमानों के शब्द हो गये हैं। जिसके पास यह तकनीक जितनी बेहतर है वह अपनों, अपनी परंपराओं, उत्सवों के संरक्षण में उतना ही माहिर। वैसे मैं आजादी के उत्सव का महीना आने से पहले ही दूसरे सारे जरूरी काम स्थगित कर सोचने लग गया था कि अबके किसके साथ सेल्फी ले अपने फेसबुक अकाउंट पर डालूं। देश को आजाद करवाने वालों के साथ या फिर तिरंगे के साथ। या फिर देश को चरने-चराने वाले की तस्वीर के साथ। फिर सोते सोचते मैंने सोचा कि आजादी के महोत्सव वाले दिन तिरंगे के साथ वाली सेल्फी ही अच्छी रहेगी। जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को आजाद करवाया था, उनको आज जानते ही कितने हैं? वे भी नहीं जानते जो उनकी बीजी फसल जनता के हाथों में दराटियां दे काट रहे हैं। सो मैंने फाइनली तय किया कि तिरंगे के साथ सेल्फी ले उसे अपने फेसबुक अकाउंट पर अपलोड कर मैं भी देशभक्त हो जाऊं। यह दूसरी बात है कि आजादी के इस दिन के आसपास अबके पहले से अधिक फेसबुक पर देशभक्तों की बाढ़ आ गई है। फेसबुक के सब्र का बांध टूटने के कगार पर है। जो रात को देश को पूरा चाट कर सो रहे हैं वे सुबह अव्वल दर्जे के देशभक्त बन फेसबुक पर कुल्ला, जीभमंजन कर रहे हैं। गूगल पर तिरंगों की फोटुओं की भीड़ में मैंने अपने थोबड़े से बेस्ट सूट करता तिरंगा डाउनलोड़ कर सेव किया और फिर उसे फोटोशॉप पर जाकर अपने माथे पर, गालों पर, छाती पर कट पेस्ट कर लगा लिया। बस, अब इसे फेसबुक पर डालने की देर थी। इधर मैंने पूरी मुस्तैदी से तिरंगे के साथ वाली अपनी फोटों फेसबुक पर डाली कि उधर से मेरी देशभक्ति को लेकर मेरी जमात के फेसबुकिया देशभक्तों का समुद्र उमड़ पड़ा। आह! कितना ग्रेट देशभक्त हूं मैं!

अशोक गौतम

200 वर्षों के संघर्ष से मिली थी हमें आजादी

स्वतंत्रता संग्रम

समीर चौधरी

भारत की स्वतंत्रता का जश्न मनाते हुए हमें यह याद अवश्य रखना चाहिए कि हमारे देश को आजादी एक रात में नहीं मिली थी। यह लगभग 200 वर्षों का संघर्ष था, जिसमें हमारे पूर्वजों को विविध प्रकार की कठिनाइयों से गुजरना पड़ा था, स्वतंत्रता हासिल करने के लिए क्योंकि एक ताकतवर अंग्रेज हुकूमत से लड़ना आसान नहीं था। पूरा देश ही जंग का मैदान बन गया था और हर किसी ने अपने अपने तरीके से इस संघर्ष में योगदान दिया था। इसलिए बहुत से स्थल इस लिहाज से महत्वपूर्ण हो गये कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका अनमोल रही। अब ये सभी जगहें पर्यटक स्थल बन गयी हैं, जिनमें से एक आगा खान पैलेस भी है, जो न सिर्फ.स्वतंत्रता आंदोलन की बारीकियों को समझने के लिए आवश्यक है बल्कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, जिनके नेतृत्व में देश आजाद हुआ, के विचारों को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसलिए इस बार मैंने आगा खान पैलेस की यात्रा करने का फैसला लिया।

सुबह पुणे रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद मैंने पहले फ्रेश होकर नाश्ता किया और फिर होटल के बाहर ही सड़क पर आकर आगा खान पैलेस के लिए ऑटोरिक्शा लिया। हालांकि सिटी बस भी वहां तक जाती हैं, लेकिन ऑटोरिक्शा को मैंने इसलिए प्राथमिकता दी, क्योंकि वह सीधा मुझे मेरी मंजिल तक ले जाता। लगभग 7 किमी का सफर तय करने के बाद मैं आगा खान पैलेस के सामने था। उसकी भव्य इमारत को देखते ही मुझे एहसास हुआ कि जैसे मैंने इतिहास के पन्नों में प्रवेश कर लिया हो। आगा खान पैलेस का काम्प्लेक्स इतालवी मेहराबों व विशाल लॉन्स का विशिष्ट मिश्रण है। इसी जगह पर गांधी स्मारक समिति की बैठकें नियमित आयोजित की जाती हैं। यह पैलेस 19 एकड़ में फैला हुआ है और इसके प्रांगण में पांच हॉल हैं। दो मंजिला इमारत की 'परिक्रमा' एक ढाई मीटर चैड़ा गलियारा करता है। अब यह इमारत गांधी मेमोरियल सोसाइटी का मुख्यालय बना हुआ है। इसके अतिरिक्त यहां सैंकड़ों तस्वीरें, कलाकृतियां हैं, जिनका गांधीजी से संबंध है, जिनसे गांधीजी को समझने और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके विशिष्ट योगदान को समझने का अवसर मिलता है। पैलेस में खादी व अन्य हैंडलूम टेक्सटाइल्स की दुकानें भी हैं। पैलेस की प्रमुख गतिविधियों में आज भी खादी का बुना जाना शामिल है। इस पैलेस का निर्माण सुल्तान मुहम्मद शाह आगा-3 ने 1892 में कराया था। यह भारत के इतिहास में अति महत्वपूर्ण लैंडमार्क है और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के अनेक अहम पलों का स्रोत भी यही है। गांधीजी, उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी, सरोजनी नायडू व महादेव देसाई को अंग्रेजों ने इसी पैलेस में कैद में रखा था। इसलिए इस पैलेस का महत्व दोनों आर्किटेक्चरल व ऐतिहासिक है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की कोई कहानी आगा खान पैलेस के जिक्र के बिना पूर्ण नहीं हो सकती।

पुणे के आसपास के क्षेत्र भयंकर अकाल से प्रभावित हो गये थे। लोगों के पास न खाने को था और न ही रोजगार था। इन लोगों की मदद करने के लिए सुल्तान ने इस पैलेस का निर्माण कराया था। बाद में आर्किटेक्ट चार्ल्स कोरेया ने पैलेस के प्रांगण में कस्तूरबा गांधी व महादेव देसाई की याद में उनके स्मारकों का भी निर्माण कराया। इस पैलेस में एक म्यूजियम भी है, जिसमें उस दौर की तस्वीरों के साथ ही गांधीजी की व्यक्तिगत चीजें भी हैं। गांधीजी की अस्तियों को भी पैलेस के लॉन में दफनाया गया है। आगा खान पैलेस को 2003 में राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित कर दिया गया था। आगा खान पैलेस के इतिहास की जड़ें बहुत गहरी हैं। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गांधीजी, उनकी पत्नी कस्तूरबा व उनके सचिव महादेव देसाई को 9 अगस्त 1942 से 6 मई 1944 तक यहीं बंद रखा गया था। इसी कैद के दौरान दोनों कस्तूरबा गांधी व महादेव देसाई का निधन हो गया था, इसलिए दोनों के स्मारक इसी पैलेस में हैं। गांधीजी व उनके दर्शन के सम्मान में आगा खान ने 1968 में आगा खान पैलेस भारत के नागरिकों को दान कर दिया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1974 में इस पैलेस की यात्रा की और इसके रख रखाव के लिए 20,000 रुपए वार्षिक आवंटित किये। अब यह राशि बढ़कर एक करोड़ रुपए हो गई है। पैलेस में चहलकदमी करते हुए मुझे ऐसा महसूस हुआ जैसे मैं गांधीजी के रूबरू हूं। जैसे वो मुझसे कह रहे हों- 'हम लाये हैं तूफान से कश्ती निकालकर/मेरे बच्चों इस देश को रखना संभालकर।'

आपकी बात

रफ्तार की भेंट चढ़ती जिंदगी

हाइवे और एक्सप्रेस वे पर तेज रफ्तार के कारण बड़ी संख्या में दुर्घटनाएं होती हैं और यह इतनी भीषण होती हैं कि तेज रफ्तार के चक्कर में प्रायः जिंदगी की रफ्तार ही थम जाती है। आगरा एक्सप्रेस वे, ताज एक्सप्रेसे वे, शहीद पथ, जैसे हाइवे दुर्घटनाओं का पर्याय बन गये हैं। अगले कुछ सालों में प्रदेश में चार-पांच और एक्सप्रेव शुरू होंगे। जाहिर है यहां भी रफ्तार का कहर हो सकता है। देश एवं प्रदेश में भी तेजी के साथ हाईवे परियोजनाओं पर काम हो रहा है। हाइवे बनने के साथ लोगों की रफ्तार बढ़ रही है और बढ़े पैमाने पर दुर्घटनाएं सामने आ रही हैं। लखनऊ में शहीद पथ, लखनऊ से आगरा जाने वाली लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे, आगरा से दिल्ली जाने वाली यमुना एक्सप्रेस पर आये दिन भीषण हादसे होते हैं। यहीं अभी नया-नया बनकर तैयार हुआ देश का पहला स्मार्ट एक्सप्रेस वे ईस्टर्न मेरीफेरल एक्सप्रे वे भीषण दुर्घटनओं के मार्ग बन गये हैं। हाइवे दरअसल त्वरित और सुरक्षित परिवहन के लिए होते लेकिन जब ये खतरों के पर्याय बन जायें तो फिर सोचना पड़ता है कि रफ्तार की इतनी भी क्या जरूरत जो जिंदगी सांसे थम दें। दरअसल देश में फर्राटा भरने वाली सड़कें तो तेजी के साथ बन एवं बढ़ रही हैं लेकिन लोगों को ट्रैफि क सेंस की कमी के कारण दुर्घटनाएं बढ़ गयी हैं। ये दुर्घटनाएं सिर्फ और सिर्फ तेज स्पीड के कारण होती हैं।

हाइवे का मतलब यह नहीं होता कि उस पर हवाई जहाज की रफ्तार से फर्राटा भरने लगें। प्रायः यह देखा जाता है जाता है कि तेज रफ तार के कारण गाड़िया आगे बढ़ने के चक्कर में बगल वाली गाड़ी टक्कर मार देती हैं और इस तरह खुद के और दूसरों के जान के लिए खतरा बनी रहती हैं। हाईवे निर्माण के साथ अब यह भी जरूरी है कि लोगों को ट्रैफिक नियमों पालन एवं यात्रा के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपाय की भी जानकारी दी जाये। देश में हर साल लगभग डेढ़ लाख जानें दुर्घटनाओं में चली जाती हैं। अगर ट्रैफिक नियमों एवं सुरक्षा उपायों के साथ यात्रा की जाये तो इसमें भारी कमी आ सकती है। हाइवे पर स्पीड सबसे बड़ा दुर्घटना का कारण है इसलिए सरकार प्रत्येक सड़क पर अधिकतम और न्यूनतम स्पीड को तय करे और इसी पूरी निगरानी रखे। जो भी स्पीड लिमिट का उल्लंघन करें पर कार्रवाई हो।

संजीव श्रीवास्तव, लखनऊ.

सरकारी उद्यमों को करें मजबूत

सरकारी बैंकों की संख्या लगातार कम हो रही है। अब बीस से घटकर दस-बारह की पीएसयू बैंक रह गये हैं। राष्ट्रीयकृत बैंकों में जिस तरह से खराब ऋण वितरण के कारण एनपीए बढ़ा उसके कारण अब सरकार को एक-एक करके बैंकों का विलय कर उनकी संख्या कम करनी पड़ी। अब बैंकों का बोझ उठाने के लिए सरकार तैयारनहीं है, यही कारण है कि बीते पांच-छह साल में करीब एक दर्जन सरकरी बैंक दूसरे बैंकों में विलीन हो गये हैं। अब कुल 12 राष्ट्रीयकृत बैंक बचे हैं और इन्हें भी कम करके चार-पांच रखने की कोशिश हो रही है। बैंकिंग व्यवस्था में रीढ़ की हड्डी रहे सरकारी क्षेत्र के बैंक अगर कराह रहे हैं और दिन प्रति दिन देश में प्राइवेट सेक्टर बैंकिंग ऊंचाईयां छू रही हैं तो इसके पीछे सरकारी बैंकों के अधिकारियरों एवं कर्मचारियों की घटिया कार्यप्रणाली भी जिम्मेदार है।

आज भी सरकारी बैंक के कर्मचारी अपने को सरकारी कर्मचारी मानते हैं और ठीक से काम न करना अपना पुश्तैनी अधिकार मानते हैं। सरकारी बैंकों में जिस तरह सरकरी कल्चर हावी है उसे अगर दूर न किया गया तो प्राइवेट बैंकों के सामने टिक नहीं पायेंगे। देश के विकास में अहम भूमिका निभाने वाले सरकारी क्षेत्रों के बैंकों की स्थिति आजकल ठीक नहीं है। इनके प्रबंधकों एवं कर्मियों की मनमानी, भ्रष्टाचार और लापरवाही ने आज दुनिया के सबसे बड़े सरकारी बैंकिंग तंत्र को बीमार कर पूरी तरह से आईसीयू में डाल दिया है। लोग बड़े आराम से बैंक का पैसा पार कर दे रहे हैं।

राजेश कुमार वर्मा, बाराबंकी.

संक्षेप

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, महिला की मौत

ललितपुर। हाईवे-44 पर रामनगर क्षेत्र के सुरईघाट चैराहे के पास सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार 21 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब महिला अपने पति के साथ बाइक से मलेरिया का इलाज कराने ललितपुर अस्पताल आ रही थी। ट्रक की टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई। थाना बानपुर क्षेत्र के ग्राम खिरिया छातारा निवासी दीपक कुशवाहा सोमवार सुबह करीब 10 बजे अपनी पत्नी भारती कुशवाहा (21 वर्ष) को मलेरिया का इलाज कराने बाइक से गांव से ललितपुर के लिए लेकर निकला था। दोनों जैसे ही हाईवे-44 पर रामनगर क्षेत्र के सुरईघाट चैराहे के निकट पहुंचे, तभी एक ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार दंपती सड़क पर जा गिरे। हादसे में भारती कुशवाहा को गंभीर चोटें आईं और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जानकारी लेते हुए महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया।

थोक फल-सब्जी विक्रेता ही अमरपुर मंडी में किये गये हैं शिफ्टः डीएम

जिला संवाददाता

- फुटकर विक्रेता अपने स्थान पर ही करेंगे कारोबार
- नझाई बाजार में जाम की समस्या दूर करने के लिए लिया गया निर्णय
- डीएम सत्य प्रकाश ने शहरवासियों से भ्रमित न होने की अपील की

ललितपुर। नझाई बाजार में फल-सब्जी मंडी को लेकर चल रही चचाओं के बीच जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि अमरपुर मंडी में केवल फल-सब्जी के थोक विक्रेताओं को स्थानांतरित किया गया है। फुटकर विक्रेताओं को शिफ्ट नहीं किया गया है। फुटकर विक्रेता अपने वर्तमान स्थानों पर ही फल-सब्जी की बिक्री करते रहेंगे

, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिलाधिकारी ने बताया कि पूर्व में नझाई बाजार स्थित फल-सब्जी मंडी में ट्रक, ट्रैक्टर सहित अन्य वाहनों के अनियंत्रित तरीके से खड़े होने और अत्यधिक भीड़ के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनती थी। इससे स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं, एंबुलेंस और आम राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। डीएम ने बताया कि नझाई बाजार में फल-सब्जी बिक्री वाले स्थान पर ट्रैफिक जाम की समस्या के स्थायी समाधान के उद्देश्य से वहां के थोक फल-सब्जी विक्रेताओं को अमरपुर स्थित मंडी में स्थानांतरित किया गया है। वहीं फुटकर विक्रेताओं को उनके पूर्व स्थानों से हटाया नहीं गया है। जिलाधिकारी के अनुसार कैलगुवां चैराहा स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर ओवरब्रिज बन जाने से फल-सब्जी लेकर आने वाले वाहनों को शहर के भीतर प्रवेश करने के बजाय सीधे अमरपुर मंडी पहुंचने में सुविधा होगी।

इससे शहर में भारी वाहनों का दबाव और यातायात संबंधी परेशानी भी कम होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि अमरपुर मंडी में पर्याप्त स्थान और चबूतरे उपलब्ध हैं, जहां व्यापारी स्टॉल लगाकर फल-सब्जी की बिक्री कर सकेंगे।

व्यापारियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ ? से आम नागरिकों और खरीदारों को उचित दर पर फल-सब्जी उपलब्ध होने की संभावना है।

वहीं किसानों को भी अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिल सकेगा। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने नगरवासियों से अपील की है कि मंडी को लेकर किसी प्रकार के भ्रम में न रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि फुटकर विक्रेताओं को उनके स्थान से हटाया नहीं गया है और वह यथावत फल-सब्जी बेचते रहेंगे।

जिला प्रशासन का उद्देश्य शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु करने के साथ-साथ नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि शहर सभी का है और इसे स्वच्छ, व्यवस्थित एवं जाममुक्त बनाने में नागरिक जिला प्रशासन का सहयोग करें।

जलभराव और जर्जर सड़क से रहवासी परेशान

ललितपुर। शहर के मोहल्ला रावत्याना, वार्ड नंबर 23 स्थित निजी कॉलोनी के निवासी इन दिनों जलभराव और जर्जर सड़क की समस्या से परेशान हैं। बरसात होते ही कॉलोनी में पानी भर जाने से लोगों का आवागमन मुश्किल हो जाता है। समस्या के समाधान की मांग को लेकर कॉलोनीवासियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल स्थलीय निरीक्षण कराकर नाला-नाली और सड़क निर्माण कराने की मांग की है। लोगों ने बताया कि क्षेत्र में बरसाती पानी की निकासी के लिए समुचित नालियों की व्यवस्था नहीं है। बारिश के दौरान बड़ी मात्रा में पानी एकत्रित होकर लंबे समय तक जमा रहता है। इससे लोगों को घरों से निकलने और आने-जाने में परेशानी होती है। जलभराव के कारण गंदगी और जलजनित बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। निवासियों के अनुसार जलभराव के कारण कॉलोनी का मार्ग जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो चुका है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे और कीचड़ होने से बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और राहगीरों को आवागमन में काफी दिक्कत होती है। बारिश के दौरान स्थिति और अधिक खराब हो जाती है। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कराकर समस्या की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने की मांग की गई। इसके साथ ही बरसाती पानी की उचित निकासी के लिए आवश्यक नाला और नालियों का निर्माण जल्द कराने तथा क्षतिग्रस्त मार्ग की स्थिति को देखते हुए सड़क का निर्माण अथवा आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की गई है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि यदि जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था और सड़क का दुरुस्तीकरण करा दिया जाए तो लंबे समय से चली आ रही समस्या से राहत मिल सकती है। इस दौरान अफसाना बानो, इमरान अली, रमजान खां, सलीम, रहीश खां, अनिस खां, तालिब खान, कादिर, मुहर्रा, शहनवाज, नफीस, राशिद, हारून शाह, आशिया बानो, नजरानो, साब्रा बेगम, अमरीन, मुइरफान, मु. अनीस, नौशाद खां, सबीना, शबाना बानो, इमराना, सितारा, हमीद खां, शहजाद खां, सत्तार खां, गुलाम, शहादत खान, जायदा, आमिर खान, शबनम बानो, नफोसा, शबनम, मुबारिक, सन्नो, शाहिद, ताज खां, सवान, संचरा बानो, मं. वकील, सबिया बानो, मो. अरविन्द, आमीन खान, अमजद खां, मिजाज खा आदि उपस्थित रहे।

अनिल यादव की पुण्यतिथि पर पूर्व कैबिनेट मंत्री गोप ने अस्पताल पहुंच किये फल वितरण

बाराबंकी। स्वर्गीय अनिल यादव पार्टी को मजबूत और कार्यकताओं के सम्मान के लिए हर वक्त संघर्ष के लिए तैयार रहते थे। उनके कार्य करने के तरीके और मिलनसार व्यवहार की सराहना आज भी हर पार्टी कार्यकर्ता करता हैं। उक्त उद्गार पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविन्द सिंह गोप ने समाजवादी पार्टी कार्यालय पर आयोजित पूर्व जिला महासचिव स्वः अनिल यादव की पुण्यतिथि पर आयोजित विचार गोष्ठी मे उनके चित्रो पर पुष्प अर्पित करने के पश्चात पदाधिकारियो के बीच व्यक्त किये। इसके उपरान्त पूर्व कैबिनेट मंत्री ने स्वर्गीय अनिल यादव के जेष्ठ पुत्र तुषार यादव के साथ जिला अस्पताल ट्रामा सेंटर में भर्ती मरीजों को फल वितरित कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस अवसर पर जिला महासचिव हिमांशु यादव, हुमायूं नईम खान, जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रधान, जिला उपाध्यक्ष अजय वर्मा बबलू, ज्ञान सिंह यादव, सिराज उस्मानी आदि मौजूद रहे।

10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान

ललितपुर। नशे के खिलाफ अब केवल जागरूकता ही नहीं, बल्कि लोगों में नशामुक्त जीवन का संकल्प भी दिखाई देने लगा है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, वरदानी भवन की ओर से चलाए जा रहे 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के तहत सोमवार को जिले में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान क दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों, यात्रियों और कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशे से दूर रहने की प्रतिज्ञा दिलाई गई। अभियान की टीम ने संस्कार प्रॉमिनेंट पब्लिक स्कूल, महावीर इंटर कॉलेज, सरस्वती ज्ञान विद्या मंदिर पाली, जिला परिषद इंटर कॉलेज पाली, श्रीमती रामकली देवी इंटर कॉलेज मड़ावरा और सरस्वती मंदिर इंटर कॉलेज मड़ावरा पहुंचकर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी। विद्यालयों के बाद अभियान की टीम ने शहर के प्रमुख चैराहों और रेलवे स्टेशन पर भी लोगों को नशामुक्ति के प्रति जागरूक किया। वहीं कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं और अन्य यात्रियों ने भी अभियान का समर्थन करते हुए नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने कहा कि नशा व्यक्ति की शारीरिक एवं मानसिक शक्ति को कमजोर करने के साथ परिवार की खुशियों और समाज की प्रगति पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसलिए नशामुक्ति की शुरूआत किसी दूसरे व्यक्ति से नहीं, बल्कि स्वयं से करनी होगी।

डीएम-एसपी ने श्री लोधेश्वर महादेवा मंदिर में संभाली व्यवस्थाओं की कमान

जिला संवाददाता

- श्रद्धालुओं की आवाजाही, कतार व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बाराबंकी। श्रावण मास के द्वितीय सोमवार पर जनपद के प्रमुख शिवालयों में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम दर्शन उपलब्ध कराने के लिए जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने श्री लोधेश्वर महादेवा मंदिर परिसर में मौजूद रहकर व्यवस्थाओं की कमान संभाली। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मंदिर परिसर, दर्शन मार्ग एवं आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण कर श्रद्धालुओं की आवाजाही, कतार व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दर्शन मार्गों पर भीड़ के दबाव को नियंत्रित करते हुए कतारों का सुचारु संचालन सुनिश्चित किये जाने हेतु निर्देशित किया। श्री लोधेश्वर महादेवा मंदिर के अतिरिक्त जनपद के अन्य प्रमुख शिवालयों पर भी प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी लगातार भ्रमणशील रहे।

चकबंदी में धांधली का आरोप, किसानों ने डीएम से की शिकायत

जिला संवाददाता

- बिना पक्ष सुने चकों में हेरफेर करने का आरोप
- निष्पक्ष जांच और विवादित चकों पर कार्रवाई रोकने की मांग

ललितपुर। तहसील सदर क्षेत्र के ग्राम अंडेला के किसानों और ग्रामवासियों ने सोमवार को जिलाधिकारी को सामूहिक प्रार्थना-पत्र सौंपकर चकबंदी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की शिकायत की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि चकबंदी अधिकारी द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए चकों के निर्धारण एवं आवंटन में हेरफेर किया गया है। किसानों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने अपने शिकायती पत्र में रघुनाथ, सहदेव, इन्द्रपाल, कृष्णपाल, शिवराज सिंह, गोविन्द सिंह, महरवान, मानसिंह, लखन और भानुप्रताप सहित दर्जनों ग्रामीणों के हस्ताक्षर होने की बात कही। किसानों का आरोप है कि चकबंदी की प्रक्रिया में उन्हें पर्याप्त जानकारी दिए बिना और उनका पक्ष सुने बिना चकों में परिवर्तन कर दिया गया। इससे कई किसानों के कृषि हित प्रभावित हो रहे हैं तथा गांव में असंतोष और आपसी विवाद की स्थिति बन रही है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की कि ग्राम अंडेला में अब तक किए गए चक निर्धारण एवं आवंटन की स्वतंत्र जांच कराई जाए। इसके साथ ही चकबंदी से संबंधित अभिलेखों, नक्शों, प्रस्तावों और पारित आदेशों का गहन परीक्षण कराया जाए, ताकि कथित अनियमितताओं की वास्तविक स्थिति सामने आ सके। शिकायतकताओं ने कहा कि जांच में यदि कोई चक नियमों के विपरीत अथवा गलत तरीके से काटा या बदला हुआ पाया जाता है तो उसका नियमानुसार निरस्तीकरण अथवा संशोधन कराया जाए और प्रभावित किसानों को विधिसम्मत तरीके से चक आवंटित किया जाए। किसानों ने चक परिवर्तन के नाम पर धनराशि लिए जाने के आरोपों की भी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि जांच में यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने यह भी मांग की कि शिकायत की जांच पूरी होने तक विवादित चकों के संबंध में ऐसी कोई अग्रिम कार्रवाई न की जाए, जिससे किसानों के हित प्रभावित हों। उनका कहना है कि निष्पक्ष जांच होने तक वर्तमान स्थिति को बनाए रखा जाना आवश्यक है ी मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि समय रहते शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराकर समस्या का समाधान नहीं किया गया तो गांव में शांति एवं सौहार्द प्रभावित हो सकता है और किसान आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। अब ग्रामीणों की शिकायत पर प्रशासन की ओर से होने वाली कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

कसया में तिरंगा यात्रा आज, सभी तैयारियां पूरी

कसया, कुशीनगर। कसया में आज 11 अगस्त को आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो गई है।सोमवार को नगर पालिका परिषद कुशीनगर स्थित राम-जानकी मठ परिसर में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों की बैठक में भाजपा नेता राकेश कुमार जायसवाल ने बताया कि तिरंगा यात्रा प्रातः 10:00 बजे राम-जानकी मठ से प्रारम्भ होकर नेशनल हाईवे, नगर के मुख्य मार्ग, गोला चौराहा, गांधी चौक एवं रामकोला तिराहा होते हुए शहीद अमीय त्रिपाठी चौक पर जाकर सम्पन्न होगी।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर। थाना जखौरा पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमे में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह और सीओ सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जखौरा पुलिस ने थाना जखौरा में दर्ज मु.अ.सं. 210/2026 के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान थाना जखौरा के ग्राम सीरोंनकलां निवासी अमित लोधी उर्फ टन्टू पुत्र मान सिंह के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ धारा 64(1), 137(2) बीएनएस तथा 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है।

नीती तारा पर क्षमतावर्धन कार्यशाला का हुआ आयोजन

ललितपुर। जनपद स्तर पर नीति तारा विषयक एक दिवसीय क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन विकास भवन सभागार किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य जनपद एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों को डेटा आधारित योजना निर्माण, मॉनिटरिंग एवं मूल्यांकन प्रणाली से परिचित कराना तथा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुदृढ़ बनाना था। कार्यशाला में जनपद स्तरीय समस्त अधिकारी एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में टूलकिट की उपयोगिता, कार्यप्रणाली एवं इसके प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण सत्र का संचालन ईडीसीआईएल के प्रतिनिधि मिलिंद चैहान द्वारा किया गया। उन्होंने नीति तारा पोर्टल, डेटा प्रबंधन, निगरानी तंत्र तथा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अधिकारियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर डेटा आधारित प्रशासनिक निर्णय प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने, विकास योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग, सटीक मूल्यांकन एवं बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चोहान द्वारा की गई।कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी अतिरंजन सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी कुँवर सिंह यादव, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ भगवान सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी नीरज सिंह सहित अन्य जनपद स्तरीय व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एलएलबी नवागत छात्र-छात्राओं हेतु हुआ दीक्षारम्भ ओरिएंटेशन प्रोग्राम का शुभारंभ

जिला संवाददाता

- एशासी निकाय अध्यक्ष डॉ. सुजीत चतुर्वेदी ने पठन-पाठन करने के लिए किया प्रेरित

सतरिख,बाराबंकी। टीआरसी लॉ कॉलेज सभागार मे एलएलबी के नवागत छात्र-छात्राओं के लिए दीक्षारम्भ 2026-27 ओरिएंटेशन प्रोग्राम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि स्थायी लोक अदालत अध्यक्ष, अश्वनी कुमार त्रिपाठी, शासी निकाय अध्यक्ष डॉ0 सुजीत चतुर्वेदी, प्राचार्य डॉ0 अश्वनी कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया। इसके उपरान्त छात्र जितेन्द्र राज शाहू ने सरस्वती वंदना का गायन प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि श्री त्रिपाठी ने कानून की पढ़ाई कैसे उनके व्यक्तित्व को आगे बढ़ा सकता है? लॉ स्टूडेंट से लीगल प्रोफशनल बनने तक के सफर विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बिना कठिन परिश्रम के सफलता प्राप्त नही की जा सकती है। इसका कोई दूसरा विकल्प नही है। न्यायिक क्षेत्र में आने के लिए किस प्रकार उन्हे तैयारी करनी है।

कॉलेज शासी निकाय अध्यक्ष डॉ0 चतुर्वेदी ने कहा कि सभी विद्यार्थी निमरित रूप से कॉलेज में उपस्थित होकर पठन-पाठन करने के लिए प्रेरित किया और इसे ही सफलता का मूल मंत्र बताया। इसके अतिरिक्त कालेज प्राचार्य डा0 गुप्ता, समन्वयक डॉ0 नवीन कुमार सिंह, डॉ0 अविनाश मिश्रा ने भी

अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम मे डॉ0 दीपमाला श्रीवास्तव, डॉ0 मंजय कुमार यादव, डॉ0 अमजद अंसारी, डॉ0 धर्मेन्द्र कुमार, रोहिणी त्रिपाठी, अंकित मिश्रा, वैशाली सिंह आदि मौजूद रहे।

चलती ट्रेन में से महिला चिकित्सक का लैपटॉप चोरी

ललितपुर। दक्षिण एक्सप्रेस में सफर कर रही एक महिला डॉक्टर का लैपटॉप बैग अज्ञात चोर ने पार कर दिया। घटना उस समय हुई जब महिला डॉक्टर ट्रेन के बी-3 कोच में अपनी बर्थ पर सो रही थीं। ललितपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने से कुछ मिनट पहले नींद खुलने पर सीट से लैपटॉप बैग गायब मिला। बैग में करीब 80 हजार रुपये कीमत का डेल कंपनी का लैपटॉप रखा था। पीड़ित के पिता की तहरीर पर जीआरपी थाना ललितपुर ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भोपाल निवासी विनोद कुमार पांडे ने जीआरपी को दी तहरीर में बताया कि उनकी 33 वर्षीय बेटी डा.दीक्षा पांडे एक जुलाई 2026 को ट्रेन संख्या 12722 दक्षिण एक्सप्रेस से मथुरा से भोपाल की यात्रा कर रही थीं। वह ट्रेन के बी-डा.दीक्षा ने अपना लैपटॉप बैग सीट पर रखा और सो गईं। आरोप है कि इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने मौका पाकर सीट पर रखा लैपटॉप बैग चोरी कर लिया।

रक्षाबंधन पर्व पर डाक विभाग मे 10 रुपये में उपलब्ध होगा वाटरप्रूफ लिफाफा

- अंतदेर्शीय स्पीड पोस्ट से राखी भेजने पर मिलेगी 10 प्रतिशत की विशेष छूट

बाराबंकी। रक्षाबंधन पर्व पर डाक के माध्यम से राखी भेजने वाली बहनो हेतु वाटरप्रूफ लिफाफा डाक विभाग उपलब्ध करवा रहा है। इस सम्बन्ध मे डाक अधीक्षक पुरुषोत्तम नाथ ने बताया कि पढ़ाई-लिखाई या नौकरी के कारण घर से दूर रहने वाले भाई घर नहीं आ पाते है। जिनको बहनें डाक के माध्यम से राखी भेजती हैं। अक्सर बारिश के मौसम में साधारण कागज के लिफाफे फट जाते हैं और राखियां भीग कर खराब हो जाती हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए वाटरप्रूफ लिफाफा मात्र 10 रुपये में प्राप्त कर सकती हैं।

इन रंगीन और सुरक्षित लिफाफों में स्पीड पोस्ट या पार्सल के माध्यम से एकदम सुरक्षित पहुंचेगा। यह सुविधा बाराबंकी मंडल के सभी डाकघरों में उपलब्ध करा दी गई है। उन्होने आगे बताया कि आम जनता को आकर्षित करने हेतु डाकघर के काउंटर से राखी को अन्तदेर्शीय स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजने पर ग्राहकों को डाक शुल्क में 10 प्रतिशत की विशेष छूट मिलेगी। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए लिफाफे पर स्पष्ट रूप से राखी मेल लिखना अनिवार्य होगा। एक ग्राहक अधिकतम 5 राखी लिफाफों की बुकिंग पर इस छूट का लाभ ले सकता है। छूट केवल डाक शुल्क पर होगी, अन्य सेवाओं पर नहीं उपलब्ध होगी।

समस्याओं पर विधायक से मंथन

भटनी (देवरिया)। स्वर्ण शक्ति सोसाइटी सोनार समाज भटनी के तत्वावधान में रविवार को अध्यक्ष बृजेश वर्मा के प्रतिष्ठान पर बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि रामपुर कारखाना विधायक सुरेंद्र चौरसिया रहे। सोसाइटी के पदाधिकारियों व सदस्यों ने विधायक का अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया।

मानकविहीन क्लीनिक पर विधि छात्र का हुआ उत्पीड़न, डीएम से शिकायत

सरदार भूपिंदर पाल सिंह शैंकी

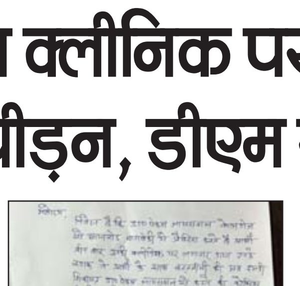

- मरीजों से इलाज के नाम पर स्टाफ करता है गैर जिम्मेदारना आचरण

बाराबंकी। डीएम साहब! मरीजों से इलाज के नाम पर उनके साथ बतमीजी की जाती है। स्टाफ का आचरण गैरजिम्मेदारना है। स्टाफ से डाक्टर साहब से मिलने की फरियाद लगाने पर भी डॉक्टर साहब के कानो पर कोई जूँ नहीं रेंगती है। जी हां ये आरोप हम नहीं लगा रहे हैं। बल्कि मरीज के रूप में पीड़ित विधि के छात्र ने जिलाधिकारी से शिकायत करते हुये की है। सोमवार को जिलाधिकारी के समक्ष उपस्थित हुये पीड़ित विधि छात्र आदित्य वर्मा ने शिकायत में कहा है कि वो लगातार तीन दिनों से बेगमगंज-छाया रोड जाने वाले रास्ते पर स्थित डॉ0 पंकज जायसवाल की क्लीनिक पर स्किन की दिक्कत के इलाज हेतु गए थे। डॉक्टर साहब की क्लीनिक में तानाशाह स्टाफ द्वारा लगातार पीड़ित विधि छात्र का उत्पीड़न किया गया। नंबर लगाने के नाम पर पिछले तीन दिनों से दौड़ाया गया। सुबह 9 बजे से लाइन लगाकर इंतजार में बैठे पीड़ित विधि छात्र का नंबर नहीं लिखा गया। दूसरे दिन आने का कहकर शनिवार को भी टाल दिया गया। आज सोमबार की सुबह 9:30 बजे लाइन में लगने के बाद भी 10 बजे पधारे स्टाफ ने सबका नंबर लिखा लेकिन पीड़ित विधि छात्र को मानसिक पीड़ा दी गई। जब डॉक्टर साहब से मिलने और आप बीती बताने की कोशिश की गई तो डॉक्टर साहब ने भी मिलने से इनकार कर दिया। ऐसी स्थिति में पीड़ित ने अपने दर्द को जिलाधिकारी के समक्ष रखा और पीड़ित छात्र ने अपनी शिकायत में आरोप भी लगाये है कि उक्त क्लीनिक में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन भी नहीं किया जाता है। क्लीनिक भी अवैध है। आवासीय परिसर में संचालित क्लीनिक का कमर्शियल उपयोग किया जा रहा है। अभी हाल ही में लखनऊ में हुई हृदय विदारक घटना से भी उक्त जिम्मेदारों को कोई लेना देना नहीं है। पीड़ित विधि छात्र ने जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण में उनके साथ हुए र्दुव्यवहार एव मानसिक उत्पीड़न की शिकायत करते हुए जाँच करवाकर क्लीनिक संचालक और स्टाफ के खिलाफ कार्यवाही की गुहार लगाई है।

फीस नहीं भर पाने पर छात्र को टीसी देने से इनकार

जिला संवाददाता

- एसडीएस कॉन्वेंट स्कूल पर मनमानी के आरोप
- खंड शिक्षा अधिकारी ने बीएसए को पत्र भेजकर कार्रवाई की संस्तुति की
- अभिभावकों की शिकायतों और प्राइवेट पुस्तकों के संचालन का भी उल्लेख

ललितपुर। नगर क्षेत्र में संचालित एसडीएस कॉन्वेंट स्कूल के प्रबंधन पर फीस को लेकर मनमानी करने और छात्र को ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) देने से इनकार करने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद खंड शिक्षा अधिकारी, नगर क्षेत्र ने मामले की रिपोर्ट बीएसए को भेजते हुए विद्यालय के विरुद्ध उचित कार्रवाई की संस्तुति की है। मामला नीमखेड़ा मड़ावरा (परसाटा) निवासी कस्तूरी पत्नी स्व. सुरेश से जुड़ा है। शिकायती पत्र के अनुसार, उनके पुत्र अभिषेक ने अक्टूबर 2025 के बाद से विद्यालय जाना बंद कर दिया था। छात्र के पिता का निधन हो चुका है और परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह पूरे वर्ष की फीस जमा कर सके। शिकायत में बताया गया कि छात्र की कक्षा सात की टीसी पहले जमा की गई थी, जिसे अब छात्र की मां वापस लेना चाहती हैं।

वहीं, छात्र द्वारा कक्षा आठ की एक तिमाही की फीस भी जमा की जा चुकी है। इसके बावजूद विद्यालय प्रबंधन ने पूरे वर्ष की फीस जमा किए बिना टीसी देने से इनकार कर दिया। शिकायत के संबंध में विद्यालय में कार्य देख रहे एक सर जिनका नाम पृथ्वी बताया जा रहा है, से टीसी देने को लेकर वार्ता की गई, लेकिन आरोप है कि उन्होंने बिना पूरी फीस जमा किए टीसी देने से स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया। इसके बाद छात्र की मां ने मामले की शिकायत खंड शिक्षा अधिकारी से की। खंड शिक्षा अधिकारी की ओर से बीएसए को भेजी गई रिपोर्ट में विद्यालय के संबंध में अन्य शिकायतों का भी उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, संबंधित विद्यालय द्वारा कार्यालय से भेजी जाने वाली डाक आदि को स्वीकार नहीं किया जाता तथा कार्यालयीय आदेशों का अनुपालन भी नहीं किया जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विद्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर अन्य अभिभावकों द्वारा भी लगातार शिकायतें की जाती रही हैं।

इसके अलावा विद्यालय में प्राइवेट पुस्तकों के संचालन का मामला भी सामने आने की बात रिपोर्ट में कही गई है, जिसे खंड शिक्षा अधिकारी ने गंभीर और खेदजनक बताया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए खंड शिक्षा अधिकारी नीतू, नगर क्षेत्र ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र भेजकर एसडीएस कॉन्वेंट स्कूल के विरुद्ध नियमानुसार उचित कार्रवाई किए जाने की संस्तुति की है। अब मामले में जिला बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से क्या कार्रवाई की जाती है, इस पर अभिभावकों की नजर बनी हुई है।

चिकित्सीय परीक्षण को आये व्यक्ति को रिक्रूट आरक्षी ने जड़े थप्पड़

ललितपुर। सोशल मीडिया पर रविवार, 9 अगस्त 2026 को वायरल हुए एक वीडियो का पुलिस ने संज्ञान लेते हुए पूरे मामले की जांच कराई। जांच में सामने आया कि एक व्यक्ति को शराब के नशे में गाली-गलौज करने की सूचना पर डायल-112 के माध्यम से थाना कोतवाली ललितपुर लाया गया था। शांति भंग की आशंका को देखते हुए पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उसे चिकित्सीय परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा था। पुलिस के अनुसार, जिला अस्पताल में चिकित्सीय परीक्षण के दौरान उक्त व्यक्ति द्वारा चिकित्सक एवं मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया। इसी दौरान ड्यूटी पर मौजूद एक रिक्रूट आरक्षी ने व्यक्ति को थप्पड़ मार दिए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पुलिस अधिकारियों ने मामले की जांच कराई। जांच में पुलिसकर्मी द्वारा व्यक्ति के साथ थप्पड़ मारने की कार्रवाई को घोर अनुशासनहीनता माना गया है। पुलिस विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया कि किसी व्यक्ति द्वारा अभद्र व्यवहार किए जाने के बावजूद ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी को निर्धारित नियमों एवं प्रक्रिया का पालन करना चाहिए।

संक्षेप

कोटक ने लॉन्च किया हाइब्रिड होम लोन

मुंबई। घर खरीदना ग्राहक के वित्तीय सफर की बस शुरूआत भर है। इसके बाद के सालों में परिवारों को मासिक ईएमआई के साथ-साथ इंटीरियर, बच्चों की पढ़ाई, बचत और रोजमर्रा के खर्च भी संभालने होते हैं। कोटक महिंद्रा बैंक ने आज अपना हाइब्रिड होम लोन लॉन्च करने की घोषणा की, जिसमें ग्राहक 39, 52 या 65 महीने तक अपने होम लोन की ब्याज दर लॉक कर सकते हैं और इन शुरूआती अहम सालों की योजना ज्यादा साफ तरीके से बना सकते हैं। होम लोन कई दशकों तक चल सकता है और इस दौरान ब्याज दरों में कई बार उतार-चढ़ाव आता है। कई कर्जदारों के मन में हर बार दर बदलने पर यही सवाल उठता है कि इसका उनकी इएमआई या घर के बजट पर क्या असर पड़ेगा। समय के साथ आय, प्राथमिकताएं और वित्तीय जिम्मेदारियां बदलने के साथ परिवारों को जिंदगी के जरूरी खर्च भी संभालने होते हैं। ग्राहकों को 65 महीने तक अपनी ब्याज दर लॉक करने का विकल्प देकर, कोटक हाइब्रिड होम लोन घर खरीदने के शुरूआती सालों में उन्हें योजना बनाने के लिए एक जरूरी मोहलत देता है।

डीएस ग्रुप की पल्स कैंडी की स्पाइडर-मैन से साझेदारी

नई दिल्ली। धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) के पॉपुलर ब्रांड पल्स कैंडी ने फिल्म स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे के साथ 360-डिग्री कंज्यूमर एंगेजमेंट कैंपेन के लिए स्ट्रैटेजिक कोलैबोरेशन का ऐलान किया है। यह साझेदारी पल्स कैंडी की ब्रांड यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और मनोरंजन आधारित सहयोगों में अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है। इस कैंपेन में लिमिटेड-एडिशन पैकेजिंग, हाई-इम्पैक्ट मीडिया और देशभर के कंज्यूमर्स की सक्रिय भागीदारी शामिल है। यह कैंपेन स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे फिल्म के रोमांच को पल्स के चटपटे और लाजवाब स्वाद के साथ जोड़ते हुए संदेश देता है- इवन स्पाइडर-मैन कैननॉट रेसिस्ट पल्स। पल्स कैंडी ने हमेशा ऐसे इनोवेटिव, कल्चरली कनेक्टेड और ट्रेंडसेटिंग अनुभवों के जरिए अपने कंज्यूमर्स के साथ एक मजबूत रिश्ता बनाया है। स्पाइडर-मैन दुनिया की सबसे आइकॉनिक एंटरटेनमेंट फ्रेंचाइज में से एक है, जो जेन-जी के बीच काफी पॉपुलर है और हर उम्र के लोगों को पसंद आती है। यह कोलैबोरेशन एंटरटेनमेंट और पॉप कल्चर के संगम पर पल्स कैंडी को स्थापित करने की हमारी सोच को दिखाता है।

पीएनजी ज्वेलर्स के सीएमडी की पहली पुस्तक का विमोचन

पुणे। भारत की सबसे पुरानी व्यावसायिक विरासतों में से एक की जिम्मेदारी उन्होंने अपनी मध्य तीस की उम्र में संभाली। आज पीएनजी ज्वेलर्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सौरभ अपनी पहली पुस्तक चूजिंग गोल्ड के माध्यम से उस विरासत से जुड़ी अपनी पूरी यात्रा की कहानी साझा कर रहे हैं। इस पुस्तक का राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशन पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा किया गया है। यह एक बेहद ईमानदार और व्यक्तिगत पुस्तक है। यह उस व्यक्ति की कहानी है, जिसने कम उम्र में भारत की सबसे पुरानी व्यावसायिक विरासतों में से एक को संभाला। यह कहानी दुनिया उन्हें बाहर से जिस तरह देखती है, उसकी नहीं, बल्कि उस यात्रा की है, जिसे उन्होंने वास्तव में जिया है।

नेनु रेडी को लेकर बढ़ा जबरदस्त उत्साह

हैदराबाद। 'नेनु रेडी' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। फिल्म के निमार्ताओं द्वारा जारी किए जा रहे आकर्षक प्रमोशनल कंटेंट ने पहले ही दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। फिल्म में हविश और काव्या थापर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके साथ दिग्गज अभिनेता ब्रह्मानंदम और मुरली शर्मा अहम किरदार निभा रहे हैं। इसके अलावा वेनेला किशोर, हरि तेजा, रोहिणी नोनी, रोहन रॉय और कई अन्य प्रतिभाशाली कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध निर्देशक त्रिनाधा राव नक्किना ने किया है, जो मनोरंजक और भावनात्मक कमर्शियल फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्मों में प्रेम, पारिवारिक मूल्यों और मानवीय भावनाओं का खूबसूरत मेल देखने को मिलता है। नेनु रेडी' की कहानी एक ऐसे युवा की यात्रा पर आधारित है, जो पारिवारिक अपेक्षाओं, प्रेम और अपने व्यक्तिगत सपनों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। परिवार की जिम्मेदारियों और अपनी महत्वाकांक्षाओं के बीच उलझा यह युवक हर चुनौती का सामना अपने अंदाज में करता है।

सेंसेक्स में 43 अंकों की उछाल

मुंबई। वैश्विक स्तर पर अनश्चितता के कारण कच्चे तेल के भाव में तेजी के बीच स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को मामूली तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 43 अंक के लाभ में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 13 अंक की तेजी रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 43.27 अंक यानी 0.06 प्रतिशत बढ़कर 78,542.44 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 78,676.98 अंक तक गया और नीचे में 78,298.92 अंक तक आया। इस तरह कारोबार के दौरान इसमें 378.06 अंक का उतार-चढ़ाव रहा। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी भी 13.15 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,583.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाइटन, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स और इन्फोसिस के शेयरों में तेजी रही। वहीं, भारतीय स्टेट बैंक, इटर्नल, एनटीपीसी, आईटीसी और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.10 प्रतिशत बढ़कर 84.47 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी अनिश्चितता ने निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता को प्रभावित किया। हालांकि, कंपनियों के उत्साहजनक तिमाही नतीजों से बाजार धारणा को समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अमेरिका में रोजगार के उम्मीद से कमजोर आंकड़ों ने फेडरल रिजर्व की सख्त मौद्रिक नीति की संभावनाओं को कम किया है। अब निवेशकों का ध्यान अमेरिका के महंगाई के आंकड़ों पर है, जो ब्याज दरों और बॉन्ड प्रतिफल की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। मझोली कंपनियों से जुड़ा बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.22 प्रतिशत लाभ में रहा जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप सेलेक्ट मामूली 0.16 प्रतिशत के लाभ में रहा। क्षेत्रवार सूचकांकों में रियल्टी क्षेत्र का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा। इसमें 1.60 प्रतिशत की तेजी रही। इसके अलावा उपभोक्ता टिकाऊ वस्तु क्षेत्र में 1.21 प्रतिशत, पूंजीगत वस्तुओं में 0.47 प्रतिशत, औद्योगिक क्षेत्र में 0.41 प्रतिशत, केंद्रित आईटी सूचकांक में 0.34 प्रतिशत और आईटी क्षेत्र में 0.22 प्रतिशत की बढ़त रही। वहीं, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के सूचकांक में 1.30 प्रतिशत की गिरावट आई। आवास वित्त क्षेत्र 0.59 प्रतिशत, मिडस्मॉल प्राइवेट बैंक्स क्वॉलिटी टिल्ट सूचकांक 0.55 प्रतिशत और मिडस्मॉल प्राइवेट बैंकों का सूचकांक 0.36 प्रतिशत नीचे रहा।

रुपये में कमजोरी से सोना 2000 रुपये मजबूत और चांदी 5200 रुपये चढ़ी

नयी दिल्ली। भारतीय रुपये में आई गिरावट के कारण आयात महंगा होने से राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में सोने की कीमतों में तेजी जारी रही। सोना 2,000 रुपये बढ़कर 1.56 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।

पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, पिछले सत्र में स्थिर रहने के बाद चांदी की कीमतों में भी फिर से तेजी लौट आई। सभी करों सहित चांदी 5,200 रुपये की छलांग लगाकर 2.40 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। चांदी शुक्रवार को 2,34,800 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। कारोबारियों का कहना है कि रुपये में आई गिरावट से घरेलू बाजार में आयातित सोना-चांदी महंगा हो गया, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में मामूली गिरावट ने तेजी को थोड़ा सीमित रखा। अमेरिकी डॉलर की मजबूती और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच सोमवार को रुपया 11 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ। हालिया तेजी के बाद वैश्विक बाजार में सोना लगभग स्थिर रहा, लेकिन घरेलू बाजारों में इसमें बढ़त देखी गई। निवेशक नए आर्थिक संकेतों का इंतजार कर रहे हैं, जिससे सर्राफा की कीमतें मजबूत बनी हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हाजिर सोना थोड़ा घटकर 4,335.32 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी बढ़कर 63.90 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

बिहार में 1.33 करोड़ सामाजिक सुरक्षा पेंशन धारकों के खातों में 1157.72 करोड़ अंतरित

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को पेंशन दिवस के अवसर पर राज्य के 1.33 करोड़ सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारकों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्रति व्यक्ति।,100 रुपये की दर से कुल।,157.72 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह राशि हस्तांतरित की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारक, सभी जिलों के जिलाधिकारी और अन्य गणमान्य लोग भी जुड़े। चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य के 1.33 करोड़ सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारकों के बैंक खातों में।,157.72 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि पेंशन दिवस के अवसर पर वह सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारकों के लिए पेंशन की राशि 400 रुपये से बढ़ाकर।,100 रुपये की गई है।

बाजार में कच्चा तेल 51 रुपये चढ़ कर 7475 रुपये प्रति बैरल पर

एजेंसी

नयी दिल्ली। वायदा बाजार में कच्चे तेल का भाव सोमवार को 0.69 प्रतिशत बढ़कर 7,475 रुपये प्रति बैरल रहा। हाजिर बाजार में मजबूती के बीच प्रतिभागियों के सौदा बढ़ाने से कच्चा तेल के वायदा भाव में तेजी आई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अगस्त में कच्चे तेल का भाव 51 रुपये यानी 0.69 प्रतिशत बढ़कर 7,475 रुपये प्रति बैरल रहा। वायदा कारोबार में प्रतिभागतियों के सौदा बढ़ाने से कच्चे तेल के दाम में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर, वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड का भाव 0.51 प्रतिशत बढ़कर 78.58 डॉलर प्रति बैरल पर रहा, जबकि ब्रेंट क्रूड 0.69 प्रतिशत बढ़कर 84.13 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

देश की जीडीपी में दिल्ली की हिस्सेदारी घटी : कैग रिपोर्ट

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को विधानसभा में कैग रिपोर्ट पेश की, जिसके मुताबिक राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में गिरावट का रुझान देखा गया है।

इससे पता चलता है कि देश के बाकी प्रदेशों की तुलना में दिल्ली की आर्थिक वृद्धि दर थोड़ी रही है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की वर्ष 2024-25 के लिए दिल्ली सरकार के वित्त से जुड़ी यह रिपोर्ट आम आदमी पार्टी (आप) के शासनकाल के दौरान शहर की आर्थिक स्थिति, खर्चों, कर्ज और वित्तीय अनुशासन की पड़ताल करती है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में दिल्ली का जीएसडीपी 12.15 लाख करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछले साल के मुकाबले 9.17 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। वर्ष 2024-25 में भारत की कुल जीडीपी में दिल्ली का योगदान 3.67 प्रतिशत रहा। वर्ष 2015 से 2025 के 10 साल के दौरान दिल्ली की प्रति व्यक्ति जीएसडीपी की सालाना वृद्धि दर (6.39 प्रतिशत) देश की प्रति व्यक्ति जीडीपी वृद्धि दर (8.14 प्रतिशत) से कम रही। देश की कुल अर्थव्यवस्था में दिल्ली की हिस्सेदारी पिछले 10 साल में घटी है। वर्ष 2015-16 में देश की कुल जीडीपी में दिल्ली का योगदान चार प्रतिशत था, जो 2024-25 में घटकर 3.67 प्रतिशत पर आ गया।

कच्चे तेल में तेजी से रुपया 11 पैसे टूटकर 95.28 प्रति डॉलर पर

मुंबई। मजबूत डॉलर और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच सोमवार को रुपया 11 पैसे कमजोर होकर 95.28 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर रहा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, पश्चिम एशिया वार्ता में कोई प्रगति नहीं होने और डॉलर में मजबूती से स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। हालांकि, विदेशी निवेशकों के प्रवाह ने रुपये को थोड़ा सहारा दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.18 पर खुला और कारोबार के दौरान 95.18 से लेकर 95.31 के दायरे में कारोबार करता रहा। अंत में यह 95.28 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले सत्र के मुकाबले 11 पैसे की गिरावट है। रुपया पिछले कारोबारी सत्र में शुक्रवार को 95.17 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपया पिछले सत्र के स्तर से मामूली कमजोर हुआ है। ब्रेंट क्रूड के 84 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाने और व्यापार घाटे पर इसके संभावित असर के कारण दबाव बना। हालांकि, विदेशी पोर्टफोलियो निवेश का सकारात्मक प्रवाह अगस्त में भी जारी होने से रुपये को सहारा मिल रहा है। अमेरिका एवं ईरान के बीच समझौते को लेकर अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आए उछाल से सोमवार को रुपया कमजोर हुआ। निचले स्तर से डॉलर के मजबूत होने का भी असर पड़ा, लेकिन घरेलू शेयर बाजार की मजबूती ने गिरावट को सीमित रखा। इस सप्ताह अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़े आने से पहले कारोबारी सतर्क रह सकते हैं और डॉलर एवं रुपये की विनिमय दर 95 से 95.60 के दायरे में रह सकती है। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत बढ़कर 99.66 पर था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 0.96 प्रतिशत की बढ़त के साथ 84.35 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 43.27 अंक यानी 0.06 प्रतिशत बढ़कर 78,542.44 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 13.15 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,583.80 अंक पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 480.24 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की।

राजस्व विभाग अवैध चेक-पोस्ट पर राज्यों से जमीनी हकीकत का पता लगायेः संसदीय समिति

नयी दिल्ली। संसद की एक समिति ने सोमवार को राजस्व विभाग से कहा कि वह राज्य सरकारों से बात करके जमीनी हकीकत पता लगाए कि पुलिस, वाणिज्यिक कर विभाग और राजमार्ग प्राधिकरण अब भी किन जगहों पर भौतिक चेक-पोस्ट चला रहे हैं, जिससे माल की आवाजाही पर असर पड़ रहा है। वित्त संबंधी स्थायी समिति की लोकसभा में पेश कार्वाई प्रतिवेदन रिपोर्ट में कहा गया है कि अनधिकृत चेक-पोस्ट और वाहनों की नियमित रोक-टोक होने से जीएसटी का मूल सिद्धांत एक निर्बाध, अवरोध-मुक्त राष्ट्रीय बाजार कमजोर होता है। समिति ने इस बात पर नाराजगी जताई है कि राजस्व विभाग ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इन मामलों की राज्यों के साथ पुष्टि के लिए आगे कोई कार्वाई की गई या नहीं, अथवा इस मुद्दे को जीएसटी परिषद के समक्ष उठाया गया या नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रालय ने अपने जवाब में केवल जीएसटी ढांचे के तहत मौजूदा कानूनी प्रावधानों और तकनीकी उपायों की जानकारी दी है, लेकिन अवैध चेक-पोस्ट की वास्तविक स्थिति पर कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं दी। जमीनी स्थिति का आकलन करे और जरूरी होने पर इसे जीएसटी परिषद के संज्ञान में भी लाए।

प्रीमियम स्मार्टफोन अब मेट्रो शहरों से बाहर भी तेजी से बढ़ रहे हैं: सैमसंग

नयी दिल्ली। सैमसंग इंडिया ने अपने नोएडा और बेंगलुरु स्थित रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर के बढ़ते योगदान के बारे में बताया है, जो गैलेक्सी एआई को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। भारत में बनी तकनीकें अब सैमसंग के दुनिया भर के एआई प्लान का हिस्सा बनती जा रही हैं गैलेक्सी फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी फोल्ड8 और गैलेक्सी फ्लिप8 के सफल लॉन्च के बाद, सैमसंग ने कहा कि उसके भारतीय इंजीनियर भारतीय ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर एआई एक्सपीरियंस बना रहे हैं। कंपनी का कहना है कि भारत के आर एंड डी सेंटर से मिली जानकारी गैलेक्सी एआई के फीचर बनाने में मदद कर रही है, जो सैमसंग के दुनिया भर के इनोवेशन नेटवर्क में भारत की बढ़ती भूमिका को दिखाता है।

पेज एक का शेष

अमेरिका के

है। गतिरोध के चलते नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले अमेरिका की राजनीति में ऊर्जा कीमतें बड़ा मुद्दा बनी हुई हैं। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से आवाजाही को लेकर ओमान के साथ अलग से बातचीत कर रहा है। इसमें अस्थायी रूप से जहाजों की आवाजाही के लिए एक गलियारा बनाए जाने की संभावना भी शामिल है। हालांकि, ईरान ने कहा है कि जलडमरूमध्य को वास्तव में फिर से खोलने का फैसला अमेरिका के साथ बातचीत पर निर्भर करेगा।

इजरायल ने

भी इसी तरह की बात कही थी। ट्रंप ने कहा था कि हमास के निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही इजराइली सेना गाजा से पीछे हट जाएगी। करीब 20 लाख आबादी वाले उस फलस्तीनी क्षेत्र के आधे से अधिक हिस्से पर अभी भी इजराइली सेना का नियंत्रण है। नेतन्याहू के बयान पर व्हाइट हाउस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। हमास के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य बासीम नईम ने कहा, हम अब भी तय किए गए मार्ग को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि मध्यस्थ और अमेरिका नेतन्याहू पर दबाव बनाएंगे। नेतन्याहू को अगले चुनाव से पहले घरेलू राजनीतिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

झारखंड : पुलिस

घायल हुए हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री से छात्रों की मांगों के प्रति संवेदनहीन नहीं होने की अपील की। इस मुद्दे पर नौ दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) नेता देवेंद्रनाथ महतो एंबुलेंस में बैठकर इस मार्च में शामिल हुए। इस दौरान वह पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की तस्वीर लिए हुए नजर आए। विधानसभा तक मार्च के रास्ते पर कंटीले तारों के अवरोधक लगाए जाने का विरोध करते हुए महतो ने कहा कि छात्रों के साथ हुए अन्याय को लेकर उनमें गुस्सा पनप रहा है। उन्होंने कहा सरकार हमारी आवाज दबाने पर आमादा है। अब हम कोई बातचीत नहीं करेंगे।

प्रदर्शनकारी अपने हाथों में तिरंगा और तख्तियां लिये हुए थे, जिस पर लिखा था-जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करें या सीबीआई जांच कराएं, जेएसएससी पर छापेमारी करने से क्यों बच रही है सीआईडी? और निष्पक्ष जांच कराएं, सच सामने लाएं। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हजारों युवकों और युवतियों ने एक के बाद एक अवरोधक तोड़ दिए। मार्च के दौरान तिरंगा लहराते हुए जब प्रदर्शनकारी नए विधानसभा परिसर की ओर जाने वाले मार्ग पर जगन्नाथपुर मंदिर के पास अंतिम अवरोधक तक पहुंचे तब पुलिस ने उनपर पानी की बौछारें कीं। पुलिस द्वारा पानी की बौछारें करते ही प्रदर्शनकारी नाचने लगे। लेकिन जब प्रदर्शनकारियों ने आगे बढ़ने की कोशिश की तो स्थिति बिगड़ गई और पुलिस ने उनपर लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारी विधानसभा से लगभग 200 मीटर की दूरी पर थे और भीड़ को रोकने में नाकाम रहने पर पुलिस ने आंसू गैस के कई गोले दागे। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, अगर हम विधानसभा तक नहीं पहुंच सकते तो हमारी आवाज उन तक जरूर पहुंचनी चाहिए। हम सरकार से नहीं डरते जो हमारे साथ देशद्रोहियों जैसा बर्ताव कर रही है। हमें सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा है। आंदोलन की अगुवाई कर रहे जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच ने कहा कि उसने असामाजिक तत्वों को मार्च में शामिल होने से रोकने के लिए लगभग 500 स्वयंसेवकों को तैनात किया है।

कांग्रेस ने

संहिता में संशोधन करते हुए इसका मार्ग प्रशस्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इस वर्ष पांच करोड़ घरों पर तिरंगा लहराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि हर संस्था, हर सरकारी, अर्द्ध सरकारी एवं निजी संस्थानों, उद्योगों तथा व्यापारिक संस्थानों में भी तिरंगा लहराया जाएगा। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वे तिरंगा यात्रा का हिस्सा बनें, तिरंगे को घर ले जाकर सेल्फी विद तिरंगा खींचकर उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के प्रति सम्मान का यह भाव हर नागरिक का दायित्व बनना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में गोरखपुर में निकली तिरंगा यात्रा देशभक्ति के रंग में रंगी नजर आई। नगर निगम परिसर से रेलवे स्टेशन चौक स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा तक करीब ढाई किलोमीटर की यात्रा में हजारों लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर हिस्सा लिया। इस दौरान वंदे मातरम, भारत माता की जय और राष्ट्र प्रथम के उद्घोष से पूरा मार्ग गूंजता रहा।

तिरंगा यात्रा के दौरान सड़क के दोनों ओर मौजूद लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। यात्रा में स्कूली बच्चों, एनसीसी कैडेट्स, विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संगठनों और शहरवासियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। यात्रा के शुभारंभ से पहले मुख्यमंत्री ने नगर निगम परिसर में स्थापित वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रथम स्वातंत्र्य समर में उनके योगदान को नमन किया। इसके बाद भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री टाउन हॉल पहुंचे और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तिरंगा यात्रा की अगुवाई करते हुए आगे बढ़े। यात्रा में सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मुख्यमंत्री के साथ कदम से कदम मिलाकर चले। बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे भी हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए। तिरंगा यात्रा के मार्ग में 16 स्थानों पर विभिन्न संगठनों की ओर से पुष्पवर्षा, ढोल-नगाड़ों और जयघोष के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री ने

कराएंगे। किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों की जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता का अनुरोध लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा देते हुए कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी, सरकार पर्याप्त आर्थिक सहायता देगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल के एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए धनराशि दी जाएगी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान सोमवार सुबह मुख्यमंत्री की दिनचर्या परंपरागत रही। शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। उन्होंने मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। गोशाला में सीएम योगी ने गोवंश को खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

सदन चलने

ऐसा लगता है कि उनका मकसद सदन को काम करने से रोकना है। वह नहीं चाहते कि सदन चले। इसीलिए वह पिछले 15 दिनों से कार्यवाही में व्यवधान डाल रहे हैं। नड्डा ने राहुल गांधी पर गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार करने और नकारात्मक राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। उन्होंने कहा मैं राहुल गांधी को सदन में आने की चुनौती देता हूं। हम चर्चा के लिए तैयार हैं। और मैं आपको बता दूं, आपको मुंहतोड़ जवाब मिलेगा।

युवाओं के

गंभीरता से लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम के दौरान मिले सुझावों को केवल रिकॉर्ड तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उनका विषयवार अध्ययन कर उपयोगी प्रस्तावों को चिन्हित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे सुझाव जो प्रदेश की परिस्थितियों, आवश्यकताओं और विकास की प्राथमिकताओं के अनुरूप होंगे, उनके आधार पर संबंधित विभागों के माध्यम से ठोस कार्ययोजना तैयार करने की दिशा में कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग की सोच को शासन की योजनाओं से जोड़ने से विकास की प्रक्रिया अधिक सहभागी और परिणाममुखी बनेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों के साथ संवाद का उद्देश्य केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं है। युवाओं की राय को भविष्य की योजनाओं में जगह देने के लिए सरकार आवश्यक स्तर पर कार्य करेगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को अपने सपनों और उत्तराखंड के भविष्य की कल्पना को शब्दों में व्यक्त करने का अवसर देने के लिए मेरे सपनों का उत्तराखंड : एक विकसित राज्य हेतु मेरा दृष्टिकोण विषय पर निबंध प्रतियोगिता की शुरूआत की। इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल भी लॉन्च किया गया।

मध्यप्रदेश के

अधिकारी (एसडीओपी) अरविंद सिंह ने बताया कि सोमवार को भारी बारिश के कारण क्षेत्र की नदियां और नाले उफान पर हैं। उन्होंने कहा कि पदाना बायपास के पास सड़क पर बने नाले में तेज बहाव के बावजूद चालक ने लापरवाही से वाहन उसमें उतार दिया, जिसके कुछ ही देर में पानी में डूब जाने से नौ लोगों की मौत हो गई। सिंह ने बताया कि इस संबंध में सारंगपुर थाने में मामला दर्ज किया गया है।

पहाड़ों पर भारी

पुल बह गया था। इसके बाद यहां पाइप डालकर अस्थायी रूप से आवाजाही कराई जा रही थी। करीब एक माह पहले ही बीआरओ ने यहां बैली ब्रिज तैयार किया था। सोमवार सुबह तेज बारिश के बाद तमक नाला उफान पर आ गया था।

762 नगरीय

तक किया जाएगा। 15 अगस्त से 14 सितंबर के बीच नगरीय निकायों द्वारा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर पात्र करदाताओं को इसकी जानकारी दी जाएगी। करदाताओं की सुविधा के लिए सरकार ने बकाया संपत्ति कर जमा करने के लिए अधिकतम तीन किस्तों की व्यवस्था की है। योजना लागू होने की तिथि से 30 दिन के भीतर करदाता को कुल बकाये की एक-तिहाई राशि जमा करनी होगी।

यूपी में बढ़े सीएनजी के दाम

लखनऊ। महंगाई के बीच उत्तर प्रदेश में सीएनजी इस्तेमाल करने वाले लोगों को एक बार फिर झटका लगा है। ग्रीन गैस लिमिटेड ने लखनऊ और आगरा में सीएनजी की कीमत में 3 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी की है, वहीं अयोध्या, उन्नाव और सुल्तानपुर में सीएनजी के दाम 2 रुपये प्रति किलो बढ़ाए गए हैं। मई से अब तक सीएनजी की कीमत में 8.25 रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। ग्रीन गैस के महाप्रबंधक (विपणन) प्रवीण सिंह के मुताबिक, लखनऊ और आगरा में सीएनजी की कीमत 102 रुपये से बढ़कर 105 रुपये प्रति किलो हो गई है. वहीं अयोध्या, उन्नाव और सुल्तानपुर में सीएनजी अब 101.75 रुपये प्रति किलो की दर से मिलेगी। पिछले चार महीनों में सीएनजी की कीमत में कुल 8.25 रुपये प्रति किलो तक का इजाफा हुआ है। आगरा में सीएनजी की आपूर्ति दो कंपनियों के जरिए होती है, इसलिए अलग-अलग क्षेत्रों में इसके दाम भी अलग हैं। जहां ग्रीन गैस लिमिटेड का नेटवर्क है, वहां सीएनजी 105 रुपये प्रति किलो मिल रही है। वहीं आगरा के कुछ हिस्सों में गेल गैस की आपूर्ति है, जहां कीमत 99 रुपये प्रति किलो है। यानी दोनों कंपनियों की सीएनजी कीमत में 6 रुपये प्रति किलो का अंतर है।

मीराबाई के आंसू गोल्ड मेडल जैसे लगे : पीएम मोदी

नयी दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नई दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस मुलाकात का वीडियो सोमवार को यूट्यूब पर लाइव किया गया। पीएम मोदी ने बातचीत की शुरूआत में कहा, पिछले 10-12 सालों में अगर मैं इस आवास पर नियमित रूप से किसी से मिला हूं, तो वे खिलाड़ी हैं।

10-12 सालों में खिलाड़ियों की मेहनत, लगातार सफलता और नई ऊंचाइयों को छूने की परंपरा ने देश का मान बढ़ाया है। पीएम मोदी ने वेटलिफ्टर मीराबाई चानू से कहा, आपके इतने आंसू टपक रहे थे कि मुझे लगा, हर बूंद से जैसे गोल्ड मेडल टपक रहा हो। पेरिस ओलिंपिक में मेडल से चूकने के बाद पिछले चार साल मेरे लिए बेहद मुश्किल रहे। इस दौरान मुझे लगातार चोटों और पारिवारिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने के बाद जब मैं पोडियम पर खड़ी थी और राष्ट्रगान बज रहा था, तब मैं अपने आंसू नहीं रोक सकी। चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में विमेंस वेटलिफ्टिंग की 48 ह्वॅ वेट कैटेगरी में कुल 190 किलो वजन उठाकर गोल्ड जीता था। नरेंद्र बेरवाल ने 2015 वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स का एक मजेदार किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि उनका पहला मुकाबला पाकिस्तान के बॉक्सर से था। मुकाबले से पहले भारतीय सेना की ओर से उन्हें फोन आया था। कहा गया था कि पाकिस्तान से मुकाबला नहीं हारना है। बेरवाल ने फाइट जीत ली। दोनों बॉक्सर इस दौरान चोटिल भी हुए। इसके बाद इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे। वहां पाकिस्तानी बॉक्सर ने बेरवाल से कहा- भाईजान, एक बात बोलूं, आपका नाम नरेंद्र है, आपके कोच का नाम नरेंद्र है और आपके प्रधानमंत्री का नाम भी नरेंद्र है। इसके बाद उसने मजाक में कहा कि उसे 'नरेंद्र' नाम से ही नफरत हो गई है। किस्सा सुनकर पीएम मोदी भी हंस पड़े।

भारतीय मूल के बोधना सिवानंदन और श्रेयस रॉयल ने ब्रिटिश शतरंज जीतकर रचा इतिहास

लंदन। भारतीय मूल की 11 वर्षीय शतरंज प्रतिभा बोधना सिवानंदन और 17 वर्षीय श्रेयस रॉयल ने सप्ताहांत में 2026 ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रच दिया। कोवेंट्री में रविवार को संपन्न हुई प्रतियोगिता में बोधना ब्रिटेन की अब तक की सबसे कम उम्र की महिला शतरंज चैंपियन बन गईं। मुकाबले के दौरान दर्शक उन्हें प्यार से गोधना कहकर उत्साहित कर रहे थे।

उन्होंने आयरलैंड की 14 वर्षीय उभरती हुई खिलाड़ी त्रिशा कन्यमाराला को रोमांचक रैपिड शतरंज प्लेऑफ में हराकर खिताब अपने नाम किया। इंग्लिश चेस फेडरेशन (ईसीएफ) के लिए कमेंट्री कर रहे ग्रैंडमास्टर डैनी गोर्मली ने कहा, अविश्वसनीयउ बोधना जीत गई हैं। वह कमाल की खिलाड़ी हैं, एक ऐसी प्रतिभा जो पीढ़ी में एक बार ही देखने को मिलती है। बोधना ने कोविड-19 महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन में पहली बार शतरंज खेलना शुरू किया था जब उनके पिता के एक मित्र भारत लौट रहे थे और जाते समय कुछ बैग छोड़ गए थे जिनमें एक शतरंज का बोर्ड भी था। उस समय बोधना ने कहा था, मुझे शतरंज के मोहरे बहुत आकर्षक लगे, इसलिए मैंने खेलना शुरू कर दिया। इसके बाद से उत्तर-पश्चिम लंदन की इस स्कूली छात्रा ने लगातार कई रिकॉर्ड तोड़े हैं और सबसे कम उम्र की सफल खिलाड़ियों में अपनी पहचान बनाई है।

शतरंज के तेज प्रारूपों में वह पहले ही यूके ओपन महिला ब्लिट्ज चैंपियन और संयुक्त ब्रिटिश महिला रैपिड चैंपियन बन चुकी हैं। अब क्लासिकल प्रारूप की इस जीत के साथ 11 वर्षीय बोधना ने शानदार हैट्रिक पूरी कर ली है। इस चैंपियनशिप में उनकी एकमात्र हार छठे दौर में श्रेयस रॉयल के खिलाफ हुई। वहीं श्रेयस रॉयल ने नौ दौर के बाद तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर कुल अंक से ब्रिटिश खिताब अपने नाम किया। उन्होंने इंग्लैंड के अनुभवी ग्रैंडमास्टर्स को आधे अंक से पीछे छोड़ दिया।

अपने पहले ब्रिटिश खिताब के साथ उन्होंने विश्व स्तरीय उभरती हुई शतरंज प्रतिभा के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर ली है। इंग्लैंड के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर बनने के बाद श्रेयस ने कहा था, चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, लगातार प्रयास करते रहिए। दक्षिण-पूर्व लंदन के इस किशोर खिलाड़ी ने आगे चलकर ब्रिटेन के प्रमुख युवा शतरंज खिलाड़ियों में अपना स्थान बनाया। इस वर्ष की चैंपियनशिप में उन्होंने शुरुआत से ही साबित कर दिया कि वह स्थापित दिग्गज खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती देने में सक्षम हैं और टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ खिताब की दौड़ में सबसे मजबूत दावेदार बन गए।

भारत में जन्में श्रेयस तीन वर्ष की उम्र में अपने माता-पिता जितेंद्र और अंजू सिंह के साथ बेंगलुरु से ब्रिटेन चले गए थे। लगभग आठ वर्ष पहले ईसीएफ ने गृह मंत्रालय (होम ऑफिस) से विशेष अनुरोध किया था कि इस असाधारण प्रतिभाशाली खिलाड़ी को ब्रिटेन में रहने और अपनी प्रतिभा को निखारने की अनुमति दी जाए। पूर्व मंत्री साजिद जाविद ने श्रेयस की इस जीत के बाद सोशल मीडिया पर लिखा, 2018 में गृह सचिव के रूप में मैंने श्रेयस और उनके परिवार को ब्रिटेन में रहने की अनुमति देने का निर्णय लिया था। उनकी असाधारण प्रतिभा को खिलते हुए देखना बेहद सुखद है। श्रेयस, पूरे ब्रिटेन को आप पर गर्व है।

संक्षेप

मोहन बागान डूरंड कप के क्वार्टर फाइनल में

कोलकाता। मोहन बागान सुपर जायंट ने 135वें डूरंड कप में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स को 6-0 से करारी शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मोहन बागान की जीत के नायक साहल अब्दुल समद रहे जिन्होंने पहले हाफ में ही हैट्रिक जमाई। उन्होंने 17वें, 19वें और 37वें मिनट में गोल किए। उनके अलावा मनवीर सिंह (24वें मिनट), जेमी मैकलारेन (68वें मिनट) और टेकचाम अभिषेक सिंह (73वें मिनट) ने भी गोल दागे। इस जीत के साथ मोहन बागान ने ग्रुप ए में नौ अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स का अभियान बिना कोई अंक हासिल किए समाप्त हो गया।

जीव ने स्कॉटलैंड में पीजीए सीनियर्स में 7स्थान पर

एबेरडीन। भारत के दिग्गज गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने यहां अंतिम दौर में दो-अंडर 70 का कार्ड खेलकर 2026 स्टेश्योर पीजीए सीनियर्स चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से सातवां स्थान हासिल किया। जीव (54 वर्ष) ने पिछले सत्र में आईजीपीएल कोलंबो में खिताब जीता था। उन्होंने 76, 71, 69 और 70 के कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर दो अंडर रहा। दक्षिण अफ्रीका के डैरेन फिचार्ड्ट ने एबरडीन के ट्रम्प इंटरनेशनल गोल्फ लिंक्स में पांच शॉट के अंतर से 2026 पीजीए सीनियर्स का खिताब जीता। एक अन्य भारतीय गोल्फर ज्योति रंधावा 74 और 79 के कार्ड खेलने के कारण कट हासिल करने से चूक गए थे। जीव कई सर्किट में खेल रहे हैं जिनमें भारत में आईजीपीएल, एशियाई टूर, यूरोपीय सीनियर और जापान सीनियर टूर शामिल हैं। अंतिम दौर में तेज हवाओं के बीच जीव ने फ्रंट नाइन के शुरुआती पांच होल में से दो बोगी लगाईं। इसके बाद जीव ने वापसी करते हुए छठे, 10वें, 13वें और 15वें होल में चार बर्डी लगाईं। हालांकि 16वें होल पर एक शॉट गंवाने के बाद उन्होंने 17वें होल पर बर्डी लगाकर इसकी भरपाई की।

चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हटे सिनर

सिनसिनाटी। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से हट गए हैं। सिनर ने पिछले महीने लगातार दूसरी बार विंबलडन का खिताब जीतने के बाद से किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया है। उन्होंने बुधवार से टोरंटो में शुरू हुए टूर्नामेंट से भी नाम वापस ले लिया था। 24 वर्षीय सिनर ने अब तक पांच ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं और करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए उन्हें केवल फ्रेंच ओपन जीतने की जरूरत है।

सिनर ने कहा, अपने चिकित्सकों और अपनी टीम से परामर्श करने के बाद मैंने सिनसिनाटी में होने वाले मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। मेरे दाहिने घुटने में दर्द है और मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं। सिनर से पहले कार्लोस अल्काराज़ ने भी कलाई की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हटने का फैसला किया था। इस टूर्नामेंट में पुरुष एकल के मुकाबले शनिवार से शुरू होंगे।

हैम्पशायर ने ससेक्स को 51 रन से हराया

इंग्लैंड डोमेस्टिक वनडे-टोबी ने 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाए:37 गेंद में 86 रन बनाये

एजेंसी

होव। इंग्लैंड के वनडे कप में हैम्पशायर के बल्लेबाज टोबी अल्बर्ट ने लगातार 6 गेंदों पर 6 छक्के लगा दिया। उन्होंने ससेक्स के खिलाफ सिर्फ 37 गेंदों में 86 रन की तेज पारी खेली। अल्बर्ट ने पहले ओवर में 2 छक्के आए। इसके बाद अगले ओवर में उन्होंने लगातार 4 गेंदों को सिक्स के लिए भेज दिया। अल्बर्ट की पारी के बदौलत हैम्पशायर ने 383/9 रन बनाए। जवाब में ससेक्स 332 रन पर ऑलआउट हो गई। हैम्पशायर ने मुकाबला 51 रन से जीत लिया। अल्बर्ट जब बल्लेबाजी करने आए, तब हैम्पशायर का स्कोर 200 रन के पार पहुंच चुका था। उन्होंने आते ही रन बनाने की रफ्तार बढ़ा दी।

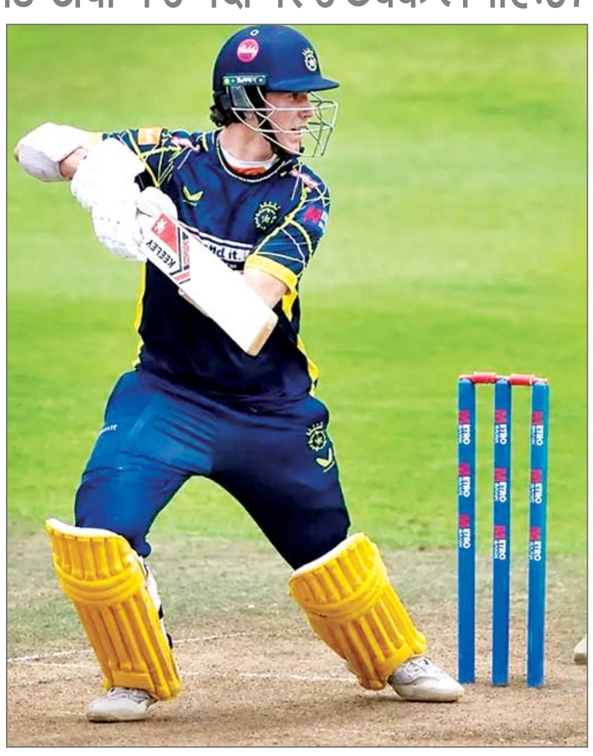

ससेक्स के नैंटेस ओस्टहुइजन गेंदबाजी कर रहे थे। अल्बर्ट ने उनके ओवर में लगातार दो छक्के लगाए। इसके बाद अगला ओवर ओली कर्टली लेकर आए। अल्बर्ट ने उनकी लगातार चार गेंदों पर चार छक्के जड़ दिए। हालांकि, इन छक्कों को एक ओवर में लगाए गए 6 छक्कों का रिकॉर्ड नहीं माना जाएगा। वजह यह है कि ये दो अलग-अलग ओवर में आए। अल्बर्ट ने 37 गेंदों पर 86 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 5 चौके और 8 छक्के निकले। उनका स्ट्राइक रेट 232 का रहा। अल्बर्ट को 21 रन के स्कोर पर जीवनदान भी मिला। हैम्पशायर की शुरूआत शानदार रही। एक समय टीम का स्कोर 225 रन बिना किसी नुकसान के था। ओपनर अली ऑर और 18 साल के बेन मेयस दोनों ने शतक लगाए। ऑर ने 105 रन बनाए। उन्होंने 14 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं मेयस ने 109 रन की पारी खेली। यह उनका लिस्ट-ए क्रिकेट में पहला शतक था। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी सिर्फ 92 गेंदों में पूरी हुई थी। हैम्पशायर ने 189 गेंदों में 200 रन पूरे कर लिए थे। अल्बर्ट के बाद एडी जैक ने 5 गेंदों पर 20 रन बनाए। उन्होंने भी एक छक्का लगाया। हैम्पशायर ने 50 ओवर में 383/9 का स्कोर खड़ा कर दिया। यह हैम्पशायर का लिस्ट-ए क्रिकेट में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

टीम का सबसे बड़ा स्कोर 396/5 है। यह 2022 में केंट के खिलाफ बनाया गया था। ससेक्स की शुरूआत खराब रही। टॉम हेन्स और ओली कार्टर जल्दी आउट हो गए। इसके बाद चार्ली टियर ने पारी संभाली। उन्होंने 94 गेंदों पर 111 रन बनाए। टियर ने 13 चौके और 2 छक्के लगाए। 20 ओवर के बाद ससेक्स का स्कोर 146/2 था। टियर के आउट होने के बाद जैक लीनिंग ने 92 रन बनाए। डैन इब्राहिम ने 55 रन की पारी खेली। दोनों ने ससेक्स की पारी को संभालने की कोशिश की। लेकिन जरूरी रन रेट लगातार बढ़ता गया।

ई-स्पोर्ट विश्व कप 2026 : भारत की दो टीमें पीएमडब्ल्यूसी ग्रांड फाइनल में

पेरिस। ओरंगुटान और गॉडलाइक ई-स्पोर्ट ने यहां जारी ई-स्पोर्ट विश्व कप 2026 में पबजी मोबाइल विश्व कप (पीएमडब्ल्यूसी) के फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय टीमें बनने का गौरव हासिल किया है। यहां जारी विज्ञप्ति के मुताबिक पीएमडब्ल्यूसी ग्रुप चरण में ओरंगुटान और गॉडलाइक ई-स्पोर्ट ने अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष पांच में रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। प्रतियोगिता में 32 टीमों को 16-16 के दो ग्रुप में बांटा गया था और प्रत्येक टीम ने 12 मुकाबले खेले। ओरंगुटान ने ग्रुप-ए में 91 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वह ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली फोर थ्राइव से 16 अंक पीछे रही। वहीं, गॉडलाइक ई-स्पोर्ट ने ग्रुप-बी में 105 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। पीएमडब्ल्यूसी के ग्रैंड फाइनल मुकाबले 14 से 16 अगस्त तक खेले जाएंगे।

भारत ने राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैंपियनशिप में 17 पदक जीते

नयी दिल्ली। भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दबदबा बनाते हुए नाइजीरिया के लागोस में चल रही अंडर-23 राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदकों सहित 17 पदक जीते। रविवार से शुरू हुई और 14 अगस्त तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के पहले दिन भारतीय टीम ने चार स्वर्ण, चार रजत और नौ कांस्य पदक जीते।

भारतीय तलवारबाजी संघ की विज्ञप्ति के अनुसार भारत ने सेबर, फॉइल और ईपी श्रेणियों की सभी छह व्यक्तिगत स्पर्धाओं में कम से कम एक पदक जरूर जीता। पुरुषों के सेबर में निखिल वाघ ने स्वर्ण पदक जीता। लक्ष्य बदसर ने रजत पदक हासिल किया, जबकि अश्विनी आर्य और लैशराम मोरम्बा ने कांस्य पदक जीते। पुरुषों की फॉइल स्पर्धा में तेजस पाटिल ने रजत पदक और हेमश सनसम ने कांस्य पदक जीता। पुरुषों की ईपी स्पर्धा में लोकेश वेमानी ने रजत पदक हासिल किया, जबकि शौर्य अश्विनी और गॉडविन अनबकेस ने कांस्य पदक जीते। जोइस आशिता ने महिला फॉइल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि कनागलक्ष्मी ने रजत पदक हासिल किया। महिला ईपी स्पर्धा में प्राची लोहान ने स्वर्ण पदक जबकि निवेद्या नायर और अनुप्रिया ने कांस्य पदक जीते। महिलाओं की सेबर स्पर्धा में जेफरलिन ने स्वर्ण पदक, आखारी ने रजत पदक और श्रेया गुप्ता ने कांस्य पदक जीता।

भारत को विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में तीन पदक, पूजा और महिला रिले टीम ने निराश किया

यूजीन (अमेरिका)। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक उंची कूद की एथलीट पूजा सिंह उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकीं और फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं, जिससे भारत ने यहां विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप में तीन पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। 19 वर्षीय पूजा केवल 1.84 मीटर की उंचाई ही पार कर सकीं, जो उनके सीनियर स्तर पर राष्ट्रीय रिकॉर्ड 1.93 मीटर से काफी कम है। वह तीन प्रयासों में 1.87 मीटर की उंचाई पार करने में नाकाम रहीं। ऑस्ट्रेलिया की इज़ोबेल लुइसन-रो ने 1.92 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि हंगरी की लिलियाना बटोरी (1.90 मीटर) और स्पेन की ऐताना अलोंसो (1.90 मीटर) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए। पूजा ने मई में 1.93 मीटर के सीनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। वह सीनियर एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मौजूदा स्वर्ण पदक विजेता भी हैं। भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम फाइनल में नौवें और अंतिम स्थान पर रही। उसने तीन मिनट 45.28 सेकंड का समय लिया। टीम में भूमिका नेहते, ताहूरा खातून, तनु चौधरी और थिया अरुमुगम शामिल थीं। अमेरिका ने 3:29.15 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया (3:31.39 सेकंड) और ग्रेट ब्रिटेन (3:32.08 सेकंड) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए। भारत ने इस तरह से प्रतियोगिता में तीन पदकों के साथ अपने अभियान का समापन किया जिसमें दो रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं।

कोरिया के खिलाफ मुकाबले के लिए भारत की मुख्य टीम बरकरार

एजेंसी

नयी दिल्ली, 10 अगस्त (भाषा) मानस धामने को सोमवार को पहली बार भारत की मुख्य डेविस कप टीम में शामिल किया गया जबकि टीम प्रबंधन ने सितंबर में सोल में दक्षिण कोरिया के खिलाफ होने वाले क्वालीफायर राउंड दो मुकाबले के लिए उस मुख्य टीम को बरकरार रखा है जिसने नीदरलैंड के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। विश्व रैंकिंग में 362वें स्थान पर काबिज और भारत के दूसरे नंबर के एकल खिलाड़ी धामने (19 वर्ष) लंबे समय से सीनियर टीम में जगह बनाने की दहलीज पर थे। अब वह अनुभवी सुमित नागल (रैंकिंग 235) और बेंगलुरु में पिछले मुकाबले के स्टार रहे दक्षिणेश्वर सुरेश (रैंकिंग 393) के साथ भारत के एकल दल का हिस्सा होंगे। युगल वर्ग में युकी भांबरी (रैंकिंग 28) और एन श्रीराम बालाजी (रैंकिंग 57) की जोड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। रिजर्व खिलाड़ियों के रूप में सिद्धार्थ रावत (रैंकिंग 536) और जूनियर ग्रैंड स्लैम में हिस्सा ले चुके उभरते खिलाड़ी अर्णव पापरकर को चुना गया है।

❍ मानस धामने पहली बार डेविस कप टीम में

चयन समिति के एक सदस्य ने पीटीआई से कहा, ज्यादातर खिलाड़ियों का चयन उनके प्रदर्शन के आधार पर स्वतः तय था। पिछली बार मानस उपलब्ध नहीं थे लेकिन इस बार उपलब्ध हैं।

अशोक अकादमी, क्लच स्क्वाड, एबीए हूपर्स विजेता

खेल संवाददाता

लखनऊ। एसएनआई सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस, मॉडर्न एकेडमी स्कूल, विनय खंड-2, गोमती नगर में आयोजित 3७3 मॉनसून बास्केटबॉल लीग-सीजन 1 में विभिन्न आयु वर्गों के फाइनल मुकाबलों के साथ चैंपियनों का फैसला हो गया। अंडर-14 बालक वर्ग में अशोक अकादमी, अंडर-17 बालक वर्ग में क्लच स्क्वाड, अंडर-19 बालक वर्ग में एबीए हूपर्स, अंडर-17 बालिका वर्ग में स्विश और अंडर-19 बालिका वर्ग में स्विश स्क्वाड 2.0 ने खिताब अपने नाम किया। स्पोर्ट्स नेटवर्क इंडिया के तत्वावधान में सुपर गोल्डन लीग द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिता में 35 से अधिक टीमों ने हिस्सा लिया। इस दौरान फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और कई मुकाबलों में रोमांचक संघर्ष देखने को मिला। लीग के फाइनल मुकाबलों में अंडर-14 बालक वर्ग के फाइनल में अशोक अकादमी ने कांटे की टक्कर में अल्फा हूपर्स को 14झ13 से हराया। इससे पूर्व सेमीफाइनल में अशोक अकादमी ने नाइटमेयर को 11-4 से जबकि अल्फा हूपर्स ने एसटीपी को 15-14 से शिकस्त देकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। अंडर-17 बालक वर्ग के फाइनल में क्लच स्क्वाड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अशोक अकादमी को 17झ8 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। सेमीफाइनल में क्लच स्क्वाड ने एबीए को 5-3 से और अशोक अकादमी ने टीएसजेड को 11-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अंडर-19 बालक वर्ग के फाइनल में एबीए हूपर्स ने वास्तेगुना हुईया को 22झ14 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

❍ मॉनसून बास्केटबॉल लीग-सीजन 1

महिला हॉकी विश्व कप : आसान नही रहा भारत का 1974 से 2022 तक का सफर

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय हॉकी का जिक्र होता है तो आठ बार की ओलंपिक चैम्पियन पुरूष टीम की समृद्ध विरासत की बात होती है लेकिन महिला हॉकी का सफर संघर्षों और खुद को साबित करने की ललक का रहा है। फ्रांस में 1974 में खेले गए पहले विश्व कप में चौथे स्थान पर रहने से 2022 में नौवे स्थान पर रहने तक भारतीय महिला हॉकी टीम का सफर संघर्षों से भरा रहा है और अब तक हुए 15 संस्करणों में यह टीम आठ बार ही नजर आई है।

महिला हॉकी विश्व कप आज तक सिर्फ चार टीमों ने जीता है जिनमें नीदरलैंड नौ बार चैम्पियन रही जबकि अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया और जर्मनी ने दो दो बार खिताब जीता। अजिंदर कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने नीदरलैंड जैसी मजबूत टीम को ग्रुप चरण में हराकर सभी को चौंका दिया था।

मैक्सिको और स्पेन को हराने वाली यह टीम बेल्जियम से एकमात्र पराजय के बाद ग्रुप में शीर्ष पर रही लेकिन सेमीफाइनल में अर्जेंटीना एक गोल से हार गई। कांस्य पदक के मुकाबले में उसे पश्चिम जर्मनी ने 2-0 से हराया। भारतीय टीम भले ही पदक नहीं जीत पाई लेकिन इस ऐतिहासिक प्रदर्शन ने देश में महिला हॉकी को गंभीरता से लेने पर मजबूर किया। नीदरलैंड ने अर्जेंटीना को एक गोल से हराकर खिताब जीता और पूरे टूर्नामेंट में नीदरलैंड को हराया तो सिर्फ भारत ने।

यूपी टी-20 लीग में शामिल होंगे डिप्टी सीएम

खेल संवाददाता

लखनऊ। यूपी टी-20 लीग के सीजन-4 के आगाज से पहले यूपी टी-20 लीग गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मुलाकात कर उन्हें लीग के लिए आमंत्रित किया। सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से मुलाकात के दौरान डॉ. संजय कपूर ने उन्हें यूपी टी-20 लीग के सीजन-4 के आयोजन को लेकर जानकारी साझा की और लीग के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर यूपी टी-20 लीग गवर्निंग काउंसिल के सदस्य संजीव कुमार सिंह भी मौजूद रहे। वहीं, इससे पहले रविवार को डॉ. संजय कपूर ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मुलाकात की थी और उन्हें यूपी टी-20 लीग के सीजन-4 के लिए आमंत्रित करते हुए लीग के बारे में जानकारी साझा की। डॉ. संजय कपूर ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मुलाकात के दौरान लीग के आयोजन और प्रदेश में क्रिकेट को बढ़ावा देने को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि इस सीजन भी प्रदेश के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ-साथ अनुभवी खिलाड़ियों से सीखने का बेहतरीन अवसर मिलेगा।

❍ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से मिले डॉ. संजय कपूर

❍ सीजन-4 के आयोजन को लेकर साझा की जानकारी, लीग के लिए किया आमंत्रित

बीबीडी यूनिवर्सिटी में प्रशांत वीर सुनाया धोनी से मुलाकात का किस्सा

खेल संवाददाता

लखनऊ। यूपी टी-20 लीग सीजन-4 के विशेष ट्रॉफी टूर अभियान के तहत सोमवार को ट्रॉफी लखनऊ के तीन शिक्षण संस्थानों में पहुंची। स्टूडेंट्स को ट्रॉफी को करीब से देखने और खिलाड़ियों से संवाद का अवसर मिला। इस दौरान नोएडा किंग्स के प्रशांत वीर और माधव कौशिक ने अपने क्रिकेट सफर से जुड़े दिलचस्प अनुभव साझा किए। सोमवार को ट्रॉफी टूर की शुरूआत सेंट डोमिनिक सेवियो कॉलेज से हुई, जहां कानपुर सुपरस्टार्स के आदर्श सिंह ने स्टूडेंट्स से संवाद किया। इसके बाद बाबा गुरुकुल अकादमी में कानपुर सुपरस्टार्स के मोहम्मद अमान ने स्टूडेंट्स से मुलाकात की। ट्रॉफी टूर के अंतिम पड़ाव में बीबीडी यूनिवर्सिटी में नोएडा किंग्स के प्रशांत वीर और माधव कौशिक ने स्टूडेंट्स से बातचीत की। इस दौरान यूपीसीए के कोषाध्यक्ष सचिन आनंद शुक्ला भी मौजूद रहे।

❍ माधव कौशिक ने बताई टैटू की कहानी

बीबीडी यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के बीच प्रशांत वीर ने आईपीएल के दौरान चेन्नई सुपर किंग्स के ड्रेसिंग रूम में पहली बार जाने का अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि वहां भारतीय क्रिकेट के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी से मुलाकात हुई। प्रशांत ने धोनी से हाथ मिलाया, हाथ जोड़कर नमस्ते किया और फिर वहां से अलग हट गए। उन्होंने बताया कि इतने बड़े खिलाड़ी के सामने होने के कारण स्वाभाविक रूप से थोड़ी झिझक और नर्वसनेस थी, इसलिए उन्होंने ज्यादा बातचीत नहीं की। अमेठी के रहने वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज और बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स स्पिन गेंदबाज प्रशांत वीर को दिसंबर 2025 में हुए आईपीएल मिनी ऑक्शन में उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स ने 14.20 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर खरीदा था, जिससे वे आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बने। प्रशांत ने यूपी टी-20 लीग से जुड़े अपने यादगार पल का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पहले सीजन में काशी रुद्रास के खिलाफ मुकाबले में अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाई थी। उन्होंने इस पल को अपने क्रिकेट सफर के यादगार लम्हों में शामिल बताया। प्रशांत शुरू से ही नोएडा किंग्स का हिस्सा रहे है। माधव कौशिक ने अपने टैटू को लेकर पूछे गए सवाल पर बताया कि उनके शरीर पर बने सभी टैटू किसी न किसी खास संदेश को दशार्ते हैं।

देश में 5.3 प्रतिशत बढ़े सड़क हादसे

सड़क दुर्घटनाओं में मौतों का आंकड़ा शून्य करने की दिशा में काम कर रहा राजमार्ग मंत्रालय: गडकरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि सरकार सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या शून्य पर लाने की दिशा में काम कर रही है। इसके लिए अधिक दुर्घटनाओं वाले 100 जिलों की पहचान कर वहां तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। गडकरी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों की संख्या आधी करना है। सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए लोगों के व्यवहार में बदलाव लाना और यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना सबसे बड़ी चुनौती है।

उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में मौतों को शून्य पर लाने के लिए काम किया जा रहा है। अधिक दुर्घटनाओं वाले 100 जिलों की पहचान की गई है और दुर्घटना संभावित स्थलों पर तत्काल सुधार के उपाय किए जा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में देश में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या 5.3 प्रतिशत बढ़कर 5.13 लाख से अधिक हो गई। इन दुर्घटनाओं में 1,83,382 लोगों की मौत हुई, यानी औसतन हर घंटे 21 लोगों की जान गई। इस दौरान देश में हर घंटे औसतन 59 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। गडकरी ने कहा कि वर्ष 2026 की पहली छमाही में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस विभागों ने देशभर में 2,85,770 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतें दोपहिया वाहनों से जुड़े मामलों में हुईं। इसके बाद कार, टैक्सी, वैन और अन्य हल्के मोटर वाहनों तथा ट्रकों का स्थान रहा। गडकरी ने कहा कि यदि दोपहिया वाहन चालक हेलमेट पहनना सुनिश्चित करें तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और गंभीर चोटों में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि सड़क उपयोगकर्ताओं की श्रेणी में कुल मौतों में दोपहिया वाहन चालकों की हिस्सेदारी सबसे अधिक 46.2 प्रतिशत रही। इसके बाद पैदल यात्रियों की हिस्सेदारी 20.6 प्रतिशत और कार, टैक्सी, वैन तथा अन्य हल्के मोटर वाहनों में यात्रा करने वालों की 12.4 प्रतिशत रही। गडकरी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं से देश को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग तीन प्रतिशत आर्थिक नुकसान होता है। इससे निपटने के लिए सड़क अभियांत्रिकी, सुरक्षित वाहन निर्माण और यातायात नियमों के कड़े अनुपालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने सड़क परिवहन मंत्री का पद संभाला था तब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 14 लाख करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये हो गया है। अमेरिका का वाहन उद्योग 78 लाख करोड़ रुपये, चीन का 47 लाख करोड़ रुपये और भारत का 22 लाख करोड़ रुपये का है। गडकरी ने कहा कि देश में वाहन उद्योग ने अब तक 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार दिया है।

भारत, एसएसीयू समूह 12 अगस्त को व्यापार समझौते के लिए संदर्भ शर्तों पर कर सकते हैं हस्ताक्षर

नयी दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के नेतृत्व वाले एसएसीयू समूह के बीच तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए) की बातचीत शुरू करने के लिए 12 अगस्त को संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर हो सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ (एसएसीयू) के पांच सदस्य देशों में बोत्सवाना, इस्वातिनी (पूर्व में स्वाजीलैंड), लेसोथो, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। ब्रिक्स व्यापार और उद्योग मंत्रियों की बैठक के मौके पर वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दक्षिण अफ्रीका के व्यापार, उद्योग और प्रतिस्पर्धा मंत्री पार्क ताऊसे मुलाकात की। गोयल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि हमने भारत-एसएसीयू पीटीए के लिए संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर करने और वार्ताओं के जल्द पूरा पर चर्चा की। हमने भारत-दक्षिण अफ्रीका व्यापार जुड़ाव को मजबूत करने के साथ ही महत्वपूर्ण खनिजों, दवा और विनिर्माण क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों को तलाशा। अधिकारी ने बताया कि संदर्भ शर्तों पर 12 अगस्त को हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। ऐसे समझौतों के तहत दो व्यापारिक भागीदार एक-दूसरे को वस्तुओं पर सीमा शुल्क में छूट देते हैं, ताकि आपस में व्यापार को बढ़ावा दिया जा सके। साल 2008 में दोनों पक्षों ने एक प्रस्तावित समझौते के लिए बातचीत की थी, लेकिन बाजार तक पहुंच के मुद्दों के कारण यह बातचीत अटक गई थी।

संक्षेप

भारतीय उच्चायुक्त ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री से मुलाकात की

ढाका। पिछले हफ्ते नयी दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के डिजिटल तरीके से मीडिया से बातचीत करने को लेकर दोनों देशों के रिश्तों में फिर से उत्पन्न तनाव के बीच बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने सोमवार को प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की। नयी दिल्ली में बांग्लादेश के उच्चायोग ने एक्स पर पोस्ट किया कि यह मुलाकात करीब आधे घंटे चली तथा इससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध और एवं साझेदारी की मजबूती में मदद मिलने की उम्मीद है। तत्काल यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि सोमवार की इस मुलाकात के बीच दोनों पक्षों ने क्या बातचीत की। ढाका में भारत के उच्चायुक्त के तौर पर पदभार संभालने के छह हफ्ते से भी अधिक समय बाद त्रिवेदी की यह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री से पहली मुलाकात है। वह भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं तथा उच्चायुक्त के तौर पर उन्हें केंद्रीय मंत्री का दर्जा प्राप्त है। वह यह राजनयिक पद संभालने वाले पहले नेता हैं। यह बैठक ऐसे कयासों के बीच हुई कि रहमान, जिन्हें भारत ने नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है, 12-13 सितंबर को होने वाले इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकते हैं। नयी दिल्ली में हसीना के प्रेस को डिजिटल तरीके से संबोधित करने के बाद भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में तनाव आ गया है।

नीट प्रश्नपत्र लीक : कोर्ट ने लाई-डिटेक्टर टेस्ट कराने की तीन आरोपियों की याचिका खारिज की

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मामले की सुनवाई कर रही दिल्ली की एक विशेष त्वरित अदालत ने सोमवार को तीन आरोपियों की एक याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने अपनी इच्छा से लाई डिटेक्टर टेस्ट और ब्रेन मैपिंग कराने का अनुरोध किया था।

विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता ने तीन आरोपियों मंगल लाल बीवाल, दिनेश बीवाल और विकास बीवाल की याचिका खारिज कर दी। उन्होंने पॉलीग्राफ (लाई डिटेक्टर) टेस्ट और ब्रेन इलेक्ट्रिकल एक्टिवेशन प्रोफाइल (बीईएपी) जांच कराने की अनुमति मांगी थी। बीईएपी को ब्रेन मैपिंग भी कहा जाता है। लाई-डिटेक्टर टेस्ट के जरिये यह पता लगाने की कोशिश की जाती है कि कोई व्यक्ति सच बोल रहा है या झूठ। ब्रेन मैपिंग में यह देखा जाता है कि कोई खास जानकारी सामने आने पर व्यक्ति के दिमाग में कोई खास प्रतिक्रिया होती है या नहीं। याचिका में अदालत से इन जांच के लिए अनुमति मांगी गई थी। याचिका में कहा गया है कि आरोपी अपनी ईमानदारी साबित करना चाहते हैं और निष्पक्ष व पारदर्शी जांच के लिए एजेंसी की मदद करना चाहते हैं। आदेश की विस्तृत जानकारी अभी उपलब्ध नहीं हुई है।

इस बीच, अदालत ने मामले में 13 आरोपियों के खिलाफ सीबीआई के आरोपपत्र पर संज्ञान लेने पर फैसला 12 अगस्त तक के लिए टाल दिया।

झारखंड में छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग निंदनीय: राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्रों पर बल प्रयोग की निंदा करते हुए कहा कि राज्य सरकार को बातचीत करके समस्या का समाधान निकालना चाहिए। राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार में कांग्रेस भी शामिल है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में गांधी ने कहा कि कांग्रेस शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ हिंसा की निंदा करती है, चाहे ऐसी घटना कहीं भी हुई हो। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि झारखंड के छात्रों के लिए मुझे यही कहना है कि हम शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ हिंसा की निंदा करते हैं। यह मायने नहीं रखता कि यह कहां हो रहा है, हम इसकी निंदा करते हैं। हम इसकी (हिंसा) सलाह नहीं देते, हम इसका समर्थन नहीं करते। हमें इसको लेकर कोई असमंजस नहीं है। गांधी ने कहा कि जब प्रदर्शन शांतिपूर्वक हो रहा है तब हम उसके विरूद्ध हिंसा का प्रयोग करने के खिलाफ हैं। उन्होने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि झारखंड में विरोध-प्रदर्शन कर रहे छात्रों के ख़िलाफ़ बल का इस्तेमाल ग़लत है। छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है और बातचीत से ही समाधान निकल सकता है। झारखंड सरकार को इन छात्रों की बात सुननी चाहिए और हर समस्या का तुरंत समाधान करना चाहिए। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में झारखंड में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने अवरोधक तोड़ दिए और राज्य विधानसभा तक पहुंचने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने उनपर पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया, आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। इस बीच, आज दोपहर विधानसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। कई प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस की कार्वाई में वे घायल हो गए। यह कार्वाई उस वक्त हुई जब प्रदर्शनकारी नए विधानसभा परिसर की ओर जाने वाले मार्ग पर जगन्नाथपुर मंदिर के पास अंतिम अवरोधक तक पहुंच गए। वर्तमान में झारखंड विधानसभा का सत्र चल रहा है।

रूस में यूक्रेन का ड्रोन हमला, 13 की मौत

एजेंसी

कीव। रूस के निजनेकाम्स्क शहर में यूक्रेन की ओर से सोमवार को किए गए ड्रोन हमले में 13 लोगों की मौत हो गई और 48 अन्य घायल हो गए। तातारस्तान क्षेत्र के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

हालांकि, अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि यूक्रेनी ड्रोन ने किस चीज को निशाना बनाया, लेकिन यह शहर रूस का एक अहम तेल शोधन केंद्र है, जहां दो बड़ी रिफाइनरी और एक पेट्रोकेमिकल संयंत्र मौजूद हैं। यूक्रेन ने हाल के महीनों में लगभग रोज ही लंबी दूरी के ड्रोन के जरिये रूस के तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। इन हमलों से रूस में ईंधन की कमी की स्थिति पैदा हुई है, तेल शोधन क्षमता प्रभावित हुई है और आम जनता में चिंता बढ़ी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का कहना है कि यह अभियान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बातचीत की मेज पर आने और चार साल से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए मजबूर करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

तातारस्तान प्रमुख रुस्तम मिन्निखानोव के प्रेस सेवा कार्यालय के मुताबिक, निजनेकाम्स्क शहर में सोमवार सुबह औद्योगिक और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाकर बड़ा ड्रोन हमला किया गया। यूक्रेनी अधिकारियों ने फिलहाल इस घटनाक्रम पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। निजनेकाम्स्क यूक्रेन की सीमा से करीब 1,200 किलोमीटर पूर्व में स्थित है और इसकी आबादी लगभग 2.40 लाख है। जेलेंस्की ने रविवार देर रात एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हम पूरी तरह से उचित जवाब दे रहे हैं और रूस के हर हमले का जवाब दिया जाएगा। रूस के युद्ध का असर अब अपने ही घर यानी रूस में अधिक से अधिक महसूस किया जाएगा। इस युद्ध के जारी रहने का एकमात्र कारण यह है कि रूस इसे समाप्त नहीं करना चाहता।

भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात रिकॉर्ड स्तर पर

नयी दिल्ली। पश्चिमी प्रतिबंधों के कड़े होने के बावजूद भारतीय रिफाइनरी कंपनियों के रूस से खरीद जारी रखने से जुलाई में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात लगातार दूसरे महीने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। सोमवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

भारतीय खरीदारों ने जुलाई में रूस से 5.5 अरब यूरो मूल्य का कच्चा तेल आयात किया, जो जून की तुलना में मात्रा के आधार पर 2.1 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान रूस से भारत के कुल ईंधन आयात में कच्चे तेल की हिस्सेदारी 87 प्रतिशत रही। जून में भारत ने रूस से 4.5 अरब यूरो मूल्य का कच्चा तेल खरीदा था, जो उस महीने रूस से कुल 5.5 अरब यूरो के जीवाश्म ईंधन आयात का 83 प्रतिशत था। वर्ष 2021 में रूस से तेल आयात एक लाख बीपीडी से भी कम था, जो 2023 में बढ़कर करीब 18 लाख बीपीडी हो गया और रूस 39 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया था। पिछले महीने भारत रूस से जीवाश्म ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा, जिसने कुल 6.4 अरब यूरो के हाइड्रोकार्बन आयात किए। इसमें 5.5 अरब यूरो का कच्चा तेल, 51.2 करोड़ यूरो का कोयला और 34.1 करोड़ यूरो के तेल उत्पाद शामिल हैं। जुलाई में आयात में बढ़ोतरी मुख्यतः छोटे टर्मिनल के जरिये हुई। एचएमईएल मुंद्रा से आयात 58 प्रतिशत और इंडियन ऑयल के वाडिनार टर्मिनल पर 35 प्रतिशत बढ़ा, जबकि मुंबई के जरिये आयात में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जामनगर में आयात स्थिर रहा, जबकि पारादीप में 22 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। फरवरी, 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी देशों के लगाए प्रतिबंधों की वजह से रूस ने एशियाई खरीदारों को भारी छूट पर कच्चा तेल देना शुरू किया था, जिससे भारत की निर्भरता तेजी से बढ़ी। इस अवधि में रूस के कुल कच्चे तेल निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 37 प्रतिशत रही, जबकि चीन 50 प्रतिशत के साथ सबसे बड़ा खरीदार है। रूस के कच्चे तेल की औसत कीमत जुलाई में तीन प्रतिशत घटकर 60.22 डॉलर प्रति बैरल रही, जो जी-7 और यूरोपीय संघ की 44.10 डॉलर प्रति बैरल की मूल्य सीमा से काफी अधिक है। भारत की भूमिका केवल तेल खरीदार होने तक ही सीमित नहीं है।

इंटरटेनमेंट...

'रामायण' की रिलीज का महा प्लान

मुंबई। 'रामायण' की कुल ग्लोबल स्क्रीन संख्या 59 हजार के आसपास पहुंच सकती है। हालांकि यह आंकड़ा रिलीज के अंतिम समय में बदल सकता है। नितेश तिवारी की 'रामायण' रिलीज से पहले ही ग्लोबल स्तर पर नया रिकॉर्ड बनाने की तैयारी में है। फिल्म को भारत में करीब 9 हजार और अंतरराष्ट्रीय बाजार में 50 हजार स्क्रीन्स पर रिलीज करने की योजना है। यह किसी भारतीय फिल्म की अब तक की सबसे बड़ी ग्लोबल थिएट्रिकल रिलीज होगी। मेकर्स ने फिल्म का इंग्लिश लिप-सिंक ट्रेलर जारी करते हुए अंतरराष्ट्रीय रिलीज के बड़े प्लान की जानकारी दी है। भारत

> विदेशों में 50 हजार और भारत में 9 हजार स्क्रीन पर होगी रिलीज

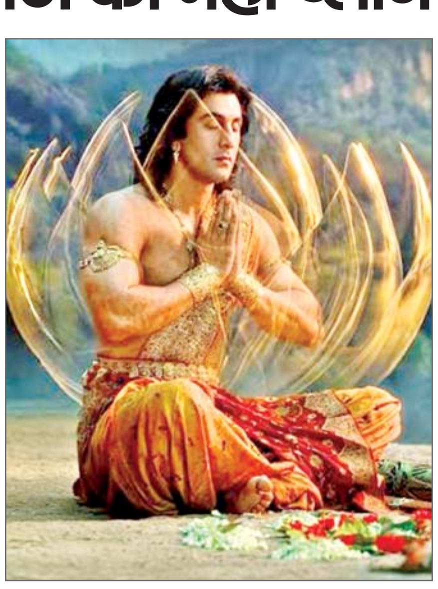

और विदेशों के स्क्रीन काउंट को मिलाकर 'रामायण' की कुल ग्लोबल स्क्रीन संख्या 59 हजार के आसपास पहुंच सकती है। हालांकि यह आंकड़ा रिलीज के अंतिम समय में बदल सकता है। अगर तय स्क्रीन काउंट लागू होता है तो 'रामायण' हाल की बड़े भारतीय ब्लॉकबस्टर्स से काफी आगे निकल जाएगी। 'पुष्पा 2: द रूल' करीब 12-13 हजार और 'आरआरआर' करीब 10-11 हजार स्क्रीन्स पर दुनियाभर में रिलीज हुई थीं। 'रामायण' का प्रस्तावित इंटरनेशनल रिलीज स्केल हॉलीवुड की बड़ी फिल्मों से भी तुलना खींच रहा है। 'अवतारः द वे ऑफ वॉटर' की रिलीज करीब 52 हजार स्क्रीन्स पर बताई गई थी।

सनी देओल 1947 के बंटवारे में परिवार टूटकर संभले

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने कहा कि उन्होंने 1947 के बंटवारे से जुड़ी कई कहानियां अपने बुजुर्गों से सुनी हैं। तब कई परिवार टूट गए थे। बाद में संभलने के लिए कैसे उन्होंने कश्मकश की, यही चीज हमने बंटवारा 1947 फिल्म में दिखाने की कोशिश की है। सनी देओल अपनी नई फिल्म के प्रमोशन के लिए बीते दिनों लखनऊ में थे। तभी सनी और उनके बेटे करण देओल ने दैनिक भास्कर से खास बातचीत की। इस दौरान सनी देओल ने फिल्म की कहानी, बंटवारे से जुड़ी यादों, फिल्म को लेकर अपनी उम्मीदों के बारे में खुलकर बताया। करण से भी फिल्म की शूटिंग और पिता के व्यवहार को लेकर बात की। बंटवारे पर पहले भी फिल्में बनी हैं। यह फिल्म उनसे कितना अलग होगी? सनी देओल: बहुत सारे ऐसे टॉपिक होते हैं, जिन पर बहुत काम हुआ होता है। इस फिल्म में जो बताने की कोशिश की गई है, शायद वह अब तक किसी ने कहा या बताया नहीं है।

> उसे हमने फिल्म में दिखाया; बंटवारे का सबसे ज्यादा असर पंजाब में हुआ था

बंटवारे का सबसे ज्यादा असर पंजाब में हुआ था। वहां लोगों को यह नहीं पता था कि कल सुबह उठकर क्या होगा? बंटवारे में एक फैमिली कैसे टूटती है, संभलती है और इकट्ठा होती है, उसे हमारी फिल्म में दिखाया गया है। करण, इस फिल्म में किरदार निभाना कितना चुनौतीपूर्ण रहा?

कामयाबी के लिए अपनों को बदनाम करना गलत

मुंबई। गोविंदा ने पत्नी सुनीता आहूजा के उन आरोपों पर जवाब दिया है, जिनमें उन्होंने उनके कई अफेयर्स की बात कही थी। गोविंदा ने कहा कि सुनिता सार्वजनिक तौर पर उनके बारे में नकारात्मक बातें कर स्टारडम हासिल कर रही हैं। साथ ही एक्टर ने कहा कि क्या आपको कामयाबी के लिए दूसरों को बदनाम करना जरूरी है। सुनीता के लगाए हुए कई अफेयर के आरोपों पर अठक से बातचीत में गोविंदा ने कहा, वह मुझे बहुत प्यार से गाली देती हैं और मैं उनके हाथ से खाता भी हूं। मुझे लगता है कि जो लोग जहां हैं और भगवान ने उन्हें जो भी भूमिका दी है, अगर वो वहां नहीं होते हम कामयाब नहीं हो सकते थे।

सलमान खान और संजय दत्त फिर साथ दिखेंगे

मुंबई। बॉलीवुड स्टार सलमान खान और संजय दत्त की इंटरनेशनल एक्शन थ्रिलर फिल्म '7 डॉग्स' भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। सलमान खान ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि यह फिल्म 21 अगस्त को भारतीय थिएटर्स में लगेगी। फिल्म का निर्देशन बिलाल फल्लाह और आदिल एल अरबी ने किया है।

इस फिल्म में मिस्र के स्टार्स करीम अब्दुल-अजीज और अहमद एज मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि सलमान खान और संजय दत्त कैमियो रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म इस साल की शुरूआत में मिडिल ईस्ट के देशों में रिलीज हो चुकी है। टीजर में दिखा था दोनों अभिनेताओं का अंदाज फिल्म '7 डॉग्स' का टीजर पिछले साल जारी किया गया था। टीजर की शुरूआत में संजय दत्त हाथ में बंदूक लिए नजर आए थे। वहीं टीजर के आखिरी हिस्से में सलमान खान सूट-बूट में दिखे थे। दोनों अभिनेताओं के टीजर में आने के बाद से ही

> दोनों की फिल्म '7 डॉग्स' 21 अगस्त को भारत में होगी रिलीज; रियाद में कर चुके शूटिंग

भारतीय दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर चर्चा थी। रियाद में हुई थी तीन दिन की शूटिंग इस फिल्म को सऊदी अरब की जनरल एंटरटेनमेंट अथॉरिटी के चेयरमैन तुर्की अल-शेख ने प्रोड्यूस किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान और संजय दत्त के तुर्की अल-शेख के साथ अच्छे संबंध हैं। इसी वजह से दोनों इस फिल्म में कैमियो करने के लिए तैयार हुए थे।

इस रोल की शूटिंग के लिए सलमान और संजय पिछले साल फरवरी में सऊदी अरब की राजधानी रियाद गए थे। वहां दोनों ने तीन दिनों के शेड्यूल में अपने सीन शूट किए थे। ड्रग सिंडिकेट और इंटरपोल अफसर की है कहानी वैराइटी की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की कहानी '7 डॉग्स' नाम के एक ग्लोबल क्राइम सिंडिकेट के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें इंटरपोल अफसर खालिद अल-अज्जाजी इस सिंडिकेट के बड़े लीडर घाली अबू दाऊद को गिरफ्तार कर लेता है।

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाउस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com